शुक्रवार, 26 दिसम्बर 2025

मौसम

तापमान 14 – 24
आर्द्रता 68%
सूर्योदय: 06:14 सूर्यास्त: 16:59

ॐ विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव।।

Epaper.samagya.in

समाज

कोलकाता, पौष शुक्लपक्ष षष्ठी, वि.स. 2082, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रुपये

स्थानीय खबरें पृष्ठ तीन, चार और पांच पर

सुविचार : मेहनत वो चाबी है जो बंद भविष्य का दरवाजा भी खोल देती है।

राष्ट्रपति ने संथाली भाषा में भारतीय संविधान का विमोचन किया पृष्ठ 7

भाजपा को गर्व है कि हमारी सरकार को अनुच्छेद 370 को समाप्त करने का अवसर मिला : मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लखनऊ में स्थापित राष्ट्र प्रेरणा स्थल देश को समर्पित किया

लखनऊ : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को गर्व है कि उसकी सरकार को, जम्मू कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 को समाप्त करने का अवसर मिला। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के जन्म शताब्दी वर्ष के मौके पर मोदी ने यहां लखनऊ में राष्ट्र प्रेरणा स्थल का लोकार्पण किया और यहां स्थापित पंडित श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय और वाजपेयी की प्रतिमा का अनावरण कर पुष्पांजलि अर्पित की। मोदी ने मुखर्जी का स्मरण करते हुए कहा, ''मुखर्जी ने देश को दिशा देने में निर्णायक भूमिका निभाई। ये डॉक्टर मुखर्जी ही थे जिन्होंने भारत में दो निशान, दो प्रधान और दो विधान को खारिज कर दिया था।'' प्रधानमंत्री ने कहा, ''जम्मू- कश्मीर में यह व्यवस्था भारत के लिए चुनौती थी, भाजपा को यह गर्व है कि हमारी सरकार को अनुच्छेद 370 को समाप्त करने का अवसर मिला। आज भारत का संविधान जम्मू कश्मीर में भी पूरी तरह लागू है।'' मोदी ने कहा, ''स्वतंत्र भारत के पहले उद्योग मंत्री के रूप में मुखर्जी ने भारत में आर्थिक आत्मनिर्भरता की नींव रखी और देश को पहली औद्योगिक नीति देकर भारत में इसकी बुनियाद रखी।'' उन्होंने जोर देकर कहा ''उप्र में देखिए, एक तरफ 'एक जनपद-एक उत्पाद' का कितना बड़ा अभियान चल रहा है, छोटी छोटी इकाइयों का सामर्थ्य बढ़ रहा है और दूसरी तरफ उप्र में बहुत बड़ा रक्षा गलियारा भी बन रहा है। '' मोदी ने कहा, ''ऑपरेशन सिंदूर' में दुनिया ने जिस ब्रह्मोस मिसाइल का जलवा देखा, वह लखनऊ में बन रही है। वह दिन दूर नहीं, जब उप्र का रक्षा गलियारा रक्षा विनिर्माण के लिए जाना जाएगा।'' उन्होंने कहा कि भाजपा की 'डबल इंजन' सरकार का बहुत अधिक फायदा उत्तर प्रदेश को हो रहा है और प्रदेश 21वीं सदी के भारत में अपनी एक अलग पहचान बना रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा, ''मेरा सौभाग्य है कि मैं उत्तर प्रदेश से सांसद हूं। आज मैं बहुत गर्व से कह सकता हूं कि उत्तर प्रदेश के मेहनतकश लोग एक नया भविष्य लिख रहे हैं।'' प्रदेश की कानून-व्यवस्था की सराहना करते हुए मोदी ने कहा, ''कभी उत्तर प्रदेश की चर्चा खराब कानून-व्यवस्था को लेकर होती थी लेकिन आज उत्तर प्रदेश की चर्चा विकास के लिए होती है। आज उत्तर प्रदेश देश के पर्यटन मानचित्र पर तेजी से उभर रहा है। अयोध्या में भव्य राम मंदिर, काशी विश्वनाथ धाम, यह दुनिया में उत्तर प्रदेश की नई पहचान के प्रतीक बन रहे हैं और राष्ट्रीय प्रेरणास्थल जैसे आधुनिक निर्माण उत्तर प्रदेश की नई छवि को और अधिक रोशन बनाते हैं।'' प्रधानमंत्री ने कहा, हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि आजादी के बाद हर अच्छी उपलब्धि का श्रेय एक ही परिवार को देने की प्रवृत्ति कैसे विकसित हुई।

बांग्लादेश में एक और हिंदू युवक के साथ बर्बरता, भीड़ ने पीट-पीटकर मार डाला

ढाका : बांग्लादेश में जारी अशांति के बीच एक और बड़ी खबर सामने आ रही है। बांग्लादेश के राजबाड़ी जिले के पांगशा उपजिला में बुधवार रात एक और हिंदू युवक की भीड़ द्वारा पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। पुलिस के अनुसार, युवक पर जबरन वसूली का आरोप लगाया गया था। यह घटना बुधवार रात करीब 11 बजे कलीमोहर यूनियन के होसेंदंगा गांव में हुई, जिसके बाद गांव में दहशत का माहौल बन गया। वहीं पांगशा सर्कल के सहायक पुलिस अधीक्षक देब्रत सरकार ने बताया कि मृतक की पहचान अमृत मंडल, उर्फ सम्राट, के रूप में हुई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और आगे की कार्रवाई की जा रही है।जानकारी के अनुसार घटना के दौरान पुलिस ने सम्राट के एक साथी मोहम्मद सलीम को मौके से गिरफ्तार किया। सलीम के पास से पुलिस ने दो हथियार भी बरामद किए। पुलिस ने बताया कि सूचना मिलते ही टीम मौके पर पहुंची और सम्राट को गंभीर हालत में भीड़ से बचाया।

इलाज के दौरान हुई मौत

पुलिस ने बताया कि सम्राट के बिगड़ते हालात को देखते हुए उसे तुरंत पांगशा उपजिला स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, लेकिन इलाज के दौरान रात करीब 2 बजे डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद पुलिस ने सलीम के पास से एक पिस्टल और एक देसी बंदूक बरामद की और उसे हिरासत में ले लिया। मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए राजबाड़ी सदर अस्पताल भेज दिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और इस घटना में शामिल अन्य लोगों की तलाश जारी है।

यूनुस सरकार बांग्लादेश में गैर-मुसलमानों पर 'अकल्पनीय अत्याचार' कर रही: शेख हसीना

ढाका/नयी दिल्ली : बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार पर बृहस्पतिवार को जमकर हमला बोला और उस पर गैर-मुसलमानों के खिलाफ अकल्पनीय अत्याचार करने का आरोप लगाया। अवामी लीग प्रमुख हसीना (78) ने कहा कि अवैध रूप से सत्ता हासिल करने वाली यूनुस सरकार में धार्मिक अल्पसंख्यकों को बेरहमी से मार डालने जैसी भयावह घटनाएं सामने आ रही हैं। उनका इशारा स्पष्ट रूप से बांग्लादेश में पिछले हफ्ते एक हिंदू युवक की भीड़ द्वारा पीट-पीटकर हत्या किए जाने की घटना की ओर था।

प्रधानमंत्री मोदी आज दिल्ली में वीर बाल दिवस कार्यक्रम में होंगे शामिल

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शुक्रवार को वीर बाल दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित एक कार्यक्रम में भाग लेंगे। यह दिवस श्री गुरु गोविंद सिंह के पुत्रों 'साहिबजादों' की शहादत की याद में मनाया जाता है। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि प्रधानमंत्री यहां भारत मंडपम में आयोजित होने वाले कार्यक्रम को संबोधित करेंगे। श्री गुरु गोबिंद सिंह के प्रकाश पर्व के अवसर पर नौ जनवरी 2022 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने घोषणा की थी कि 26 दिसंबर को 'वीर बाल दिवस' के रूप में मनाया जाएगा। यह दिन साहिबजादे बाबा जोरावर सिंह और बाबा फतेह सिंह के शहादत दिवस की स्मृति में मनाया जाता है। सरकारी बयान के अनुसार, वीर बाल दिवस के अवसर पर देशभर में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है, जिनका उद्देश्य नागरिकों को साहिबजादों के असाधारण साहस और सर्वोच्च बलिदान के बारे में जानकारी देना और जागरूक करना है। इन गतिविधियों में कहानी सुनाने के सत्र, पाठ, पोस्टर निर्माण और निबंध लेखन प्रतियोगिताएं शामिल होंगी। ये कार्यक्रम स्कूलों, बाल देखभाल संस्थानों, आंगनवाड़ी केंद्रों और अन्य शैक्षणिक मंचों पर आयोजित किए जाएंगे। बयान में कहा गया कि कार्यक्रमों में प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से सम्मानित बच्चे भी शामिल होंगे।

रेल मंत्रालय ने किराये में वृद्धि अधिसूचित की, टिकट के नये दाम आज से होंगे प्रभावी

नयी दिल्ली : रेल मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को आधिकारिक तौर पर 215 किलोमीटर से अधिक की यात्रा के लिए साधारण श्रेणी के टिकट की कीमत में एक पैसा प्रति किलोमीटर तथा मेल/एक्सप्रेस रेलगाड़ियों की गैर वातानुकूलित और सभी ट्रेनों की वातानुकूलित श्रेणियों के टिकट की कीमत में दो पैसे प्रति किलोमीटर की वृद्धि की अधिसूचना जारी की। मंत्रालय ने 21 दिसंबर को घोषणा की थी कि 26 दिसंबर से यात्री किराए में वृद्धि की जायेगी। यह एक साल में दूसरी बार है जब मंत्रालय ने यात्री रेल किरायों में संशोधन किया है। इससे पहले जुलाई में किराया में वृद्धि की गयी थी। अपने फैसले को सही ठहराते हुए मंत्रालय ने कहा कि किरायों को युक्तिसंगत बनाने का उद्देश्य यात्रियों के लिए (टिकट की) वहनीयता और परिचालन की स्थिरता के बीच संतुलन स्थापित करना है।

ओडिशा में मुठभेड़ में 1.1 करोड़ के इनामी गणेश उइके समेत छह नक्सली ढेर

भुवनेश्वर : ओडिशा के कंधमाल जिले में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में शीर्ष माओवादी गणेश उइके सहित छह नक्सली मारे गए। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इसे ''एक बड़ी सफलता'' बताया, जबकि मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने इसे 'नक्सल मुक्त भारत' के निर्माण की दिशा में एक ''उल्लेखनीय सफलता'' बताया। राज्य में नक्सल विरोधी अभियानों का नेतृत्व कर रहे एक वरिष्ठ अधिकारी संजीब पांडा ने बताया कि भाकपा (माओवादी) केंद्रीय समिति के सदस्य उइके ओडिशा में प्रतिबंधित संगठन का प्रमुख था और उस पर 1.1 करोड़ रुपये का इनाम था। बुधवार रात बेलघर थाना क्षेत्र के गुम्मा जंगल में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में छत्तीसगढ़ के दो माओवादी मारे गए। उन्होंने बताया कि बृहस्पतिवार सुबह चकापाड थाना क्षेत्र के एक जंगल में फिर से मुठभेड़ हुई, जिसमें उइके समेत चार अन्य माओवादी मारे गए। अधिकारी ने कहा, '' गोलीबारी में चार माओवादी मारे गए। उनमें से एक की पहचान 69 वर्षीय गणेश उइके के रूप में हुई है। वह तेलंगाना के नलगोंडा जिले के चेंदूर मंडल के पुल्लेमाला गांव का निवासी था।'' अधिकारी ने बताया कि दो महिलाओं समेत अन्य तीन नक्सलियों की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। इस बीच शाह ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''ओडिशा के कंधमाल में चलाये गये एक बड़े अभियान में केंद्रीय समिति के सदस्य गणेश उइके समेत छह नक्सलियों को मार गिराया गया है। इस बड़ी सफलता के साथ ओडिशा नक्सलवाद से पूरी तरह मुक्त होने की कगार पर है। हम 31 मार्च 2026 से पहले नक्सलवाद को जड़ से खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।'' गणेश उइके को पक्का हनुमंतु, राजेश तिवारी, चमरू और रूपा के नाम से भी जाना जाता है।

भारत सरकार

भारत की बाल शक्ति @2047

आइये एक साथ मिलकर मनाएं साहिबज़ादों की वीरता एवं साहस से प्रेरित

वीर बाल दिवस

26 दिसंबर 2025

इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा

देश भर के बच्चों को संबोधन

एवं

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार प्राप्त बच्चों से संवाद

CBC 46101/13/0020/2526

भारत मंडपम, नई दिल्ली | दोपहर 12:30 बजे से डीडी न्यूज पर सीधा प्रसारण

बनी रहे हिमाचल के सेबों की लाली

अमेरिका द्वारा अनुचित टैरिफ लगाने से भारतीय बाजारों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंकाओं के बीच न्यूजीलैंड के साथ मुक्त व्यापार समझौता सुखद ही है। माना जा रहा है कि दुनिया में अर्थव्यवस्थाओं के संरक्षणवाद तथा भू-राजनीतिक तनाव से उपजे आपूर्ति श्रृंखला के संकट के बीच इस समझौते का सिरे चढ़ना भारतीय अर्थव्यवस्था के लिये लाभकारी हो सकता है। लेकिन इसके साथ ही भारतीय कृषि व फल उत्पादकों के हितों की भी अनदेखी नहीं की जानी चाहिए। जैसी कि हिमाचल प्रदेश के सेब उत्पादकों में गहरी चिंता है कि न्यूजीलैंड के सेब पर आयात शुल्क पचास से पच्चीस फीसदी करने से उनके हितों पर चोट लगेगी। उनकी आशंका है कि यदि अन्य देशों के साथ भी ऐसे समझौते होते हैं तो हिमाचली सेब बाजार में प्रतिस्पर्धी मुकाबला नहीं कर पाएगा। उनका कहना है कि जिस दौरान हिमाचली सेब की मार्केट में आवक होती है, उस दौरान यह शुल्क कम नहीं होना चाहिए। उनका मानना है कि इससे सेब की हाई-डेंसिटी खेती तथा कोल्ड स्टोरेज उद्योग पर भी बुरा असर पड़ेगा। वैसे इस करार का एक सकारात्मक पक्ष यह भी है कि इससे वॉशिंगटन के साथ प्रस्तावित मुक्त व्यापार डील में भारत को लाभ मिल सकेगा। उल्लेखनीय है कि न्यूजीलैंड के साथ व्यापार अगले पांच साल में दुगना करने का लक्ष्य रखा गया है, जो देश के व्यापक हित में हो सकता है। न्यूजीलैंड ने अगले पंद्रह वर्षों में भारत में बीस अरब डॉलर के निवेश करने का भरोसा दिलाया है। निस्संदेह, इस करार से उस नकारात्मक वातावरण को दूर करने में मदद मिलेगी, जो अमेरिका के एकतरफा टैरिफ लगाने से बना था। जिसके चलते अमेरिका को निर्यात करने वाले उत्पादक चिंता में थे और रोजगार के अवसरों में कमी की आशंका भी जतायी जा रही थी। सकारात्मक पहलू यह भी है कि न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन की मार्च में भारत यात्रा के बाद सिर्फ नौ महीने में यह करार सिरे चढ़ा है।

निस्संदेह, यह समझौता द्विपक्षीय आर्थिक हितों की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण कहा जा रहा है। जो निश्चय ही हमारी हिंद-प्रशांत आर्थिक रणनीति को संबल देगा। यह तथ्य भी विचारणीय है कि आजादी के कुछ साल बाद शुरू हुआ दोनों देशों का व्यापारिक लेनदेन बेहद उत्साहजनक नहीं रहा। जो बीते साल मुश्किल से दो अरब डॉलर तक पहुंच सका है। बहरहाल, अगले पांच साल में व्यापार को दुगना करने का संकल्प आशा जगाता है। भारत न्यूजीलैंड को फार्मास्यूटिकल, गुड्स, आईटी सेवाओं का निर्यात बढ़ा सकता है। कहा जा रहा है कि करार के बाद भारत की न्यूजीलैंड की उन्नत कृषि तकनीक तक पहुंच आसान होगी। यह भी कि कृषि क्षेत्र में आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल के न्यूजीलैंड के अनुभव का लाभ भारत को मिल सकता है, लेकिन भारतीय किसानों के हितों की रक्षा प्राथमिकता होनी चाहिए। उल्लेखनीय है कि करार में भारतीय डेयरी उद्योग के हितों की रक्षा करने का भरोसा दिया गया है। दुनिया में सर्वाधिक दुग्ध उत्पादक देश भारत में न्यूजीलैंड के डेयरी सेक्टर को कोई छूट नहीं दी गई है। यहां उल्लेखनीय है कि अमेरिका के साथ व्यापार समझौते के अब तक सिरे न चढ़ने की एक बड़ी वजह डेयरी व कृषि क्षेत्र में भारतीय किसान व डेयरी उत्पादकों के हितों के चलते अमेरिकी दखल को हरी झंडी न देना ही है। बहरहाल, अमेरिका से व्यापार समझौते पर तनातनी के बावजूद भारत द्वारा हाल ही में ओमान के साथ आर्थिक साझेदारी समझौते के बाद न्यूजीलैंड से एफटीए को सिरे चढ़ाना भारतीय निर्यात विविधता को बढ़ावा ही देगा। एक साल में तीन वैश्विक समझौतों का सिरे चढ़ना भारतीय अर्थव्यवस्था के लिये ऊर्जा का काम कर सकता है। वहीं इस माह की शुरुआत में रूसी राष्ट्रपति पुतिन की भारत यात्रा के दौरान द्विपक्षीय व्यापार बढ़ाने पर भी सहमति बनी है। बहुत संभव है कि इन समझौतों के बाद अमेरिका से होने वाले मुक्त व्यापार समझौते में भारत का पक्ष मजबूत हो पाएगा। उम्मीद करें कि यूरोपीय यूनियन,कनाडा व इस्राइल से भी एफटीए के प्रयास सिरे चढ़े। लेकिन इसके साथ ही जरूरी है कि भारतीय किसानों, फल व दुग्ध उत्पादकों के हितों की रक्षा प्राथमिकता के आधार पर की जाए।

राष्ट्रभक्ति, साहस, त्याग और बलिदान की सीख देता है वीर बाल दिवस

अशोक प्रवृद्ध

वीर बाल दिवस (26 दिसम्बर) पर विशेष

सिख धर्म के दशम गुरु गुरु गोविंद सिंह के पुत्रों के बलिदान को स्मरण करने, उनके वीरता, साहस व अटल विश्वास को सम्मान देने, उन्हें श्रद्धांजलि देने, भारत के गौरवशाली इतिहास,शौर्यपूर्ण कृत्यों और राष्ट्रीय संकल्पों को पुनर्जीवित करने के लिए प्रतिवर्ष 26 दिसम्बर को वीर बाल दिवेस मनाया जाता है। 26 दिसम्बर 1705 को गुरु गोविंद सिंह के पुत्र सात वर्षीय साहिबजादा जोरावर सिंह और नौ वर्षीय साहिबजादा फतेह सिंह ने धर्म और सत्य की रक्षा करते हुए अपने प्राणों का बलिदान दिया था। इसी दिन साहिबजादे जोरावर सिंह और साहिबजादे फतेह सिंह को मुगलों ने जिंदा ही दीवार में चिनवा दिया था। इससे पहले गोविंद सिंह के बड़े पुत्र साहिबजादे अजीत सिंह और जुझार सिंह मुगलों से हुई एक जंग में वीरगति को प्राप्त हो चुके थे। धर्म, देश और सत्य की रक्षा हेतु अपना बलिदान देने वाले साहिबजादों के स्मरण में वीर बाल दिवस पहली बार वर्ष 2022 में 26 दिसम्बर को मनाया गया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 9 जनवरी 2022 को गुरु गोबिंद सिंह के प्रकाश पर्व के अवसर पर प्रतिवर्ष 26 दिसम्बर को वीर बाल दिवस मनाये जाने की घोषणा की थी। तब से प्रतिवर्ष 26 दिसम्बर को वीर बाल दिवस मनाया जाता है। सिखों के दशम गुरु गुरु गोबिंद सिंह के छोटे पुत्रों- साहिबजादे बाबा जोरावर सिंह और साहिबजादे बाबा फतेह सिंह की बलिदान को श्रद्धांजलि देने के लिए 2025 में 26 दिसम्बर दिन शुक्रवार को वीर बाल दिवस मनाया जाएगा, जिसकी व्यापक तैयारी सरकारी व भारतीय जनता पार्टी स्तर पर की गई है। इसके तहत राज्य स्तर पर बैठकों, रैलियों व विविध कार्यक्रमों के आयोजन का दौर जारी है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने 20 दिसम्बर को लखनऊ में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व प्रदेश भाजपा के बड़े नेताओं की उपस्थिति में गुरु गोविन्द सिंह के पुत्रों के बलिदान की अमर गाथा को लोकव्यापी बनाने की घोषणा करते हुए कह चुके हैं कि राष्ट्र, संस्कृति और धर्म की रक्षा के लिए चारों साहिबजादों ने अन्याय, अत्याचार के सामने झुकने से मना करते हुए धर्म परिवर्तन नहीं किया। छोटी सी आयु में भी धर्म, संस्कृति और राष्ट्र के लिए बलिदान दिया, यह अडिग आस्था, वीरता एवं साहस की मिसाल है। वीर बाल दिवस हमें साहस, सत्य, आत्मसम्मान और देश व धर्म की रक्षा के लिए बलिदान की प्रेरणा देता है। हम चारों साहिबजादों के अमर बलिदान की प्रेरक गाथा को जन-जन तक पहुंचाने का काम करें। 20 दिसम्बर को ही छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में छत्तीसगढ़ राज्य अल्पसंख्यक आयोग द्वारा आयोजित वीर बाल रैली के माध्यम से वहां के मुख्यमंत्री विशुनदेव साय भी वीर बाल दिवस समारोहपूर्वक मनाने की घोषणा कर चुके हैं। अन्य कई स्थानों से भी इससे संबंधित कार्यक्रमों के आयोजन की खबरें सुर्ख़ियों पर है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि सरकार व भाजपा वीर बाल दिवस को लेकर कितनी संजीदा है?

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 9 जनवरी 2022 को प्रकाश पर्व के अवसर पर 26 दिसम्बर को वीर बाल दिवस मनाये जाने की घोषणा करने के बाद भाजपा नेताओं द्वारा दशम गुरु गुरु गोबिंद सिंह और उनके साहिबजादों को स्मरण करना, उनका गुण गान करना, उन्हें नमन करना राष्ट्र के वैभव और देश व धर्म के गौरवपूर्ण गाथा को पुनर्जीवित, पुनर्स्थापित करने जैसा है, वरना 2022 के पूर्व 15 नवम्बर को बच्चों के नाम पर अंग्रेज, अंग्रेजी, अंग्रेजियत और विदेशी संस्कृति के प्रेमी देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरु के जन्म दिन के उपलक्ष्य में बाल दिवस मनाया जाता था और उनके कृत्यों को याद किया जाता था, उन्हें श्रद्धांजलि दी जाती थी। 14 नवम्बर को मनाई जाने वाली बाल दिवस जहां चाचा नेहरू को समर्पित है, वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर वर्ष 2022 से राष्ट्रीय स्तर पर 28 जनवरी को मनाई जाने वाली वीर बाल दिवस गुरु गोबिंद सिंह के साहिबजादों (जोरावर सिंह और फतेह सिंह) के अद्वितीय साहस और बलिदान को याद करता है, जो धर्म और राष्ट्र के लिए उनका सर्वोच्च बलिदान था, और यह भारत की गौरवशाली विरासत को जगाने, युवाओं में राष्ट्रप्रेम, अनुशासन और दृढ़ संकल्प भरने का एक शक्तिशाली राष्ट्रीय उत्सव है, जो भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की प्रेरणा देता है। राष्ट्रीय स्तर पर वीर बाल दिवस मनाने की पहल अत्यंत सराहनीय है। जहां बाल दिवस का उद्देश्य बाल्यपन से ही बच्चों में कोंग्रेसी मानसिकता का भाव गढने के लिए बच्चों के प्रेमी के रूप में इतिहास में प्रस्तुत चाचा नेहरू की विरासत का सम्मान करना है, वहीं वीर बाल दिवस का उद्देश्य है साहिबजादों के असाधारण वीरता, निष्ठा और सर्वोच्च बलिदान को याद करना, और बच्चों में राष्ट्रभक्ति, साहस, अनुशासन और दृढ़ इच्छाशक्ति जगाना। यह दिन भारतीय युवाओं को अपनी विरासत पर गर्व करने और राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित करता है। यह विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए युवा शक्ति को एकजुट करता है। यह राष्ट्र प्रथम की भावना को मजबूत करता है और बच्चों को समर्पित नागरिक बनने के लिए प्रेरित करता है। इसमें कोई शक नहीं कि सिख धर्म की यह गौरवशाली परंपरा हम सभी भारतीयों के लिए गर्व का विषय है। नई पीढ़ी को साहिबजादों के बलिदान और मूल्यों से परिचित कराना हमारा नैतिक दायित्व है। ऐसे में देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा वर्ष 2022 से वीर बाल दिवस को राष्ट्रीय स्तर पर मनाने की पहल अत्यंत सराहनीय है। इससे बच्चों और युवाओं में शौर्य, साहस और राष्ट्रप्रेम की भावना प्रबल हुई है। प्रधानमंत्री के इस निर्णय से प्रसन्न भारत, भारतीय और भारतीयता के समर्थकों का कहना है कि साहिबजादों के जीवन को देखते ही दशम गुरु गोबिंद सिंह द्वारा दिए गए संस्कारों और शिक्षाओं पर गर्व होता है। उन्होंने खालसा पंथ की स्थापना कर अन्याय और अत्याचार के विरुद्ध संघर्ष का मार्ग दिखाया। उनकी प्रेरक पंक्तियां -सवा लाख से एक लड़ाऊँ, चिड़ियन ते मैं बाज लड़ाऊँ, तबै गुरु गोबिंद सिंह नाम कहलाऊँ।- आज भी हर भारतीय के भीतर साहस और संघर्ष की चेतना जागृत करती है। यह पंक्तियां लोगों के मन, हृदय पर यह विश्वास दृढ करती हैं कि साधन नहीं, साहस और संकल्प ही विजय का मार्ग प्रशस्त करते हैं। भारत की धरती धन्य है, जिसने ऐसे महान गुरुओं और साहिबजादों को जन्म दिया। 26 दिसम्बर को सरकार द्वारा इस प्रकार के ऐतिहासिक आयोजन के लिए सरकार बधाई और सराहना की पात्र है। साहिबजादों का बलिदान हमें निर्भीकता, सत्यनिष्ठा और राष्ट्रप्रथम की भावना का मार्ग दिखाता है। उनका जीवन हर पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत है।उल्लेखनीय है कि गुरु गोबिंद सिंह सिख धर्म के महान गुरु थे। उन्होंने खालसा पंथ की स्थापना की और अन्याय के खिलाफ खड़े होने का संदेश दिया। उनके चार पुत्र थे- अजित सिंह, जुझार सिंह, जोरावर सिंह और फतेह सिंह। वर्ष 1699 में खालसा पंथ की स्थापना के बाद ये चारों साहिबजादे खालसा के महत्वपूर्ण अंग बने रहे।1705 में पंजाब पर मुगलों के शासन के दौरान मुगल गुरु गोबिंद सिंह को पकड़ने के लिए लगातार हरसंभव प्रयास कर रहे थे।

इस संघर्ष के दौरान गुरु गोबिंद सिंह अपने परिवार से अलग हो गए। उनकी पत्नी माता गुजरी अपने छोटे पुत्रों सात वर्षीय जोरावर सिंह और नौ वर्षीय फतेह सिंह के साथ ही रसोइए गंगू के साथ छिपकर रहने लगीं। लेकिन लालच में आकर गंगू ने उन्हें सरहिंद के नवाब वजीर खान के हवाले कर दिया। इससे पहले बड़े साहिबजादे अजीत सिंह और जुझार सिंह एक जंग में वीरगति पा चुके थे। वजीर खान ने माता गुजरी और दोनों छोटे साहिबजादों को अत्याचारों से दबाने और धर्म परिवर्तन करने के लिए मजबूर किया, लेकिन उन्होंने अपने धर्म से समझौता करने से इंकार कर दिया। इसके बाद 26 दिसम्बर को दोनों मासूम साहिबजादों को दीवार में जिंदा चुनवा दिया गया। यह खबर सुनते ही माता गुजरी ने भी प्राण त्याग दिए।26 दिसम्बर 1705 को धर्म और सत्य की रक्षा करते हुए अपने प्राणों का बलिदान देने वाले जोरावर सिंह और फतेह सिंह के स्मरण में मनाया जाने वाला वीर बाल दिवस उनके साथ-साथ गुरु गोबिंद सिंह के चारों साहिबजादों के साहस, अद्वितीय बलिदान और अटल विश्वास का सम्मान, नमन करने का दिन है। यह अवसर केवल एक ऐतिहासिक स्मरणोत्सव नहीं है, बल्कि यह दिन राष्ट्र के बच्चों और युवाओं को प्रेरणा देने का, उनके भीतर राष्ट्रभक्ति, साहस, त्याग और बलिदान की भावना को जागृत करने का एक विशेष अवसर है। यह दिवस हमें याद दिलाता रहेगा कि शौर्य की पराकाष्ठा के समय कम आयु मायने नहीं रखती। यह बलिदान केवल सिख समाज ही नहीं, बल्कि सम्पूर्ण मानवता के लिए प्रेरणास्रोत है।

नया साल नहीं बदलेगा, जब तक आप खुद से नहीं बदलेंगे

कृति आरके जैन

- नई शुरुआत बाहर नहीं, भीतर होती है
- नया साल, नई दृष्टि: दोष से करुणा तक

साहस की पहली शर्त :

सच यह है कि नए साल की सबसे बड़ी हिम्मत बाहर नहीं, भीतर से शुरू होती है- खुद को माफ करने से। हर साल हम लक्ष्य गिनाते हैं: स्वस्थ शरीर, बेहतर करियर, अनुशासित जीवन। लेकिन बोझिल मन के साथ कोई भी संकल्प टिक नहीं पाता। 2026 की दहलीज पर खड़े होकर सबसे ज़रूरी है पुराने अपराधबोध को विदा कहना। स्वयं को माफ करना कमजोरी नहीं, बल्कि आत्मबल की स्पष्ट घोषणा है। यही वह क्षण है जब आप स्वीकारते हैं-मैं गलतियों से बना इंसान हूं और आगे बढ़ने का पूरा अधिकार रखता हूं।

मौन शत्रु की पहचान :

अपराधबोध वह मौन शत्रु है जो भीतर ही भीतर हमें खोखला कर देता है। यह पुरानी असफलताओं, बिखरे रिश्तों और अधूरे निर्णयों की स्मृति बनकर मन में घर कर लेता है। हम स्वयं के सबसे कठोर न्यायाधीश बन जाते हैं और अनजाने में अपने मानसिक स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाते हैं। लगातार अपराधबोध में जीने वाला व्यक्ति तनाव, बेचैनी और अनिद्रा से घिर जाता है। ऐसे बोझ के साथ यदि नववर्ष शुरू हो, तो हर नया संकल्प भारी लगने लगता है। आगे बढ़ने के लिए जरूरी है कि पहले इस बोझ को पहचाना जाए और साहसपूर्वक उतार दिया जाए।

माफी का सही अर्थ :

सेल्फ-फॉरगिवनेस का मतलब खुद को निर्दोष ठहराना नहीं, बल्कि अपनी गलती को ईमानदारी से स्वीकार कर उससे सीख लेना और आत्मदंड की श्रृंखला तोड़ना है। जब आप स्वयं को माफ करते हैं, तो नकारात्मक विचारों की पकड़ धीरे-धीरे कमजोर पड़ने लगती है। मन में करुणा जन्म लेती है और आत्मस्वीकृति सशक्त होती है। यही वह आधार है जिस पर सच्चा आत्मप्रेम खड़ा होता है-जहाँ आप खुद को संपूर्ण नहीं, बल्कि मानवीय मानते हुए, अपनी कमियों और खूबियों दोनों के साथ स्वीकार करते हैं।

विज्ञान की मुहर :

विज्ञान भी इस आंतरिक बदलाव की प्रभावशीलता को स्पष्ट रूप से स्वीकार करता है। शोध बताते हैं कि सेल्फ-फॉरगिवनेस तनाव हार्मोन को घटाती है और मस्तिष्क के भय-केंद्र को शांत करती है। इसका असर केवल मानसिक स्तर तक सीमित नहीं रहता, बल्कि नींद, रक्तचाप और ऊर्जा पर भी सकारात्मक रूप से दिखाई देता है। जो लोग स्वयं को माफ करना सीख लेते हैं, उनमें आशा, धैर्य और आत्मविश्वास स्वाभाविक रूप से बढ़ता है। इसी कारण मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ इसे भावनात्मक उपचार की एक सशक्त और आवश्यक प्रक्रिया मानते हैं।

आत्मप्रेम की कुंजी :

सेल्फ-लव और सेल्फ-फॉरगिवनेस वास्तव में एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। जब तक व्यक्ति स्वयं को दोषी ठहराता रहता है, तब तक आत्मप्रेम संभव नहीं हो पाता। माफी का सार यह स्वीकार करना है कि आप पूर्ण नहीं हैं, फिर भी मूल्यवान हैं। अपराधबोध हमें अपने ही विरुद्ध खड़ा कर देता है, जबकि माफी हमें अपना साथी बना लेती है। नववर्ष में यदि आत्मप्रेम की सच्ची शुरुआत करनी है, तो पुराने आत्मदोष को छोड़ना अनिवार्य है-यही भावनात्मक मजबूती की पहली सीढ़ी है।

व्यवहार से बदलाव :

गिल्ट-फ्री जीवन की शुरुआत ठोस और सरल अभ्यासों से होती है। सबसे पहले बिना कठोरता के अपनी गलतियों को लिखें और स्वीकारें। फिर स्वयं से कहें कि उस समय आपने अपनी समझ के अनुसार सर्वोत्तम प्रयास किया था। रोज कुछ मिनट जर्नलिंग या ध्यान में लगाइए, जहाँ पुराने विचारों को आने-जाने दें। आईने के सामने खड़े होकर स्वयं से सकारात्मक वाक्य कहना भी प्रभावी उपाय है। ये छोटे-छोटे अभ्यास धीरे-धीरे मन का बोझ हल्का करते हैं।

बदलाव की सच्ची मिसाल :

एक वास्तविक कहानी इस आंतरिक परिवर्तन की शक्ति को उजागर करती है। एक युवती लंबे समय तक करियर की असफलता के अपराधबोध में घिरी रही, जिससे उसकी नींद, रिश्ते और आत्मविश्वास टूटते चले गए। फिर एक दिन उसने समझा कि असफलता दंड नहीं, सीख है। उसने स्वयं को माफ कर आगे बढ़ने का निश्चय किया। इसका परिणाम यह हुआ कि उसका मानसिक संतुलन लौटा और जीवन को नई दिशा मिली। यह कथा दिखाती है कि माफी सचमुच भीतर से जीवन बदल देती है।

वर्ष का सार्थक संकल्प :

नववर्ष 2026 के लिए एक सरल लेकिन गहन संकल्प अपनाइए। हर महीने किसी एक पुरानी गलती को सचेत रूप से माफ करने का निर्णय लें। साथ ही दैनिक जीवन में आत्मप्रेम के छोटे अभ्यास जोड़ें-स्वस्थ सीमाएँ तय करना, नकारात्मक आत्मसंवाद को रोकना और स्वयं को पर्याप्त विश्राम देना। जब आप खुद पर अनावश्यक दबाव नहीं डालते, तब लक्ष्य अधिक स्थायी बनते हैं। यह अभ्यास बाहरी उपलब्धियों से पहले भीतर संतुलन और स्थिरता विकसित करना सिखाता है।

धैर्य की राह :

इस यात्रा में चुनौतियों का आना स्वाभाविक है। कभी पुराने विचार लौट आएंगे, तो कभी सामाजिक अपेक्षाएं मन को विचलित करेंगी। याद रखिए, सेल्फ-फॉरगिवनेस एक दिन की उपलब्धि नहीं बल्कि निरंतर अभ्यास है। यदि आप फिर स्वयं को कठघरे में खड़ा पाएं, तो शांत मन से दोबारा शुरुआत करें। आवश्यकता पड़े तो थेरेपी, ध्यान या डिजिटल साधनों का सहारा लें। समय के साथ मन की जकड़न ढीली होती जाती है।

सबसे मूल्यवान उपहार :

अंततः स्वयं को माफ करना नए साल का सबसे अनमोल उपहार है। जब अपराधबोध विदा होता है, तब आत्मप्रेम के लिए जगह बनती है। यही स्थान खुशी, स्वतंत्रता और मानसिक शांति को जन्म देता है। 2026 की शुरुआत आत्मदंड से नहीं, आत्मकरुणा से कीजिए। विज्ञान, अनुभव और जीवन की सच्ची कहानियाँ यही बताती हैं कि जो स्वयं को माफ कर लेता है, वही वास्तव में आगे बढ़ पाता है। नए साल में खुद को अपनाइए और जीवन को पूरे मन से जीतिए।

आज का पंचांग

कोलकाता : 26 दिसम्बर, शुक्रवार, 2025, विक्रम सम्वत् 2082, पौष शुक्लपक्ष षष्ठी, 13:39 तक, नक्षत्र : शतभिषा, 08:50 तक, योग : सिद्धि, 13:51 तक, सूर्योदय: 06:14, सूर्यास्त: 16:59, चन्द्रोदय : 10:30, चन्द्रास्त: 22:38, शक सम्वतः 1947 विश्वावसु, सूर्य राशि : धनु, चन्द्र राशि : कुम्भ, राहू काल : 10:17 से 11:37

राशिफल

मेष : साल 2025 के अंतिम शुक्रवार का दिन मेष राशि के जातकों के लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। हालांकि, आज पेपर वर्क में थोड़ी सतर्कता बरतनी होगी।

वृष : आज दिन की शुरूआत अच्छी रहने वाली है। दिन के पहले भाग में व्यवसाय से जुड़ी समस्याओं को हल करने का मौका मिलेगा। प्यार के मामले में आज का दिन शुभ रहने वाला है।

मिथुन : आप दूसरों भी भावनाओं को पहचानें और उनके अनुसार चलेंगे तो आपको काफी आत्म संतोष होगा। कभी कभार दूसरों की बात सुनने में कोई परहेज नहीं है।

कर्क : आज आपके पास खुद को साबित करने के कई मौके आएंगे। इस मौके को पहचान कर उन पर खरा उतरना आपकी जिम्मेदारी है। मौके बार-बार दरवाजे पर दस्तक नहीं देते।

सिंह : किसी जानकार को छोटा मोटा कर्ज दिया जा सकता है। आज आपको दिन से पहले हिस्से में दूसरों की आर्थिक मदद करने में ही अपना समय गुजारना पड़ सकता है।

कन्या : आज आपके ऊपर ढेर सारी जिम्मेदारियां निभाने का दिन है। घर के सभी पुराने लटके हुए कामों को पूरा करने का मौका मिलेगा। जोखिम उठाने का काम करना फायदेमंद नहीं होगा।

तुला : आज आप अपनी पुरानी देनदारी चुकाने में कामयाब हो जाएंगे। कुछ जरूरी सामान की शापिंग करनी पड़ सकती है। ऐसी चीजें न खरीदें जो फिलहाल आपके काम में आने वाला नहीं है।

वृश्चिक : आज का दिन आपको बहुत बिजी रखेगा। दिन के पहले हिस्से में कुछ जरूरी फोन कॉल्स और ईमेल्स का जवाब देना जरूरी होगा। आप अपनी सेविंग्स पर जरूर नज़र डाल लें।

धनु : आज आपको आपके कर्मक्षेत्र यानी ऑफिस में कुछ नए अधिकार दिये जा सकते हैं। किसी क्रिएटिव काम में भी आपकी रुचि बढ़ेगी। जरूरी सामान की खरीदारी में शाम का समय बीतेगा।

मकर : आज सुबह से ही किसी नये प्रोग्राम को लेकर आपके अन्दर नई शक्ति और एनर्जी रहेगी। किसी लव अफेयर को लेकर भी आप काफी एक्साइटेड रहेंगे।

कुम्भ : आज दिन के पहले हिस्से में आपको छिटपुट धन का लाभ होने की संभावना है। एक बार एक्सपीरिएंस हो जाए तो बस दुनिया अपनी मुट्ठी में ही समझिए।

मीन : आज आप अपने में मस्त रहेंगे। किसी भी विरोधी की आलोचना की तरफ बिल्कुल ध्यान न लगाएं। अपना काम करते रहें। सफलता एक दिन जरूर आपके कदम चूमेगी।

विदेश की खबरें

अमेरिकी उपग्रह का भारत से प्रक्षेपण अंतरिक्ष क्षेत्र में साल की सबसे बड़ी उपलब्धि: क्वात्रा

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन : अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा ने कहा कि भारत द्वारा एक अमेरिकी संचार उपग्रह का सफल प्रक्षेपण वाशिंगटन और नयी दिल्ली के बीच साझेदारी के लिए एक अत्यंत महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक पल है, और यह वर्ष 2025 में द्विपक्षीय अंतरिक्ष सहयोग के दौरान हासिल हुई सबसे बड़ी उपलब्धि है। क्वात्रा ने 'पीटीआई-भाषा'को दिए साक्षात्कार में कहा कि अंतरिक्ष के क्षेत्र में भारत-अमेरिका साझेदारी के लिए आज वास्तव में एक बहुत महत्वपूर्ण दिन है। उन्होंने कहा, यह हमारे अंतरिक्ष इंजीनियरों और हमारे अंतरिक्ष वैज्ञानिकों के लिए बड़ा दिन है। यह आत्मनिर्भरता के प्रधानमंत्री (नरेन्द्र मोदी) के दृष्टिकोण के हिसाब से एक बड़ा दिन है। यह भारत-अमेरिका सहयोग के लिए बड़ा दिन है। मुझे लगता है कि कम से कम इस क्षेत्र में तो हम वर्ष 2025 का इससे बेहतर अंत नहीं कर सकते थे, और अगले वर्ष और अधिक उपलब्धियां हासिल करने की पूरी तैयारी है।

मुसलमानों, हिंदुओं, बौद्धों और ईसाईयों सभी का है बांग्लादेश: तारिक रहमान

ढाका/नयी दिल्ली : बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के कार्यकारी अध्यक्ष तारिक रहमान ने बृहस्पतिवार को लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की। उन्होंने एक समावेशी समाज का दृष्टिकोण पेश करते हुए कहा कि देश मुसलमान, हिंदू, बौद्ध और ईसाई सभी धर्म के लोगों का है। रहमान ने 17 साल बाद पहली बार पार्टी समर्थकों को संबोधित करते हुए यह बात कही। पिछले साल अगस्त में अंतरिम सरकार बनने के बाद से बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों, खासकर हिंदुओं, के खिलाफ कई घटनाएं हुई हैं। रहमान ने ढाका हवाई अड्डे से सीधे जुलाई 36 एक्सप्रेसवे पर पहुंचने के बाद हजारों समर्थकों से कहा, अब समय आ गया है कि हम सभी मिलकर देश का निर्माण करें। यह देश पहाड़ियों और मैदानी इलाकों के लोगों, मुसलमानों, हिंदुओं, बौद्धों और ईसाइयों का है। हम एक सुरक्षित बांगलादेश बनाना चाहते हैं, जहां हर महिला, पुरुष और बच्चा अपने घर से सुरक्षित रूप से बाहर जा सके और सुरक्षित रूप से वापस आ सके।

वर्ग पहेली नं. 3303

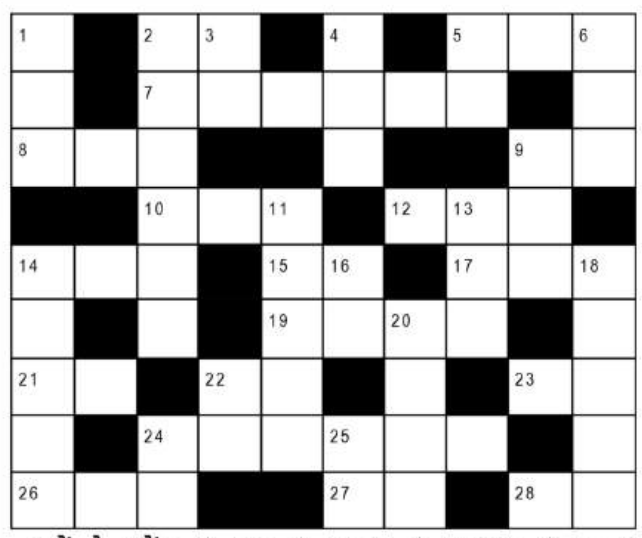

बायें से दायें:- 2) बहुत, 5) दिल से, 7) अनर्थबोध, 8) द्रव, 9) दुर्गंधयुक्त, 10) वादविवाद, 12) किस्म, 14) अपाहिज, 15) बड़ा, 17) स्थगित होना, 19) जोर से हिलाना, 21) आसपास, 22) हनुमान का आयुध 23) शोक, 24) अस्तव्यस्त, 26) उन्नति, 27) स्त्री, 28) चुप्पी.

ऊपर से नीचे:- 1) संकट, 2) निकट ही, 3) एक तिलहन, 4) साधु का चोंगा, 5) स्वीकृति, 6) बखेड़ा; झंझट; कूड़ा-करकट, 9) आसान, 11) बुद्धिमान, 13) डंक मारना, 14) बेशुमार, 16) बाज़ार, 18) असंभव, 20) अल्प, 22) प्राचीन, 24) ताश का एक पत्ता, 25) बग़ैर; सिवा.

(उत्तर: अगले अंक में)

पिछली पहेली का उत्तर

उ	प	योगी		ऐ	या	श		इ
ल		ज	ला	व	न		शि	ह	त
झ	र	ना		च	क	वा			वा
न		ब	द	न		जिम्मे	दा	र	
	यु	द्ध			क	ब		ख़ि	
	व		के	त	न		क	ल	श
ब	क	वा	स		क	पा	ल		ह
छि		स	री	खा		ग	म	क	ना
या	च	ना		न	कु	ल			ई

सुडोकू-पहेली-3261

		3			4	2		
1						9		
	8				5			4
	1		8			6		
				1				
				7	6	8		
	7	8	2					
	6	1	3					7
								5

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरना आवश्यक है। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है।

••••

आड़ी और खड़ी में एवं 3-3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका ध्यान जरूर रखें।

सूडोकू पहेली - 3260 का उत्तर

2	7	5	3	8	1	9	4	6
4	9	1	6	2	5	7	3	8
3	8	6	4	7	9	1	5	2
9	1	7	5	6	8	4	2	3
5	4	3	7	9	2	6	8	1
8	6	2	1	4	3	5	7	9
1	2	9	8	5	4	3	6	7
7	5	8	9	3	6	2	1	4
6	3	4	2	1	7	8	9	5

एसआईआर : सुनवाई के दौरान दो लेवल पर दस्तावेज चेक करने का आदेश

कोलकाता, समाज्ञा : चुनाव आयोग ने 27 दिसंबर से शुरू होने वाली ड्राफ्ट वोटर लिस्ट पर दावों और आपत्तियों पर सुनवाई के दौरान वोटरों के पहचान के सपोर्टिंग डॉक्यूमेंट्स (सहायक पहचान दस्तावेज) के असली होने की पुष्टि के लिए टू-लेवल वेरिफिकेशन का निर्देश दिया है। अचिह्नित मतदाता यानी की अनमैप्ड वोटर्स, जिनका 2002 की वोटर लिस्ट से 'सेल्फ मैपिंग' या 'प्रोजेनी मैपिंग' के जरिए कोई लिंक नहीं है, उन्हें हियरिंग सेशन के लिए बुलाया जाएगा। उन्हें फाइनल वोटर लिस्ट में अपना नाम बनाए रखने के लिए निर्वाचन आयोग द्वारा बताए गए 13 पहचान दस्तावेज में से कोई एक देना होगा। यह महसूस करते हुए कि सुनवाई के दौरान नकली पहचान के दस्तावेज दिए जाने की संभावना हो सकती है, चुनाव आयोग ने इन डॉक्यूमेंट्स के दो लेवल के वेरिफिकेशन का निर्देश दिया है। पहला संबंधित इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर (ईआरओ) द्वारा और दूसरा डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट द्वारा, जो संबंधित जिलों के डिस्ट्रिक्ट इलेक्टोरल ऑफिसर भी हैं। राज्य के मुख्य चुनाव अधिकारी (सीईओ) के एक अंदरूनी सूत्र ने पुष्टि करते हुए कहा कि अगले साल जनवरी के पहली छमाही में हियरिंग सेशन खत्म होने के तुरंत बाद आइडेंटिटी डॉक्यूमेंट्स का वेरिफिकेशन शुरू हो जाएगा। पहले स्टेज में, इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर यह तय करेंगे कि आइडेंटिटी डॉक्यूमेंट्स असली हैं या नहीं। वेरिफिकेशन का दूसरा स्टेज संबंधित डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट या जिला निर्वाचन अधिकारी (डीईओ) करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि इस दो-लेवल वेरिफिकेशन प्रोसेस को लागू करके, इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर और जिला निर्वाचन अधिकारी की जवाबदेही तय की गई है।

एसआईआर दस्तावेज जांच पर चुनाव आयोग की सख्ती, पांच दिन की डेडलाइन

मतदाता सूची से जुड़े विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत दस्तावेजों की जांच प्रक्रिया को समयबद्ध बनाने के उद्देश्य से चुनाव आयोग ने सख्त निर्देश जारी किए हैं। आयोग ने स्पष्ट रूप से कहा है कि एसआईआर के अंतर्गत विभिन्न विभागों को भेजे जाने वाले मतदाताओं के दस्तावेजों का सत्यापन हर हाल में अधिकतम पांच दिनों के अंदर पूरा करना अनिवार्य होगा। चुनाव आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुसार, बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) मतदाताओं से प्राप्त दस्तावेजों को बीएलओ ऐप के माध्यम से अपलोड करेंगे। इसके पश्चात जिला निर्वाचन अधिकारी (डीईओ) अथवा जिला मजिस्ट्रेट इन दस्तावेजों को संबंधित विभागों को सत्यापन के लिए अग्रेषित करेंगे। दस्तावेज अपलोड होने के बाद संबंधित विभाग को निर्धारित समय-सीमा के भीतर जांच कर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होगी। यदि अपलोड किए गए दस्तावेज किसी अन्य जिले से संबंधित पाए जाते हैं, तो उनका सत्यापन उस जिले के डीईओ द्वारा किया जाएगा। वहीं, किसी अन्य राज्य से जुड़े दस्तावेजों की स्थिति में उन्हें संबंधित राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) को भेजा जाएगा। आयोग ने यह भी स्पष्ट किया है कि बीएलओ द्वारा नए सिरे से अपलोड किए गए दस्तावेजों को जिला निर्वाचन अधिकारी दोबारा संबंधित विभागों तक पहुंचाएंगे, जिसके बाद गहन जांच की प्रक्रिया शुरू होगी। उदाहरण के तौर पर, यदि उत्तर 24 परगना से जुड़ा कोई दस्तावेज पूर्व मेदिनीपुर से संबंधित पाया जाता है, तो उसे सत्यापन के लिए पूर्व मेदिनीपुर भेजा जाएगा।

प्रशिक्षण खत्म होते ही सौ से अधिक माइक्रो ऑब्जर्वरों ने मांगी ड्यूटी से राहत, शनिवार से सुनवाई

खसड़ा मतदाता सूची की मैपिंग से बाहर रह गए करीब 32 लाख मतदाताओं से जुड़ी सुनवाई प्रक्रिया शनिवार से शुरू होने जा रही है। इससे पहले बुधवार को कोलकाता के नजरुल मंच में माइक्रो ऑब्जर्वर के रूप में नियुक्त 4,600 केंद्रीय सरकारी अधिकारियों को दो चरणों में विशेष प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य सुनवाई प्रक्रिया को पारदर्शी और प्रभावी बनाना था। हालांकि, प्रशिक्षण समाप्त होते ही सौ से अधिक नव-नियुक्त माइक्रो ऑब्जर्वरों ने राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) कार्यालय में सुनवाई कार्य से अवकाश की मांग करते हुए आवेदन जमा कर दिए, जिससे प्रशासनिक स्तर पर हलचल मच गई। आयोग सूत्रों के अनुसार, इन आवेदनों में व्यक्तिगत कारणों का हवाला दिया गया है, जिनमें पारिवारिक बीमारी और दिव्यांगता जैसे कारण शामिल हैं। इस पूरे घटनाक्रम पर चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया है कि सभी माइक्रो ऑब्जर्वरों को पहले संबंधित उप-मंडल अधिकारी (एसडीओ) के समक्ष रिपोर्ट करना अनिवार्य होगा। इसके बाद ही किसी को ड्यूटी से छूट देने पर विचार किया जाएगा। सीईओ कार्यालय के सूत्रों ने बताया कि सुनवाई प्रक्रिया के दौरान माइक्रो ऑब्जर्वर आयोग की आंख और कान की भूमिका निभाएंगे। इसी को ध्यान में रखते हुए प्रशिक्षण के दौरान उन्हें सुनवाई कक्ष में अपनी जिम्मेदारियों और भूमिका के बारे में विस्तृत दिशा-निर्देश दिए गए हैं।

अग्रिम जमानत रद्द होने के बाद राजगंज के बीडीओ ने सुप्रीम कोर्ट का किया रुख

कोलकाता, समाज्ञा : राजगंज ब्लॉक डेवलपमेंट ऑफिसर (बीडीओ) प्रशांत बर्मन ने अब कलकत्ता हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है, जिसने सॉल्टलेक के दत्ताबाद इलाके में एक सोने के व्यापारी की हत्या के मामले में उनकी अग्रिम जमानत रद्द कर दी थी। सोमवार को, कलकत्ता हाई कोर्ट ने उनकी अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी, जो उन्हें निचली अदालत ने दी थी, और उन्हें 72 घंटे के भीतर सरेंडर करने का आदेश दिया। सूत्रों ने गुरुवार को बताया कि बीडीओ ने गचत बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में इस आदेश को चुनौती दी। सुप्रीम कोर्ट फिलहाल क्रिसमस की छुट्टियों पर है और 5 जनवरी को फिर से खुलेगा। हालांकि, इस दौरान एक वेकेशन बेंच काम करेगी।

राज्य के पूर्व मंत्री उपेन किस्कू का निधन

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य के पूर्व मंत्री उपेन किस्कू का बांकुड़ा के एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। मार्कस्वादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने गुरुवार को यह जानकारी दी। पार्टी ने बताया कि बुधवार रात उन्होंने अंतिम सांस ली। वह73 वर्ष के थे। माकपा के अनुसार, सिर पर गंभीर चोट लगने के बाद किस्कू का एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा था। उन्हें यह चोट घर पर गिरने के कारण लगी थी। बांकुड़ा के रायपुर से सात बार विधायक रहे आदिवासी नेता किस्कू वाम मोर्चा सरकार में मंत्री भी रह चुके थे। उन्होंने अनुसूचित जाति (एसटी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) कल्याण जैसे विभागों की जिम्मेदारी संभाली थी।

पीएम मोदी बांग्लादेशी हिंदुओं पर हमलों के खिलाफ मुखर नहीं : शशि पांजा

मंत्री ने कहा... 'तृणमूल बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के भाइयों व बहनों के साथ खड़ी हैं'

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य की सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने गुरुवार को दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमलों के खिलाफ मुखर नहीं हैं। पार्टी ने दावा किया कि वह पड़ोसी देश में अल्पसंख्यक समुदाय के साथ खड़ी है। इस दिन, राज्य की मंत्री और तृणमूल की वरिष्ठ नेता डॉ. शशि पांजा ने दावा किया कि भाजपा की राज्य इकाई यह झूठा दुष्प्रचार फैलाने की कोशिश कर रही है कि टीएमसी बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय पर हो रहे अत्याचारों के खिलाफ आवाज नहीं उठा रही है। उन्होंने यहां पत्रकारों से कहा कि हम बांग्लादेश में दीपू चंद्र दास की हत्या की कड़ी निंदा करते हैं और बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के भाइयों व बहनों के साथ खड़े हैं। पांजा ने

दावा किया कि न तो प्रधानमंत्री मोदी और न ही केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पड़ोसी देश में हिंदू समुदाय पर हो रहे अत्याचारों के खिलाफ मुखर हुए हैं। मंत्री ने पूछा कि पड़ोसी देश में हो रही इन अप्रिय घटनाओं के संबंध में विदेश मंत्रालय क्या कर रहा है?

➨ मंत्री ने संबलपुर में हुए प्रवासी मजदूर की हत्या के लिए भाजपा को ठहराया जिम्मेदार

उन्होंने आरोप लगाया कि बंगाल के एक प्रवासी मजदूर की ओडिशा के संबलपुर जिले में पीट-पीट कर हत्या कर दी गई। घटना के लिए भाजपा को जिम्मेदार ठहराते हुए पांजा ने दावा किया कि मुर्शिदाबाद जिले के सूती ब्लॉक के रहने वाले तीन युवकों पर ओडिशा में इस आरोप पर हमला किया गया कि वे बांग्लादेशी हैं और वे बांग्ला भाषा बोल रहे थे। उन्होंने दावा किया कि उनमें से एक की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए और ओडिशा के एक स्थानीय अस्पताल में उनका इलाज जारी है। मंत्री ने कहा कि हम इस घटना की निंदा करते हैं। पांजा ने आरोप लगाया कि बांग्ला भाषी प्रवासी श्रमिकों को भाजपा शासित राज्यों में बांग्लादेशी नागरिक होने के संदेह के कारण अत्याचारों का सामना करना पड़ रहा है और भाजपा इस मामले पर चुप्पी साधे हुए है।

ओडिशा में बंगाल के प्रवासी मजदूर की हत्या, बीड़ी को लेकर शुरू हुआ विवाद हाथापाई में बदला

कोलकाता/संभलपुर : पश्चिम बंगाल के एक 30 साल के प्रवासी मजदूर जुएल शेख की ओडिशा के संभलपुर जिले में कथित तौर पर बेरहमी से पिटाई के बाद मौत हो गई। ओडिशा पुलिस का कहना है कि यह मौत एक बीड़ी मांगने पर हुए झगड़े के बाद हुई। रिपोर्ट्स के मुताबिक, जुएल शेख पश्चिम बंगाल से कुछ अन्य साथियों के साथ संभलपुर के शांति नगर इलाके में एक इमारत के निर्माण कार्य में लगा हुआ था। यह जगह आइंथापल्ली थाना अंतर्गत आती है। बुधवार की रात, जब वे काम से वापस लौट रहे थे, तभी 6 लोगों के एक ग्रुप ने उन्हें रोका और बीड़ी मांगी। इसी बात पर बहस शुरू हो गई, जो जल्दी ही हाथापाई में बदल गई। पुलिस के मुताबिक, जुएल को बुरी तरह मारा-पीटा गया। उसे संभलपुर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए सभी 6 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। आईजीपी (उत्तरी रेंज) हिमांशु कुमार लाल ने कहा कि हमने सभी 6 आरोपियों को पकड़ लिया है। मामले की जांच चल रही है। लेकिन जब टीएमसी के आरोपों के बारे में पूछा गया, तो आईजीपी ने साफ कहा कि इस हत्या के पीड़ित के बंगाली या बांग्लादेशी होने से कोई ताल्लुक नहीं है।

प्रदेश भाजपा की नई राज्य समिति के गठन को लेकर सुगबुगाहट तेज

कोलकाता, समाज्ञा : प्रदेश भाजपा में सांगठनिक फेरबदल की खबरें एक बार फिर तेज हो गई हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के आगामी कोलकाता दौरे को लेकर जहां पार्टी कार्यकर्ताओं में उत्साह है, वहीं नई राज्य समिति की घोषणा और पुराने नेताओं के 'पुनर्मिलन' कार्यक्रम ने राजनीतिक गलियारों में चर्चाएं बढ़ा दी हैं। सूत्रों के अनुसार, अमित शाह 29 दिसंबर की रात कोलकाता पहुंचेंगे और 30-31 दिसंबर को कई महत्वपूर्ण सांगठनिक बैठकों में हिस्सा लेंगे। कयास लगाए जा रहे थे कि शाह के दौरे के दौरान ही नई राज्य कमेटी के नामों की घोषणा हो सकता है, लेकिन खबर है कि असंतोष और विरोध की आशंका को देखते हुए केंद्रीय नेतृत्व उनके दौरे के ठीक बाद नई कमेटी की घोषणा कर सकता है।

डब्ल्यूबीसीएस अधिकारियों की अनदेखी और डब्ल्यूबीपीएस पर हो रही है मेहरबानी : शुभेंदु अधिकारी

कोलकाता, समाज्ञा : नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने गुरुवार को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया है कि राज्य सरकार पश्चिम बंगाल सिविल सेवा (डब्ल्यूबीसीएस) अधिकारियों के साथ सौतेला व्यवहार कर रही है। वहीं, पश्चिम बंगाल पुलिस सेवा (डब्ल्यूबीपीएस) अधिकारियों को विशेष प्राथमिकता दी जा रही है। शुभेंदु ने एक्स पर ममता बनर्जी का एक पत्र पोस्ट कर लिखा कि हाल ही में, मुख्यमंत्री द्वारा डब्ल्यूबीसीएस अधिकारियों की प्रशंसा करना और उन्हें सरकार के प्रति उनकी निष्ठा की याद दिलाना, वास्तव में एक संरक्षक लहजे में दी गई चेतावनी है। उन्होंने इसे अधिकारियों को डराने और उन पर दबाव बनाने का एक सूक्ष्म प्रयास बताया है, विशेषकर आगामी चुनावों

और वर्तमान में चल रहे एसआइआर को ध्यान में रखते हुए। शुभेंदु का कहना है कि एक तरफ ममता बनर्जी अधिकारियों को सरकार के प्रति उनके लाभों की याद दिला रही हैं, वहीं दूसरी ओर धरातल पर डब्ल्यूबीसीएस कैडर घोर उपेक्षा का शिकार है।

➨ कूचबिहार में दो भाजपा कार्यकर्ताओं की हत्या को लेकर व्यापक आंदोलन की चेतावनी

कूचबिहार के माथाभांगा में दो भाजपा कार्यकर्ताओं माधव सरकार और यादव सरकार की नृशंस हत्या को लेकर प्रदेश भाजपा कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने ममता सरकार पर आरोप लगाया कि पुलिस इस राजनीतिक हत्या को 'पारिवारिक विवाद' का रूप देकर रफा-दफा करने की कोशिश कर रही है। शुभेंदु अधिकारीने स्पष्ट किया कि मृतक भाजपा के सक्रिय कार्यकर्ता थे और हमलावर तृणमूल कांग्रेस के चिह्नित गुंडे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि हत्यारों की अविलंब गिरफ्तारी नहीं हुई और निष्पक्ष जांच नहीं की गई, तो भाजपा व्यापक आंदोलन छेड़ेगी।

शुभेंदु ने बांग्लादेश में भीड़ द्वारा पीट-पीटकर मारे गए दीपू के पिता से की बात

बांग्लादेश के मयमनसिंह जिले में एक हिंदू मजदूर की भीड़ द्वारा पीट-पीटकर हत्या किए जाने की घटना में नेता प्रतिपक्ष और भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी ने पीड़ित के पिता से फोन पर बात कर संवेदना जताई और पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली। शुभेंदु ने 23 तारीख को आर्थिक मदद का एलान किया था। उन्होंने इसे मानवता का मामला बताते हुए कहा कि वह परिवार के संपर्क में हैं और उनसे बातचीत कर मासिक आर्थिक सहायता की व्यवस्था करेंगे। शुभेंदु ने स्पष्ट किया कि यह सहायता पूरी तरह मानवीय आधार पर होगी, ताकि परिवार को जीवनयापन में तत्काल सहारा मिल सके।

विधानसभा में निष्क्रिय विधायकों की तृणमूल ने बनाई सूची, पांच साल का रिकॉर्ड खंगाला

कोलकाता, समाज्ञा : तृणमूल कांग्रेस ने विधानसभा में निष्क्रिय भूमिका निभाने वाले विधायकों की पहचान के लिए आंतरिक मूल्यांकन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसके तहत पार्टी ने आरटीआई के माध्यम से विधानसभा सचिवालय से विधायकों की सदन में उपस्थिति, पूछे गए प्रश्नों और चर्चाओं में भागीदारी से जुड़ा विस्तृत ब्योरा मांगा है। इन्हीं आंकड़ों के आधार पर पार्टी नेतृत्व द्वारा विधायकों के प्रदर्शन का आकलन किया जा रहा है। जानकारी के अनुसार, पिछले पांच वर्षों में 50 से अधिक तृणमूल विधायक ऐसे पाए गए हैं जिन्होंने विधानसभा में एक भी दिन न तो प्रश्न उठाया और न ही किसी चर्चा में हिस्सा लिया। सदन में मौजूद रहने के बावजूद इन विधायकों की भूमिका मूक दर्शक तक सीमित रही। सूची में अनुभवी राजनीतिक चेहरे के साथ-साथ कुछ 'स्टार' विधायक भी शामिल हैं, जो टीवी बहसों में सक्रिय रहते हैं, लेकिन विधानसभा में बोलते नजर नहीं आए। सूत्रों का कहना है कि मूल्यांकन में उपस्थिति, महत्वपूर्ण विधेयकों पर भागीदारी और जनहित के मुद्दे उठाने जैसे मानकों को आधार बनाया गया है। हालांकि, रिपोर्ट में कुछ सकारात्मक उदाहरण भी सामने आए हैं। उपचुनाव जीतकर आए एक नव-निर्वाचित अभिनेता विधायक ने कम समय में सवाल उठाकर और चर्चाओं में भाग लेकर सक्रियता दिखाई है, जिसे पार्टी नेतृत्व ने सकारात्मक संकेत माना है।

पश्चिम मध्य रेल
निविदा सूचना
सिगनल एवं दूरसंचार विभाग

भारत संघ के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से वरि.मं.सं.एवं दू.सं.इंजी. (सिगनल एवं दूर संचार) पश्चिम मध्य रेलवे, कोटा मंडल, निम्नलिखित कार्य के लिये निर्धारित ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं। टेण्डर खुलने की तारीख एवं समय नीचे दर्शाया गया है। इस निविदा के लिये किसी भी तरह के मैनुअल प्रस्तावों की अनुमति नहीं है और किसी भी तरह के प्राप्त मैनुअल प्रस्ताव को नजरअंदाज कर दिया जायेगा। **टेन्डर सं.**-कोटा/ एस एण्ड टी/ टेली/2025/13, **कार्य का नाम**-टेलीकॉम वर्क इन कनेक्शन विथ द मॉडर्नाइजेशन ऑफ यूटीएस/पीआरएस ऑफ कोटा डिजीजन, डब्ल्यूसीआर। **कार्य की अनुमानित लागत**-रू. 3,76,05,463.21/-, **टेण्डर फार्म की कीमत**-नगण्य, **बयाना राशि**-रू. 3,38,100/-, **कार्य समाप्ति अवधि**- 12 माह, **टेण्डर जमा करने की आखिरी तारीख एवं समय**- दिनांक 15.01.2026 को 15:00 बजे तक। पूर्ण विवरण वेबसाइट http://www.ireps.gov.in पर अपलोड की गई हैं। निविदा / बोलीदाताओं के पास कक्षा III डिजीटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र होना आवश्यक है और आई.आर.ई.पी.एस. पोर्टल पर रजिस्टर होना चाहिये। केवल पंजीकृत निविदा/ बोलीदाताओं ई-टेण्डरिंग पर भाग ले सकते हैं। सभी आवश्यक दस्तावेज ई-निविदा में भाग लेने के समय में अपलोड किया जाना चाहिये। पंजीकृत निविदाए GSTIN पर रजिस्टर होना चाहिये।

(हस्ता.)
वरि.मं.सं.एवं दू.सं.इंजी. (समन्वय)
पश्चिम मध्य रेलवे, कोटा मण्डल

स्वच्छ भारत अभियान, एक कदम स्वच्छता की ओर

गार्डनरीच में लगी भीषण आग, क्रिसमस के दिन लगभग 60 झोपड़ियां जलकर खाक

छह दमकल गाड़ियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पाया काबू

कोलकाता, समाज्ञा : गार्डनरीच के पहाड़पुर में भीषण अगलगी की घटना में लगभग 60 झोपड़िया खाक हो गई। पुलिस, दमकल व स्थानीय लोगों ने बताया कि उक्त घटना महेशतल्ला नगरपालिका के वार्ड 10 के भगाड़ में गुरुवार की शाम लगभग 4.10 बजे के लगभग लगी। देखते ही देखते आग इस कदर भीषण हो गई की आग ने एक के बाद एक 60 से अधिक झोपड़ियों को निगल लिया। आग यहां कूड़े के ढेर सहित बस्ती में लगी और लगभग दो घंटे में बस्ती को खाक कर दिया। घटनास्थल पर आधे दर्जन भर दमकल की इंजन के द्वारा दमकल कर्मी आग बुझाने की कोशिश करते दिखें। वहीं,

स्थानीय रवीन्द्रनगर थाने के ओसी सुजन कुमार राय घटनास्थल पर मौजूद थे। घटनास्थल पर मौजूद वार्ड 1 तृणमूल के अध्यक्ष राकेश कुमार जैसवारा ने बताया कि बस्ती में लगभग 8 से 10 गैस के सिलेंडर फटे। फिलहाल, आग कैसे लगी यह नहीं कह सकते हैं। लेकिन, आग से प्रभावित लोगों के लिए प्राथमिक तौर पर रहने के लिए इंतजाम की व्यवस्था की जाएगी। बहरहाल, कुछ स्थानीय लोगों ने अपुष्ट जानकारी में दावा किया है कि घटना के वक्त बस्ती में रहने वाले कई बच्चे लापता हैं और उन्हें लेकर स्वाभाविक तौर पर चिंता और डर है। जबकि, उक्त घटना में कई लोग अंशिक तौर पर झुलस भी गए हैं। स्थानीय सूत्रों ने नाम की गोपनियता पर बताया कि आग सबसे पहले एक स्थानीय महिला मुन्नी के घर से लगी और फिर देखते ही ही देखते पूरी बस्ती को श्मशान में बदल दिया। खबर के लिखे जाने तक घटना स्थल पर राहत व बचाव कार्य जारी था।

पार्टी में न कोई पुराना है न कोई नया, हर कोई बस भाजपा है : शमिक भट्टाचार्य

चुनाव से पहले पुराने नेताओं को सक्रिय करने के लिए सम्मेलन का आयोजन, दिलीप घोष को नहीं मिला न्योता

कोलकाता, समाज्ञा : बंगाल भाजपा अध्यक्ष व राज्यसभा सदस्य शमिक भट्टाचार्य ने आगामी विधानसभा चुनाव से पहले पार्टी में एकजुटता का संदेश देते हुए गुरुवार को कहा कि उनके दल में न कोई पुराना है न कोई नया, हर कोई बस भाजपा है। चुनाव से पहले पुराने व निष्क्रिय नेताओं को एकजुट व सक्रिय करने के उद्देश्य से प्रदेश भाजपा द्वारा कोलकाता के नेशनल लाइब्रेरी में आयोजित एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए शमिक ने यह बात कही। शमिक ने पुराने नेताओं को नए नेताओं को अपनाने का संदेश भी दिया। पार्टी के संस्थापकों में से एक व पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के जन्मदिन पर प्रदेश भाजपा ने राज्यभर के पुराने पार्टी नेताओं को आमंत्रित करके

गुरुवार को इस सम्मेलन का आयोजन किया। इस सम्मेलन में विशेषकर उन पुराने नेताओं को आमंत्रित किया गया था जो इस समय पार्टी की मुख्यधारा में अपनी जगह खो चुके हैं। सम्मेलन में प्रदेश अध्यक्ष शमिक के अलावा विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी, दो पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सुकांत मजूमदार (केंद्रीय राज्यमंत्री) और राहुल सिन्हा, प्रदेश के संगठन महासचिव अमिताभ चक्रवर्ती व अन्य वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे। बंगाल भाजपा के केंद्रीय पर्यवेक्षक सुनील बंसल भी इस मौके पर मौजूद थे। हालांकि, खबर है कि पूर्व प्रदेश अध्यक्ष दिलीप घोष को इस सम्मेलन में आमंत्रित नहीं किया गया था।

➨ 'पुराने कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी अधिक'

अपने भाषण के अंत में शमिक ने पार्टी की जीत के लिए चुनाव की ओर इशारा करते हुए कहा कि पुराने कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी अधिक है। क्या नए लोगों को दरकिनार करके यह जिम्मेदारी पूरी की जा सकती है? अगर नए लोग नहीं आते, तो क्या पार्टी इतनी तरक्की कर पाती? शमिक के शब्दों में, लोगों को समाज से ही लेना पड़ता है। उन्हें कुम्हार के चाक से नहीं लाया जा सकता। इसलिए पार्टी में न कोई पुराना है, न कोई नया। हर कोई बस भाजपा है।

बासंती में निर्माणाधीन इमारत में देसी बम फटा, बच्चा गंभीर रूप से घायल

कोलकाता, समाज्ञा : दक्षिण 24 परगना जिले के बासंती में एक निर्माणाधीन इमारत में देसी बम फटने से सात साल एक बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया। इस संबंध में पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि बच्चा बुधवार की देर शाम आंगन में खेलने गया हुआ था, इसी दौरान उसने एक गोल आकार की वस्तु को छू लिया, जिससे तेज धमाके के साथ विस्फोट हो गया। उन्होंने बताया कि बच्चे को पहले पास के एक ग्रामीण अस्पताल ले जाया गया और बाद में कोलकाता के एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां उसका इलाज किया जा रहा है। पुलिस के मुताबिक, बच्चे की पहचान अब तक उजागर नहीं की गई है। उन्होंने बताया कि हम घटनाक्रम को समझने का प्रयास कर रहे हैं, जिसमें यह पता लगाना भी शामिल है कि बच्चा आंगन तक कैसे पहुंचा और वहां पर बम किसने रखा था।

पीएम मोदी के बाद अब अमित शाह करेंगे बंगाल का दौरा

कोलकाता, समाज्ञा : पीएम नरेंद्र मोदी के पश्चिम बंगाल दौरे के कुछ दिनों बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 29 दिसंबर से शुरू होने वाले दो दिन के दौरे पर कोलकाता पहुंचेंगे। इस दौरान, वे भाजपा की कई अंदरूनी बैठकें करेंगे। भाजपा सूत्रों के मुताबिक, शाह 29 दिसंबर को देर रात कोलकाता पहुंचेंगे और 30 और 31 दिसंबर को अंदरूनी बैठकें करेंगे। सूत्रों ने बताया कि शाह दोनों दिन राज्य के सीनियर बीजेपी नेताओं से मिलेंगे ताकि एसआईआर एक्सरसाइज के बाद पॉलिटिकल हालात का जायजा ले सकें, लोगों की सोच का अंदाजा लगा सकें और राज्य में पार्टी के आउटरीच प्रोग्राम कितने असरदार हैं, इसका रिव्यू कर सकें। इस बीच,

बंगाल बीजेपी केंद्रीय गृह मंत्री के दौरे के दौरान उनके स्वागत के लिए बाइक जुलूस निकालने की प्लानिंग कर रही है। सूत्रों ने कहा कि कोलकाता, उत्तर और दक्षिण 24 परगना, हावड़ा और हुगली को कवर करने वाले दस ऑर्गेनाइजेशनल जिलों को प्रोग्राम ऑर्गनाइज करने का काम सौंपा गया है। हर जिले को कथित तौर पर लगभग 500 बाइक जुटाने का टारगेट दिया गया है, जिससे कुल संख्या लगभग 1,500 हो जाएगी। हालांकि, शाह कितनी मीटिंग करेंगे, कब और कहां करेंगे, इसका शेड्यूल अभी फाइनल नहीं है। इसलिए, इस बारे में अभी राज्य बीजेपी की तरफ से ऑफिशियली कुछ भी अनाउंस नहीं किया गया है।

तृणमूल नेता अभिषेक बनर्जी ने महिलाओं की सुरक्षा को लेकर भाजपा पर साधा निशाना

कोलकाता, समाज्ञा : तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने गुरुवार को आरोप लगाया कि भाजपा शासित राज्यों में राज्य सरकारों द्वारा चलाया जा रहा 'बेटी बचाओ' अभियान एक मजाक बन गया है क्योंकि 'दुष्कर्म के दोषियों' को राहत मिल रही है और गठबंधन के सहयोगी मंत्री पीड़िताओं का मज़ाक उड़ा रहे हैं। अभिषेक बनर्जी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में दिल्ली उच्च न्यायालय के दो दिन पुराने उस आदेश का हवाला दिया, जिसमें 2017 के उन्नाव दुष्कर्म मामले में भाजपा से निष्कासित विधायक कुलदीप सिंह सेंगर की जेल की सजा निलंबित कर दी गई थी। तृणमूल नेता ने एक वीडियो का भी हवाला दिया, जिसमें उत्तर प्रदेश के मंत्री और सुहलदेव भारतीय समाज पार्टी के नेता ओम प्रकाश राजभर, उच्च न्यायालय के आदेश के विरोध में नई दिल्ली के इंडिया गेट पर उन्नाव दुष्कर्म पीड़िता के प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए हंस रहे थे। तृणमूल नेता ने कहा कि दुष्कर्म के आरोपी भाजपा विधायक कुलदीप सेंगर को जमानत मिल गई। भाजपा के सहयोगी उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री ओम प्रकाश राजभर दुष्कर्म पीड़िताओं का मजाक उड़ा रहे हैं। भाजपा के नेतृत्व की ओर से हर तरफ सन्नाटा पसरा हुआ है। उन्होंने कहा कि आज भाजपा शासित राज्यों में आज 'बेटी बचाओ' की यही हकीकत है। जब दुष्कर्म के दोषियों को राहत मिल रही है और मंत्री पीड़िताओं का मजाक उड़ा रहे हैं। हम न्याय की मांग करने वाली हर बेटी, हर महिला, हर परिवार को न्याय दिलाने में नाकाम रहे हैं।

ॐ विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव॥
www.samagya.in
समाज्ञा
NEWS PAPER ADVERTISING SOLUTION
▪ MATRIMONIAL ▪ EDUCATION ▪ OBITUARY
▪ PROPERTY ▪ NAME CHANGE ▪ REMEMBRANCE
▪ RECRUITMENT ▪ PUBLIC NOTICE ▪ DISPLAY
TO AD IN SAMAGYA PLEASE CONTACT
samagyaadvt@gmail.com | www samagya.in
81, Chintamani Dey Road, Howrah 711 101, Mobile: 70444 44522

क्रिसमस पर कोलकाता में टूटा सर्दी का रिकॉर्ड, पारा गिर कर हुआ 13.7 डिग्री सेल्सियस

कोलकाता, समाज्ञा : कोलकाता में गुरुवार को इस साल के सर्दी का रिकॉर्ड तोड़ दिया। इस दिन, कोलकाता मौसम का सबसे सर्द दिन रहा। मौसम विभाग के अनुसार, गुरुवार को महानगर कोलकाता का न्यूनतम तापमान 13.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यह इस मौसम का अब तक का सबसे ठंडा दिन रहा। पिछले नौ साल में यह दूसरी बार है जब क्रिसमस के दिन शहर का तापमान 14 डिग्री से नीचे गया है। इससे पहले 25 दिसंबर 2016 को न्यूनतम तापमान 13.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। क्रिसमस के मौके पर

पूरे पश्चिम बंगाल में कड़ाके की ठंड महसूस की जा रही है। उत्तर से लेकर दक्षिण तक सर्दी का असर साफ नजर आ रहा है। पहाड़ों में कंपकंपाती ठंड है तो मैदानी इलाकों में भी तापमान तेजी से नीचे गिरा है। उत्तर बंगाल में ठंड का असर सबसे ज्यादा देखा गया। दार्जिलिंग में न्यूनतम तापमान 3.2 डिग्री सेल्सियस तक लुढ़क गया। पहाड़ी इलाकों में तेज ठंडी हवाओं के कारण ठंड और ज्यादा बढ़ गई है। राज्य के पश्चिमी और दक्षिणी हिस्सों में भी ठंड बढ़ी है। पुरुलिया में न्यूनतम तापमान 9.8 डिग्री और सागरद्वीप में 12.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग का कहना है कि पूरे राज्य में उत्तर-पश्चिमी ठंडी हवाओं के चलते तापमान में गिरावट आई है। शनिवार तक इसी तरह की ठंड बनी रह सकती है। इसके बाद, तापमान में धीरे-धीरे बढ़ोतरी होने की संभावना है। पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से अगले सप्ताह की शुरुआत से ठंड का असर कुछ कम हो सकता है। मौसम विभाग ने बताया है कि आने वाले दिनों में राज्य के कई हिस्सों में कोहरे का असर बढ़ सकता है। उत्तर बंगाल के पहाड़ी इलाके, डुआर्स, पश्चिमी जिले और तटीय क्षेत्रों में दृश्यता कम होने की आशंका है। हालांकि, गंगा के मैदानी दक्षिण बंगाल में फिलहाल घने कोहरे की चेतावनी नहीं दी गई है।

एसएससी के बाद अब प्राथमिक शिक्षक नियुक्ति की तैयारी तेज, इंटरव्यू प्रक्रिया जल्द होगी शुरू

कोलकाता, समाज्ञा : एसएससी के बाद अब प्राथमिक शिक्षक नियुक्ति को लेकर भी प्रक्रिया में तेजी आ गई है। सूत्रों के अनुसार, प्राथमिक विद्यालयों में शिक्षक भर्ती के लिए इंटरव्यू प्रक्रिया 30 दिसंबर से शुरू होने जा रही है। इस भर्ती अभियान के तहत कुल 13,421 रिक्त पदों के लिए लगभग 60 हजार अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है। जानकारी के मुताबिक, इंटरव्यू प्रक्रिया बोर्ड कार्यालय में केंद्रीय रूप से आयोजित की जाएगी और पूरी प्रक्रिया की वीडियो रिकॉर्डिंग की जाएगी, ताकि पारदर्शिता सुनिश्चित की जा सके। इंटरव्यू समाप्त होने के बाद अभ्यर्थियों की मेरिट सूची जारी की जाएगी। सूत्रों का यह भी कहना है कि वर्ष के अंत तक फिलहाल केवल अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों के लिए इंटरव्यू लिए जाएंगे, जबकि अन्य माध्यमों के स्कूलों के लिए इंटरव्यू प्रक्रिया बाद के चरण में होगी। इससे संबंधित विस्तृत सूचना बोर्ड की ओर से जल्द जारी की जाएगी। इधर, आगामी विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए शिक्षा विभाग चाहता है कि आदर्श आचार संहिता लागू होने से पहले ही एसएससी और प्राथमिक स्तर की शिक्षक नियुक्ति प्रक्रियाएं पूरी कर ली जाएं। एसएससी के 26 हजार पदों पर नियुक्ति की समय-सीमा बढ़ने से शिक्षकों को कुछ राहत मिली है। वहीं, लंबे समय से टेट उत्तीर्ण अभ्यर्थी इंटरव्यू की तारीख सामने आने से राहत महसूस कर रहे हैं।

न्यूज अपडेट

जिस संगीत का था सबको इंतज़ार : 'कोक स्टूडियो भारत लाइव' जनवरी 2026 में दिल्ली और गुवाहाटी में

कोलकाता, समाज्ञा : कोका-कोला जनवरी 2026 में 'कोक स्टूडियो भारत लाइव' के ज़रिए एक ऐतिहासिक सांस्कृतिक पहल करने जा रहा है। पहली बार कोक स्टूडियो भारत डिजिटल स्क्रीन से बाहर निकलकर दिल्ली और गुवाहाटी में भव्य लाइव कॉन्सर्ट के रूप में दर्शकों से रू-ब-रू होगा। यह नया फॉर्मेट संगीत, खान-पान और सांस्कृतिक अभिव्यक्ति का अनूठा संगम प्रस्तुत करेगा। दिल्ली में श्रेया घोषाल, आदित्य रिखारी, रशमीत कौर, दिव्यम और ख्वाब मंच पर अपनी प्रस्तुतियां देंगे, वहीं गुवाहाटी में अनुव जैन, शंकुराज कोनवार, रितो रिबा और अनुष्का मस्के संगीत प्रेमियों को मंत्रमुग्ध करेंगे। यह मंच लोक संगीत, क्षेत्रीय बोलियों और आधुनिक धुनों को जोड़ते हुए दो पीढ़ियों के बीच सांस्कृतिक सेतु का काम करेगा। कोका-कोला आईएनएसडब्ल्यूए के आईएमएक्स लीड शांतनु गंगाने ने कहा कि 'कोक स्टूडियो भारत लाइव' का उद्देश्य संगीत को एक साझा सांस्कृतिक उत्सव में बदलना है। कलाकारों ने भी इसे प्रशंसकों से सीधे जुड़ने का यादगार अवसर बताया। कार्यक्रम से जुड़ी अन्य जानकारियां जल्द साझा की जाएंगी।

रिलायंस डिजिटल दुर्गापुर में साल के अंत पर टीवी व घरेलू उपकरणों पर आकर्षक ऑफर

दुर्गापुर, समाज्ञा : भारत के अग्रणी इलेक्ट्रॉनिक्स और घरेलू उपकरण रिटेल ब्रांड रिलायंस डिजिटल ने दुर्गापुर स्थित अपने स्टोर पर साल के अंत के लिए विशेष ऑफर्स की घोषणा की है। यह ऑफर कंपनी के गिफ्ट ऑफ जॉय अभियान के तहत पेश किए गए हैं, जिनमें ग्राहकों को स्मार्ट टीवी और घरेलू उपकरणों की विस्तृत रेंज पर बेहतरीन सौदे मिल रहे हैं। इस योजना के अंतर्गत चुनिंदा खरीद पर 10,000 तक की तत्काल छूट, 30,000 तक का कैशबैक और 7,200 तक के सुनिश्चित उपहार दिए जा रहे हैं। ऑफर्स टीवी, रेफ्रिजरेटर, वाशिंग मशीन, एयर कंडीशनर, स्मार्टफोन, लैपटॉप और अन्य स्मार्ट टेक्नोलॉजी उत्पादों पर लागू हैं।32 इंच स्मार्ट एलईडी टीवी 8,999 रुपये से, 55 इंच 4के टीवी 40,990 रुपये से उपलब्ध हैं। वहीं रेफ्रिजरेटर 14,022 से और वाशिंग मशीन 10,990 से शुरू हो रही हैं। बढ़ती मांग के बीच ये ऑफर उपभोक्ताओं के लिए खास आकर्षण बने हुए हैं।

ब्रिटानिया न्यूट्रीचॉइस और आमिर खान का संदेश: एक अच्छा चयन अगला चयन आसान बनाता है

दुर्गापुर, समाज्ञा : ब्रिटानिया न्यूट्रीचॉइस ने अभिनेता आमिर खान के साथ मिलकर एक नया अभियान लॉन्च किया है, जो रोज़मर्रा के छोटे लेकिन अच्छे चुनावों की अहमियत पर रोशनी डालता है। इस कैंपेन का मूल संदेश है-एक अच्छा चयन अगला चयन आसान बना देता है। लो लिंटास द्वारा तैयार किए गए इस अभियान में आमिर खान अपनी सहज अदाकारी और हल्के हास्य के साथ दिखाते हैं कि कैसे छोटे फैसले पूरे दिन की दिशा बदल सकते हैं। इस मौके पर ब्रिटानिया न्यूट्रीचॉइस ने 100% मिलेट्स* से बने नए ऐप्पल-सिनेमन फ्लेवर कुकीज़ भी लॉन्च किए हैं। ज्वार, रागी और फॉक्सटेल मिलेट से तैयार ये कुकीज़ बिना मैदा, बिना पाम ऑयल और बिना अतिरिक्त चीनी के बनाई गई हैं। 55 की कीमत वाले ये कुकीज़ प्रमुख शहरों में उपलब्ध होंगे। अभियान का उद्देश्य उपभोक्ताओं को आसान, स्वादिष्ट और बेहतर स्नैकिंग विकल्प अपनाने के लिए प्रेरित करना है।

पावर डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर में एआई-एमएल नवाचार के लिए अप्रावा एनर्जी को राष्ट्रीय पुरस्कार

मुंबई, समाज्ञा : भारत में पावर डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर को तकनीकी रूप से मजबूत बनाने की दिशा में अप्रावा एनर्जी को बड़ी उपलब्धि मिली है। विद्युत मंत्रालय ने रीवैम्प्ड डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर स्कीम (आरडीएसएस) के तहत आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में अप्रावा एनर्जी के एआई एवं मशीन लर्निंग आधारित सॉल्यूशन को रनर-अप राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया। यह पुरस्कार माननीय केंद्रीय विद्युत मंत्री श्री मनोहर लाल खट्टर द्वारा प्रदान किया गया। अप्रावा एनर्जी ने एएमआईएसपी श्रेणी में 'डिस्कॉम जीपीटी (ग्रिड.)' सॉल्यूशन प्रस्तुत किया, जिसे वर्कऑनग्रिड के साथ मिलकर विकसित किया गया है। यह सॉल्यूशन जनरेटिव एआई और एडवांस्ड मशीन लर्निंग के जरिए ग्रिड दक्षता बढ़ाने, मांग का सटीक अनुमान लगाने और उपभोक्ता अनुभव बेहतर बनाने में मदद करता है। अप्रावा एनर्जी के अनुसार, यह पहल स्मार्ट, विश्वसनीय और भविष्य-तैयार बिजली वितरण व्यवस्था की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

एआई प्लस ने पेश किए नोवा पॉड्स, कानों से होगी हार्टबीट ट्रैकिंग

कोलकाता, समाज्ञा : एआई प्लस ने अपने पहले ऑडियो प्रोडक्ट नोवा पॉड्स की घोषणा कर कनेक्टेड डिवाइस इकोसिस्टम में कदम रखा है। 2026 की पहली तिमाही में लॉन्च होने वाले इन ईयरबड्स की शुरुआती कीमत 1,000 रुपये से कम होगी। नोवा पॉड्स को पूरे दिन पहनने के लिए कंफर्ट, बेहतर फिट और हेल्थ-फोकस के साथ डिजाइन किया गया है। नोवा पॉड्स सीरीज में गो, एयर, प्रो, बीट्स और क्लिप्स शामिल हैं। जहां नोवा पॉड्स गो पोर्टेबिलिटी पर जोर देता है, वहीं एयर कंफर्ट और साउंड का संतुलन पेश करता है। प्रो वेरिएंट में एक्टिव नॉइज कैंसलेशन मिलेगा। खास बात यह है कि नोवा पॉड्स बीट्स में हार्ट रेट और एसपीओ2 ट्रैकिंग जैसी हेल्थ फीचर्स दिए गए हैं। एआई प्लस के सीईओ माधव सेठ के अनुसार, नोवा पॉड्स टेक्नोलॉजी को आसान और किफायती बनाने की दिशा में बड़ा कदम है। यह जनवरी 2026 में फ्लिपकार्ट और चुनिंदा ऑफलाइन स्टोर्स पर उपलब्ध होंगे।

रुक्मिणी का सर्दियों में बालों की देखभाल का राज

कोलकाता, समाज्ञा : सर्दियों में बालों को खास पोषण की जरूरत होती है और निहार नेचुरल्स के नए हेयर ऑयल वेरिएंट इस जरूरत को बखूबी पूरा करते हैं। एलोवेरा, रोज़मेरी और बादाम तेल के प्रभावी मिश्रण से तैयार ये तेल नारियल की प्राकृतिक अच्छाई से भरपूर हैं, जो बालों को मौसम के असर से बचाते हैं। यह रेंज बालों को गहराई से पोषण देकर उन्हें मज़बूत, चमकदार और मैनेजेबल बनाए रखती है। निहार नेचुरल्स एलोवेरा कोकोनट, रोज़मेरी कोकोनट और आलमंड कोकोनट हेयर ऑयल खास तौर पर अलग-अलग ज़रूरतों को ध्यान में रखकर बनाए गए हैं। अभिनेत्री रुक्मिणी कहती हैं कि उनके लिए बालों की देखभाल एक परंपरागत लेकिन आधुनिक अनुभव है। उनके अनुसार, निहार नेचुरल्स की यह नई रेंज बिना किसी समझौते के सर्दियों में बालों को स्वस्थ और रेशमी बनाए रखने का भरोसेमंद उपाय है।

न्यूटाउन में नकली सामान बनाने वाले कारखाने का भंडाफोड़, एक गिरफ्तार

कोलकाता, समाज्ञा : न्यूटाउन थाना इलाके में फर्जी सामान बनाने वाले एक कारखाने का भंडाफोड़ किया गया है। पता चला है कि गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने कारखाने में छापा मारा और भारी मात्रा में नकली डेटॉल हैंडवॉश, क्लीन एंड क्लीयर फेस वॉश, निविया लिपबाम और ग्लूकोन डी बरामद किया गया। साथ ही, मौके से एक आरोपी को भी गिरफ्तार किया गया। आरोपी का नाम ताहिद अहमद है। पुलिस ने उससे पूछताछ कर रही है और धंधे में शामिल अन्य लोगों की तलाश में जुट गई है।

जनवरी 2026 में भारत आएगी असली फीफा वर्ल्ड कप ट्रॉफी

कोलकाता, समाज्ञा : कोका-कोला जनवरी 2026 में भारत के फुटबॉल प्रशंसकों के लिए एक ऐतिहासिक पल लेकर आ रहा है। 12 साल बाद 'फीफा वर्ल्ड कप ट्रॉफी टूर बाय कोका-कोला' के तहत असली फीफा वर्ल्ड कप ट्रॉफी 10 से 13 जनवरी तक नई दिल्ली और गुवाहाटी में प्रदर्शित की जाएगी। यह फीफा वर्ल्ड कप 202 से पहले प्रशंसकों को दुनिया की सबसे प्रतिष्ठित ट्रॉफी को बेहद करीब से देखने का दुर्लभ अवसर देगा। कोका-कोला और फीफा के अनुसार, यह टूर फुटबॉल, संस्कृति और प्रशंसकों के जुनून का भव्य उत्सव है। दिल्ली में विशेष प्रदर्शनी के बाद ट्रॉफी गुवाहाटी पहुंचेगी, जहां फुटबॉल-थीम ज़ोन, फ्रीस्टाइल शो और फूड फेस्टिवल भी आयोजित

होंगे। यह वैश्विक टूर 30 देशों के 75 शहरों तक जाएगा। भारत में इस आयोजन को MaidaanSaaf पहल से जोड़ा जाएगा, जिससे स्वच्छता और रीसाइक्लिंग को बढ़ावा दिया जाएगा।

कोलकाता में बंग साहू समाज ने लगाया विशाल निःशुल्क मेडिकल व हेल्थ चेकअप कैंप

कोलकाता, समाज्ञा : बंग साहू समाज की ओर से नियोटिया हॉस्पिटल तथा हरिजन सार्वजनिक दुर्गोत्सव कमिटी के सहयोग से बुधवार को एक विशाल निःशुल्क मेडिकल एवं हेल्थ चेकअप कैंप का सफल आयोजन किया गया। यह शिविर एंटाली स्थित 164, आचार्य जगदीश चंद्र बोस रोड (केएमसी गैराज के पास) में सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक चला। शिविर में लगभग 200 बच्चों और महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा उन्हें निःशुल्क दवाएं भी वितरित की गईं। इस स्वास्थ्य शिविर का आयोजन अध्यक्ष गणेश साव, दीपक साह और अंजन प्रकाश गुप्ता के नेतृत्व में किया गया। कार्यक्रम में कई विशिष्ट गणमान्य व्यक्तित्व, सामाजिक कार्यकर्ता, बंग साहू समाज के कार्यकारिणी सदस्य, महिला प्रकोष्ठ और समाज के अन्य सदस्य उपस्थित रहे, जिनके सहयोग

से आयोजन सफल रहा। कार्यक्रम में एंटाली विधानसभा क्षेत्र के विधायक स्वर्ण कमल साहा, केएमसी मेयर-इन-काउंसिल आमिरुद्दीन बॉबी, केएमसी पार्षद इंद्राणी साहा (बनर्जी), वरिष्ठ अधिवक्ता एवं मिजोरम के एडवोकेट जनरल बिस्वजीत देब, बाबा नायक धाम ट्रस्ट के संरक्षक राम लखन गुप्ता, टालिगंज साहू समाज कल्याण समिति के सचिव एवं राजनीतिक प्रकोष्ठ सचिव नकुल साह, चिंटू साव सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। इसके साथ ही, दुर्गा साव (राजनीतिक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष महोदय), प्रकाश चन्द गुप्ताजी, राजकुमार साह, अनिलकुमार गुप्ता, राजेश्वर साव, चन्दन गुप्ता, राजा साव, बंग साहू समाज के कार्यकारणीसदस्य एंव महिला प्रकोष्ठ सदस्यगण उपस्थित हुए। वहीं, जगदीश प्रसाद (सलाहकार) सुरेश कुमार गुप्ता(अध्यक्ष), संजय साव (उपाध्यक्ष), विजय कुमार साव (महासचिव), विजय कुमार साव, मनोज कुमार (एलआईसी), पिंटू कुमार साव, संतोष कुमार गुप्ता,(संयुक्त सचिव) कार्यकारणी सदस्यगण- राज कुमार साव, मनोज गुप्ता, महिला प्रकोष्ठ के उपाध्यक्ष -निवेदिता साह, अंजू साव, सचिव -कंचन गुप्ता,कार्यकारणी सदस्य- सुनीता गुप्ता,सं गीता साव, सुजाता साव, कार्यक्रम की सफल आयोजन स्थल पर सदस्यगण की भरपूर समर्थन प्राप्त हुआ।

एमसीसीआई सम्मेलन हॉल में 24 दिसंबर को आयोजित विशेष सत्र के दौरान मार्सेलस इन्वेस्टमेंट मैनेजर्स प्रा. लि. के संस्थापक एवं मुख्य निवेश अधिकारी सौरभ मुखर्जी और इंडकैप एडवाइजर्स के निदेशक समीर अग्रवाल। साथ में काउंसिल ऑन बैंकिंग, फाइनेंस एंड इंश्योरेंस के चेयरमैन स्मरजित मित्रा, काउंसिल ऑन कैपिटल मार्केट के चेयरमैन गिरधारी लाल गोयनका तथा काउंसिल ऑन बैंकिंग, फाइनेंस एंड इंश्योरेंस के को-चेयरमैन सुनील सिंघी भी उपस्थित रहे।

हावड़ा-खड़गपुर रेल कॉरिडोर को मिलेगी नई मजबूती, पुल पुनर्निर्माण हेतु 432 करोड़ मंजूर

कोलकाता, समाज्ञा : भारतीय रेलवे ने दक्षिण पूर्व रेलवे के अंतर्गत हावड़ा-खड़गपुर रेल खंड पर स्थित महत्वपूर्ण पुल संख्या 57 के पुनर्निर्माण के लिए 431.76 करोड़ की लागत वाली परियोजना को मंजूरी प्रदान की है। यह परियोजना इस व्यस्त रेल कॉरिडोर पर सुरक्षित और सुचारू रेल परिचालन सुनिश्चित करने की दिशा में मील का पत्थर मानी जा रही है। रेलवे सूत्रों के अनुसार, परियोजना के तहत परिवर्तित संरेखण पर पुल की अधोसंरचना का पुनर्निर्माण किया जाएगा और एक नया आधुनिक वायाडक्ट तैयार किया जाएगा। इसके साथ ही खड़गपुर मंडल के अंतर्गत देउल्टी और कोलाघाट स्टेशनों के बीच नए कोलाघाट रेलवे स्टेशन का विकास किया जाएगा, जहां विस्तृत प्लेटफॉर्म कार्य और यात्रियों के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। पुल संख्या 57 पिछले छह दशकों से अधिक समय से हावड़ा-खड़गपुर खंड पर रेल यातायात को सहारा दे रहा है। अब इसके पुनर्निर्माण से एक अधिक मजबूत, टिकाऊ और आधुनिक संरचना तैयार होगी, जिससे उम्र से संबंधित सामग्री क्षरण में कमी आएगी और सुरक्षा मानकों में उल्लेखनीय सुधार होगा। नया डिजाइन दीर्घकालिक सेवा विश्वसनीयता को सुनिश्चित करेगा। यह परियोजना भविष्य की परिचालन आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए तैयार की गई है। बढ़ते धुरी भार, अधिक यातायात घनत्व और 130 किमी प्रति घंटे तक की ट्रेन गति को देखते हुए, नया पुल अधिक सकल टन भार को कुशलतापूर्वक संभालने में सक्षम होगा। नवीनतम इंजीनियरिंग मानकों के अनुरूप यह संरचना समानांतर लाइन अवसंरचना के अनुरूप होगी। इसके अलावा, परियोजना में भविष्य की चौथी रेलवे लाइन के लिए भी प्रावधान किया गया है। रेलवे प्रशासन के अनुसार, इस परियोजना से इस महत्वपूर्ण रेल मार्ग पर सुरक्षा, संपर्क, क्षमता और परिचालन दक्षता में व्यापक सुधार होगा, जिससे यात्रियों और माल परिवहन दोनों को लाभ मिलेगा।

हावड़ा मंडल में पुल मरम्मत कार्य के चलते ट्रेनों के परिचालन में बदलाव

कोलकाता, समाज्ञा : हावड़ा मंडल के अंतर्गत मल्लारपुर और सैंथिया स्टेशनों के बीच रखरखाव कार्य के चलते 28 दिसंबर को ट्रैफिक एवं पावर ब्लॉक लिया जाएगा। इस दौरान ब्रिज संख्या 125 एवं ब्रिज संख्या 132 में कार्य किया जाएगा। इस कारण कुछ ट्रेनों के परिचालन में अस्थायी बदलाव किए गए हैं। 28 दिसंबर 63529/63530 अंडाल-रामपुरहाट-अंडाल मेमू रद्द कर दी गई है। इसके अलावा, 27 दिसंबर को दीघा से चलने वाली 03466 दीघा-मालदह टाउन स्पेशल को दीघा से 60 मिनट विलंब से रवाना किया जाएगा।

वेस्टीज के वेलनेस इनोवेशंस से स्वास्थ्य को बढ़ावा, वेट मैनेजमेंट और पोषण पर फोकस

कोलकाता, समाज्ञा : वेस्टीज मार्केटिंग प्राइवेट लिमिटेड ने स्वास्थ्य और कल्याण के क्षेत्र में अपनी मौजूदगी को और मजबूत किया है। कंपनी स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के लिए साइंस-बैक्ड न्यूट्रिशन और वेलनेस सॉल्यूशंस उपलब्ध करा रही है। वेस्टीज के प्रमुख उत्पादों में वेट मैनेजमेंट के लिए तैयार किया गया वेस्टीज वीस्लिम शेक और प्लांट-बेस्ड कोलेजन विकल्प वेस्टीज वेज कोलेजन शामिल हैं। वीस्लिम शेक विभिन्न फ्लेवर्स में उपलब्ध है और इसमें हाई क्वालिटी प्रोटीन, आवश्यक विटामिन, मिनरल्स और फाइबर शामिल हैं, जो वजन नियंत्रण में सहायक माने जाते हैं। वहीं, वेज कोलेजन को एडवांस्ड फर्मेंटेशन टेक्नोलॉजी से तैयार किया गया है, जिसमें रोज हिप एक्सट्रैक्ट और विटामिन सी मौजूद हैं, जो जोड़ों और त्वचा की सेहत के लिए उपयोगी बताए जाते हैं। दोनों उत्पाद वेस्टीज के अधिकृत सेल पॉइंट्स, वेस्टीज 2.0 ऐप और कंपनी की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं।

सेवानिवृत्त हुए शिक्षक पुरुषोत्तम तिवारी

कोलकाता, समाज्ञा : ज्ञानभारती विद्यापीठ के वरिष्ठ हिन्दी भाषा के शिक्षक पुरुषोत्तम तिवारी लगभग तीन दशकों तक सेवा के बुधवार को सेवानिवृत हो गए। इस अवसर शिक्षकों के तत्वावधान में एक विदाई समारोह में श्री तिवारी को नारियल देकर, माला पहनाकर, शाल ओढ़कर व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। समारोह की अध्यक्षता करते हुए शैक्षणिक निदेशक गोपा वर्मन ने कहा कि श्री तिवारी एक आदर्श शिक्षक की भूमिका को पूरी सजगता से निभाते हुए जरूरतमंद विद्यार्थी को ट्यूशन फीश के रूप में स्कालरशिप दिलाने में भी आगे रहे। शिक्षक प्रभारी मथुरा प्रसाद झा ने कहा कि श्री तिवारी का छात्रों व शिक्षकों के प्रति मैत्री भाव अजातशत्रु जैसा रहा। 27वर्ष पूर्व छात्र आकाश त्रिपाठी अपने प्रिय शिक्षक श्री तिवारी को सम्मानित करने लिए विशेष रूप से आया, कहा कि सदा हमारे प्रेरक रहे हैं और विद्यार्थियों को चुचचाप सहयोग देते

थे। अपने सम्मान से अभिभूत श्री तिवारी ने कहा कि आज दिन उनके लिए एक गौरवान्वित दिन है। मैं एक शिक्षक-चरित्र को बखूबी जिया और विद्यार्थियों के सपनों का आकार देने प्रयास किया। मैं एक शिक्षक के रूप में सदा जीता रहूंगा और शिक्षा-अध्यात्म के श्रेत्र में एक सकारात्मक भूमिका के रूप में अपने को तैयार करने की कोशिश करूंगा। इस अवसर पर एसके जायसवाल, सूर्य प्रकाश तिवारी, संजय दुबे, रमेश शुक्ल, संजय चौबे, रमेश सोलंकी, सतीश पाण्डेय, अमित मिश्र, मंगल यादव, एस बनिक, दीपक कुमार सिंह, कंचन चौबे सहित अन्य शिक्षकगणों ने श्री तिवारी को अपनी शुभकामनाएं देते हुए अपने विचार रखें। शिक्षक जेएन शुक्ल व पीडीगुप्ता ने भी अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की हैं। मालूम हो कि श्री पी. तिवारी उत्तर प्रदेश के बलिया जनपद के नेमछपरा गांव के रहने वाले हैं। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक प्रतिनिधि सतीश कुमार पाण्डेय ने किया। धन्यवाद ज्ञापन शिक्षक प्रतिनिधि रामप्रवेश सिंह ने दिया।

मनीषिका ने 700 कम्बल प्रदान कर किया सेवा कार्य

कोलकाता, समाज्ञा : मनीषिका ने बाल व्यास श्रीकान्त शर्मा की प्रेरणा से सुरभी सदन गोशाला, संतोषपुर में 700 कम्बल प्रदान कर सेवा कार्य किया। बाल व्यास श्रीकान्त शर्मा ने मनीषिका द्वारा पर-ोपकार की भावना से की जा रही मानव सेवा एवं गौसेवा के प्रति जागरूक, कर्तव्यनिष्ठ कार्यकर्ताओं की सराहना की। मोहन केडिया ने बताया कि बलदेव केडिया, राजकुमार केडिया, पवन केडिया, प्रेमलता झुनझुनवाला, संगीता केडिया, निशा केडिया, सचिन अग्रवाल, अमृता चतुर्वेदी, रेखा केडिया, विनय पाण्डेय एवं पुष्करलाल केडिया स्काउट एंड गाइड ग्रुप तथा मनीषिका के कार्यकर्ता ने सैकड़ों स्थानीय नागरिकों को भोजन करा कर नर - नारायण सेवा में सहयोग किया। मनीषिका के अध्यक्ष राजकुमार केडिया, उपाध्यक्ष मनमोहन केडिया, सचिव अमित केडिया, विनोद बाचुका, पवन खेमका, गणेश सिंह, उत्सव वर्मा, कमलेश जैन, राजेश तिवारी के सक्रिय सहयोग से विभिन्न स्थानों पर जरूरतमंद नागरिकों को कम्बल वितरण, अन्नपूर्णा सेवा एवं सेवा कार्य किये जा रहे हैं। सुरभी सदन एवं श्री केडिया सभा की ओर से प्रकाश केडिया, विनोद केडिया, अनिल केडिया, संजय मस्करा, राजेश यादव ने सभी सहयोगी कार्यकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

आर्मी पब्लिक स्कूल बैरकपुर ने वार्षिक खेल दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया

कोलकाता, समाज्ञा : आर्मी पब्लिक स्कूल (एपीएस), बैरकपुर ने अपना वार्षिक खेल दिवस बुधवार को बड़े उत्साह व जोश के साथ मनाया। बैरकपुर छावनी में स्थित विशाल ध्यानचंद स्टेडियम में आयोजित इस भव्य खेल समारोह को देखने के लिए आर्मी पब्लिक स्कूल का पूरा परिवार एकत्रित हुआ। यह आयोजन खेल, एकता व स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का एक जीवंत उत्सव था, जहां छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों ने स्कूल की भावना को सामने लाया। इस खेल उत्सव में कक्षा तीन से आठवीं तक के छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। समारोह में मुख्य अतिथि रूप में ओलंपियन व एशियाई खेल में दो बार की रजत पदक विजेता व प्रतिष्ठित अर्जुन पुरस्कार विजेता सोमा बिस्वास ने बैरकपुर मिलिट्री स्टेशन के कमांडर और आर्मी पब्लिक स्कूल के

आर्मी पब्लिक स्कूल, बैरकपुर के वार्षिक खेल समारोह के उद्घाटन पर कबूतर व गुब्बारे छोड़ते मुख्य अतिथि।

चेयरमैन ब्रिगेडियर आशीष हुड्डा के साथ अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। समारोह की शुरुआत मशाल जलाना, झंडा फहराना, भाषण और मुख्य अतिथि द्वारा आसमान में कबूतरों व गुब्बारों को छोड़ने और स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा एक रंगारंग व अनुशासित मार्च पास्ट के साथ हुई। स्कूल की एन-सीसी टुकड़ी ने भी कार्यक्रम में भाग लिया और अपने कुशल प्रदर्शन से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। छात्रों ने ट्रैक इवेंट्स में शानदार टैलेंट दिखाया, जिसमें रोमांचक 75 मीटर, 80 मीटर, 100 मीटर और 200 मीटर रेस के साथ-साथ फील्ड इवेंट्स और रोमांचक रिले रेस शामिल थीं, जिनमें जबरदस्त खेल भावना वाला मुकाबला देखने को मिला। स्कूल की प्रिंसिपल डा मोइत्री मुखर्जी के अनुसार, छात्रों ने अनुशासित तरीके से उत्साहपूर्वक प्रदर्शन किया, जिसमें टीम वर्क और खेल भावना दिखाई दी। छोटे बच्चों की मज़ेदार रेस जैसे बैलेंस रेस, बिस्कुट रेस, स्पून एंड मार्बल रेस खास तौर पर दर्शकों को बहुत पसंद आईं। शानदार सांस्कृतिक प्रस्तुति जिसमें स्वागत गीत और गेम्स बीट फ्यूजन शामिल थे, ने कार्यक्रम में और जान डाल दी। समारोह का समापन पुरस्कार वितरण के साथ हुआ, जहां मुख्य अतिथि ने विजेताओं को ट्राफियां और मेडल दिए, और सभी प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट दिए गए। मुख्य अतिथि ने चरित्र निर्माण और टीम वर्क को बढ़ावा देने में खेल की भूमिका पर प्रेरणादायक भाषण दिया।

आरपीएफ की टिकट दलालों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, 26,172 मूल्य के ई-टिकट बरामद

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे की रेलवे सुरक्षा बल ने रेलवे टिकटों की कालाबाजारी पर सख्त रुख अपनाते हुए ऑपरेशन उपलब्ध के तहत दो टिकट दलालों को गिरफ्तार कर 26,172 मूल्य के ई-टिकट बरामद किए हैं। यह कार्रवाई वास्तविक यात्रियों को निष्पक्ष रूप से टिकट उपलब्ध कराने और यात्री आरक्षण प्रणाली के दुरुपयोग को रोकने के उद्देश्य से की गई है। जानकारी के मुताबिक, 24 दिसंबर को सियालदह एवं मालदह मंडल की आरपीएफ टीमों ने पीआरएस/पलासी रेलवे स्टेशन तथा न्यू फरक्का रेलवे स्टेशन पर विशेष अभियान चलाया। इस दौरान दो दलालों को रंगे हाथों पकड़ा गया, जिनके कब्जे से कुल 08 लाइव रेलवे/ई-टिकट बरामद हुए।

गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ संबंधित आरपीएफ पोस्ट में रेलवे अधिनियम की सुसंगत धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि आरोपियों के अवैध टिकटिंग नेटवर्क में संलिप्तता की गहराई से जांच की जा रही है। पूर्व रेलवे ने यात्रियों से अपील की है कि वे टिकट केवल अधिकृत माध्यमों से ही खरीदें। रेलवे प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यात्रियों के हितों की रक्षा के लिए टिकट दलालों के खिलाफ ऐसे विशेष अभियान सभी मंडलों में पूरी सख्ती के साथ लगातार जारी रहेंगे।

बड़ा दिन पर पार्क स्ट्रीट सहित कोलकाता में उमड़ा लोगों का जनरेला

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य सहित कोलकाता में बड़ा दिन अर्थात क्रिसमस पर पर्यटन स्थलों से लेकर देव मंदिरों में भीड़ का रेला देख गया। रेस्टोरेंट, पब, बार, मॉल्स में भी भीड़ रही। विक्टोरिया, निक्को पार्क, ईको पार्क, अलीपुर चिड़ियाखाना, इंडियन म्यूजियम समेत अन्य स्थानों पर काफी संख्या में लोग उमड़े। ना केवल पर्यटन स्थलों बल्कि पार्टी के लिए भी विभिन्न रेस्टोरेंट, पब, बार व डिस्को में लोगों की भारी भीड़ देखी गयी। खासतौर पर, पार्क स्ट्रीट में भीड़ का रेला देखने को मिला। क्रिसमस उत्सव के लिए एक सप्ताह पहले से ही पार्क स्ट्रीट सज धज कर तैयार है। यहां सांता क्लॉज, ईसा मसीह और ईसाई समुदाय से जुड़ी प्रतिकों

की बड़ी-बड़ी प्रतिमाएं सजाई गई हैं और शानदार लाइटिंग हुई हैं। वहीं, कालीघाट काली मंदिर से लेकर विभिन्न मंदिर सहित दक्षिणेश्वर काली मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। राजधानी में क्रिसमस के अवसर पर उत्सव का माहौल देखने को मिला। छुट्टी के दिन बड़ी संख्या में सैलानी शहर के विभिन्न दर्शनीय स्थलों की ओर उमड़ पड़े। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक, महिलाएं और युवा, हर आयु वर्ग के लोग अपने परिवार और दोस्तों के साथ घूमने के लिए घरों से निकले। महानगर के प्रमुख पर्यटन स्थलों पर सुबह से ही भीड़ नजर आई। जादूघर, चिड़ियाघर, बिरला तारामंडल, इको पार्क और अन्य प्रसिद्ध स्थानों के आसपास लोगों की लंबी कतारें दिखीं। क्रिसमस की छुट्टी होने के कारण स्थानीय के साथ-साथ आसपास के जिलों से आए पर्यटकों की संख्या भी काफी अधिक रही। पर्यटन स्थलों पर सुरक्षा और व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन की ओर से अतिरिक्त इंतजाम किए गए थे। 1500 अतिरिक्त पुलिसकर्मियों की तैनाती

बढ़ाई गई है और भीड़ नियंत्रण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। बच्चों के साथ आए परिवारों में खास उत्साह देखा गया, वहीं युवा समूह और दोस्त भी शहर की रौनक का आनंद लेते नजर आए। क्रिसमस के मौके पर कोलकाता की सड़कों और पार्कों में चहल-पहल बनी रही। त्योहार के इस दिन शहर पूरी तरह उत्सव के रंग में रंगा नजर आया, जिससे पर्यटन और स्थानीय कारोबार को भी खासा बढ़ावा मिला।

कटवा में बीएलओ के रहस्यमय लापता होने से सनसनी, तीन दिन से नहीं मिला कोई सुराग

पूर्व बर्दवान : जिले के कटवा में एक बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर) के रहस्यमय ढंग से लापता होने की घटना ने पूरे इलाके में हड़कंप मचा दिया है। कटवा-1 ब्लॉक के खजुरडीही पंचायत अंतर्गत विकिहाट इलाके के निवासी अमित कुमार मंडल पिछले तीन दिनों से लापता हैं, जिससे परिवार से लेकर प्रशासन तक सभी की चिंता बढ़ गई है। अमित कुमार मंडल पेशे से केतुग्राम के उद्धरणपुर प्राथमिक विद्यालय में शिक्षक हैं और वर्तमान में कटवा विधानसभा क्षेत्र के 23 नंबर बूथ के बीएलओ के रूप में जिम्मेदारी निभा रहे थे। उनकी अचानक गुमशुदगी ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। मामले को और भी रहस्यमय बनाती है यह बात कि अमित घर से निकलते समय अपना

मोबाइल फोन, बीएलओ का पहचान पत्र और एसआईआर से जुड़े अहम दस्तावेज घर पर ही छोड़ गए थे। ऐसे में यह आशंका गहराती जा रही है कि मामला सिर्फ साधारण गुमशुदगी का नहीं हो सकता। घटना के बाद परिजनों ने तुरंत स्थानीय थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद पुलिस और प्रशासन हरकत में आ गया है। कटवा के अनुमंडल अधिकारी (एसडीओ) अनिर्वाण बसु ने बताया कि प्रशासन को पूरे मामले की जानकारी है और अधिकारी लगातार परिवार व पुलिस के संपर्क में हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि लापता बीए-लओ की तलाश के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं।

माथाभांगा में पड़ोसियों के हिंसक झड़प में एक ही परिवार के दो लोगों की मौत, कई घायल

कूचबिहार : पड़ोसियों के बीच लंबे समय से चले आ रहे विवाद के बीच गुरुवार की सुबह माथाभांगा इलाके में एक ही परिवार के दो लोगों की हत्या का आरोप लगा है, जबकि चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना माथाभांगा के हाजरा हाट-1 ग्राम पंचायत के बालासी आलोकाचार इलाके की है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, सरकार और सिकदार परिवारों के बीच काफी समय से आपसी रंजिश चल रही थी। क्रिसमस की सुबह किसी बात को लेकर दोनों परिवारों के सदस्यों के बीच कहासुनी शुरू हुई, जो देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गई। आरोप है कि सिकदार परिवार के कुछ सदस्य अचानक हथियार लेकर सरकार परिवार पर टूट पड़े। अंधाधुंध हमले में यादव सरकार (22) और मानव सरकार (45) गंभीर रूप से घायल होकर मौके पर ही गिर पड़े। इसके अलावा, इस हमले में चार अन्य लोग भी घायल हुए हैं। चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और सभी घायलों को तुरंत अस्पताल ले जाया गया। वहां डॉक्टरों ने यादव सरकार और मानव सरकार को मृत घोषित कर दिया। बाकी चार घायलों का इलाज जारी है। घटना की सूचना मिलते ही माथाभांगा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रण में लिया। दोनों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस यह जांच कर रही है कि विवाद की असली वजह क्या थी। फरार आरोपितों की तलाश जारी है। इलाके में तनाव को देखते हुए पुलिस सतर्कता बनाए हुए है।

बिष्णुपुर में प्रेम प्रस्ताव नहीं स्वीकारने पर युवती की जहर खिलाकर की हत्या

गुस्साई भीड़ ने आरोपी युवक के घर में की तोड़फोड़, दो गिरफ्तार

कोलकाता, समाज्ञा : दक्षिण 24 परगना जिला के बिष्णुपुर में प्रेम प्रस्ताव स्वीकार करने से इनकार करने पर एक युवती को जबरन जहर खिलाकर हत्या करने का मामला सामने आया है। पता चला है कि एक महीने तक अस्पताल में संघर्ष करने के बाद भी युवती ने बांगुर अस्पताल में दम तोड़ दिया। दूसरी तरफ, घटना के तुरंत बाद आक्रोशित भीड़ ने आरोपी के घर में तोड़फोड़ की और इलाके में अफरा-तफरी मच गई। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, मृतका की पहचान चंद्राणी नस्कर (19) के रूप में की गई है। वह बिष्णुपुर के रघ-ुनाथपुर की निवासी थी। आरोप है कि इलाके का विशाल नस्कर नाम का युवक लंबे समय से युवती को प्रेम प्रस्ताव दे रहा था। लेकिन, चंद्राणी इसके लिए तैयार नहीं हुई। आरोप है कि युवती के मना करने के बावजूद युवक अक्सर उसे सड़कों पर परेशान करता था। बताया गया है कि गत 25 नवंबर को युवक ने युवती का रास्ता रोक लिया। आरोप है कि इस दौरान उसने पानी में जहर मिलाकर छात्रा को जबरदस्ती पिला दिया। चंद्राणी किसी तरह घर पहुंची और मामले की सूचना दी। तुरंत ही लड़की के घरवालों ने उसे बांगुर अस्पताल में भर्ती कराया। वहां एक महीने तक उसका इलाज चला। बुधवार की रात लड़की की मौत हो गई। जैसे ही यह खबर गांव में पहुंची, गुस्साई भीड़ ने विशाल के घर में तोड़फोड़ कर दी। काफी देर की कोशिश के बाद पुलिस ने हालात पर काबू पाया। पुलिस ने तोड़फोड़ के मामले में 2 लोगों को गिरफ्तार किया है। सूत्रों के मुताबिक, लड़की का आरोपी के साथ प्रेम संबंध था। शायद घरवालों को एतराज था। इसीलिए चंद्रानी और विशाल ने एक साथ सुसाइड करने का प्लान बनाया था। लेकिन, चंद्रानी ने प्लान के मुताबिक ज़हर खा लिया, लेकिन विशाल ने नहीं खाया। हालांकि, पुलिस ने कहा कि पूरे मामले की अभी जांच चल रही है।

ठाकुरबाड़ी में विरोध जताने आए मतुआ भक्तों पर हमला, एक गिरफ्तार

कोलकाता, समाज्ञा : ठाकुरबाड़ी में मतुआ भक्तों को पीटने की घटना में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। आरोप है कि बुधवार को जब ममता बाला ठाकुर के समर्थक मतुआ भक्त विरोध करने आए थे, तो शांतनु ठाकुर और उसके समर्थकों ने उन्हें पीटा। उस घटना में कई मतुआ भक्त घायल हो गए थे। इस घटना में ममता ठाकुर की नेतृत्व वाले ऑल इंडिया मतुआ महासंघ ने गायघाटा थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस ने इस घटना में शांतनु के एक समर्थक को गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि आरोपी का नाम वरुण बिस्वास है। वह बागदा थाना अंतर्गत ओल्ड हेलेंचा इलाके का निवासी है।

मुर्शिदाबाद में वक्फ कानून विरोधी हिंसा में अब 333 मामलों में भी सख्त सजा की तैयारी

कोलकाता, समाज्ञा : मुर्शिदाबाद जिले के शमशेरगंज में वक्फ कानून के विरोध आंदोलन की हिंसा के दौरान पिता-पुत्र की नृशंस हत्या के मामले में दोषियों को उम्रकैद की सजा मिलने के बाद अब पुलिस बाकी बचे 333 मामलों में भी त्वरित सुनवाई और सजा सुनिश्चित करने की तैयारी में जुट गया है। इन दंगों के दौरान सूती, धूलियान और शमशेरगंज जैसे इलाकों में भारी उपद्रव हुआ था, जिसमें हिंदू समुदाय के गांव के गांव फूंक दिए गए थे, पुलिस चौकियों को आग के हवाले कर दिया गया था और आम नागरिकों की जान लेने की कोशिश की गई थी। पुलिस द्वारा गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) ने इन सभी 333 मामलों में स्थानीय जंगीपुर अदालत में चार्जशीट दाखिल कर दी है। सात महीने के भीतर की गई इस सघन जांच में 300 से अधिक आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि वे इन सभी मामलों में 'कस्टडी ट्रायल' की मांग कर रहे हैं ताकि आरोपितों को जमानत न मिले और उन्हें उनके अंजाम तक पहुंचाया जा सके। फिलहाल, आठ अन्य मामलों की सुनवाई अंतिम चरण में है, जिनमें एक दिव्यांग व्यक्ति और एक मूर्तिकार के घर को आग लगाकर उन्हें जिंदा जलाने के प्रयास के गंभीर मामले शामिल हैं। हिंसा की भयावहता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि दंगाइयों के हमले में घायल पुलिस कर्मी अमित तमांग को 74 टांके लगाने पड़े थे। जहां पुलिस और प्रशासन इस कार्रवाई को न्याय की दिशा में बड़ा कदम मान रहे हैं, वहीं सजायाफ्ता आरोपितों के परिजनों ने इन आरोपों को निर-ाधार बताया है। दोषियों के परिवारों का दावा है कि असली गुनहगारों को बचाने के लिए उन्हें फंसाया गया है और वे अब इस मामले की सीबीआइ जांच की मांग को लेकर हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाएंगे। दूसरी ओर, स्थानीय सांसद खलिलुर रहमान ने अदालती प्रक्रिया पर भरोसा जताते हुए स्पष्ट किया है कि कानून अपना काम कर रहा है। पुलिस अभी भी झारखंड में छिपे कुछ फरार आरोपियों की तलाश में जुटी है।

क्रिसमस डे उपलक्ष्य पर विनायक एनक्लेव में हर्षोल्लास का एक दृश्य

बाबा भूतनाथ मंदिर के वार्षिकोत्सव पर नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का सफल आयोजन

कोलकाता, समाज्ञा : निमतल्ला स्थित बाबा भूतनाथ मंदिर के वार्षिकोत्सव के पावन अवसर पर श्रद्धालुओं की सेवा के उद्देश्य से सोसायटी बेनिफिट सर्कल द्वारा श्री पवन बंसल की अध्यक्षता में नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का सफल आयोजन किया गया। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी आयोजित इस शिविर में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। चिकित्सा शिविर का निरीक्षण करने के लिए पश्चिम बंगाल सरकार की माननीया मंत्री डॉ. शशि पान्जा, स्थानीय पार्षद विजय उपाध्याय तथा पार्षद मीरा हाजरा ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। अतिथियों ने सोसायटी द्वारा उपलब्ध कराई जा रही चिकित्सा सुविधाओं की सराहना करते हुए भविष्य में ऐसे जनसेवी

कार्यों के और विस्तार की अपेक्षा जताई। मंत्री डॉ. शशि पान्जा ने कहा कि धार्मिक अवसर पर आयोजित यह नि:शुल्क चिकित्सा शिविर समाजसेवा का उत्कृष्ट उदाहरण है और ऐसे प्रयास अत्यंत सराहनीय हैं। वहीं पार्षद विजय उपाध्याय ने पूरी रात संचालित इस चिकित्सा शिविर को श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए एक सराहनीय पहल बताते हुए सोसायटी की पूरी टीम को बधाई दी। इस अवसर पर सोसायटी के अध्यक्ष पवन बंसल ने अतिथियों को सोसायटी द्वारा निरंतर किए जा रहे सेवा कार्यों की जानकारी दी तथा उनके मार्गदर्शन और उपस्थिति के लिए आभार व्यक्त किया। उक्त चिकित्सा शिविर संध्या काल से प्रारंभ होकर पूरी रात निरंतर संचालित रहेगा, जिसमें मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं को नि:शुल्क चिकित्सकीय परामर्श एवं उपचार की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। इस सेवा आयोजन को सफल बनाने में महेश काबरा, सुमित झुनझुनवाला, बिनोद अग्रवाल, अभिषेक अग्रवाल एवं अनु मिश्रा का योगदान सराहनीय रहा।

हावड़ा वेलफेयर ट्रस्ट ने सैकड़ों जरूरतमंदों में बांटी कम्बल

हावड़ा, समाज्ञा : 'हावड़ा वेलफेयर ट्रस्ट' ने इस बार भी शीतकाल में जरूरतमंदों को ठंड से बचाने के लिए व्यापक रूप से कम्बल वितरण किया है। गंगासागर के सड़क न. 5 पर ट्रस्ट के विशाल भवन राधा कुंज में लगभग 500 लोगों में कंबल वितरण के इस आयोजन में संजय अग्रवाल, अशोक गोयल, महेश माधोगढ़िया की गरिमामयी उपस्थिति में ट्रस्ट के संस्थापक ट्रस्टी व सेवाकार्य प्रभारी वयोवृद्ध समाजसेवी सत्यनारायण खेतान (मामाजी) ने कहा कि जरूरतमंदों की मदद उन पर अहसान नहीं अपितु हर व्यक्ति का यह मानवीय कर्तव्य व नैतिक जिम्मेदारी होनी चाहिए। खेतान ने बताया कि हावड़ा वेलफेयर ट्रस्ट द्वारा इस बार भी गंगासागर मेला पर देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं की सेवार्थ विशाल सेवा शिविर यहां राधा कुंज में 11 जनवरी से 15 जनवरी 2026 तक आयोजित होगा जहां श्रद्धालुओं के लिए नि:शुल्क ठहराव, चाय-पानी, भोजन, प्राथमिक चिकित्सा सहित हर संभव सहायता उपलब्ध करवाई जायेगी। इसके लिए तैयारियाँ शुरु हो गई है।

वाणी से होती है चरित्र की पहचान : क्षमाराम महाराज

हावड़ा, समाज्ञा : हावड़ा सत्संग समिति द्वारा फोरशोर रोड स्थित लक्ष्मी विलास गार्डन में रामचरितमानस के सामूहिक पाठ के तीसरे दिन सिंहस्थल पीठाधीश्वर महंत क्षमाराम महाराज ने कहा कि भगवान राम और सीता का विवाह देखने देव-देवीगण मंडप में आए। जैसे राम ने सीता की मांग भरी मतलब मांग में सिन्दूर लगाया तब सभी आनंदित हो गए। मांग भरने का तात्पर्य है कि वह हमारी धर्मपत्नी बन गई। अब उसकी मांग जो होगी उसका भरना और सुरक्षा देना हमारा दायित्व बन गया। धर्मपत्नी वह है जो पति की इच्छा को अपनी इच्छा समझे। पति गरीब है तो उसकी भावना को समझे। जहां पति-पत्नी एक दूसरे की इच्छा को

सम्मान देते हैं वे सुखी होते हैं। हमारे शास्त्र कहते हैं, जहां सुमति होती है वहीं सम्पत्ति होती है। परिवार और समाज में विचारों का भेद हो पर मन भेद नहीं होना चाहिए। सीतारामजी के विवाह के बाद राजा जनक हाथ जोड़कर राजा दशरथ से कहते हैं, मेरी बेटियां कुछ नहीं जानती हैं। आप इनके अपराध को क्षमा कीजिएगा। संसार में जीभ में ही अमृत और विष भरा होता है। वाणी से मनुष्य के चरित्र की पहचान हो जाती है। अशिष्ट और अपमान भरी वाणी मत बोलिए। बोलना हो तो ऐसी वाणी बोलिए कि दूसरे भी आनंदित हो जाएं। रानी सुनैना भी सीता से कहती है, ससुराल में सभी की सेवा करना और पति से प्रेम करना। पति ही परमेश्वर है। सामूहिक पाठ का आयोजन मनमोहन मल्ल एवं पवन पचेरिया के संयुक्त प्रयास से आयोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर पुरुषोत्तम पचेरिया, हरि भगवान तापडिया, राघव पचेरिया, सुरेन्द्र अग्रवाल, कमल गोयनका, रविन्द्र गर्ग, इन्द्र कुमार मल्ल, महेन्द्र गर्ग की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। सूचना प्रसारण महावीर प्रसाद रावत ने किया।

'बंगाल क्यूब ओपन 2025' में खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन, हितेश भुवालका ने जीते सर्वाधिक पुरस्कार

हावड़ा, समाज्ञा : 'रूबिक्स क्यूब' की रोमांचक प्रतियोगिता 'बंगाल क्यूब ओपन 2025'का आयोजन 20 एवं 21 दिसंबर को हावड़ा के श्री श्याम मंदिर घुसुड़ीधाम सभागार में किया गया। इस दो दिवसीय आयोजन में यूनाइटेड किंगडम, चेन्नई, ओडिशा, दिल्ली, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, हावड़ा सहित देश-विदेश के 50 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया और अपनी अद्भुत प्रतिभा का प्रदर्शन किया। वर्ल्ड क्यूब एसोसिएशन द्वारा अधिकृत इस प्रतियोगिता में 13 विभिन्न इवेंट्स- 2 2, 3 3, 4 4, 5 5, 6 6, 7 7, पिरामिक्स, स्क्यूब, वन-

हैंडेड, 3 3 ब्लाइंडफोल्डेड, क्लॉक, स्कायर-1 और मेगामिंक्स- में खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। हावड़ा के हितेश कुमार भुवालका, जो भवानीपुर कॉलेज के द्वितीय वर्ष के छात्र हैं, ने अपने शानदार प्रदर्शन से पूरे आयोजन में सर्वाधिक पुरस्कार जीतकर सभी का ध्यान आकर्षित किया। उनकी इस उपलब्धि पर आयोजकों और उपस्थित प्रतिभागियों ने उन्हें बधाई दी। इस आयोजन के मुख्य संयोजक मुकुल दास (कोलकाता) और कुनाल ओक (गुरुग्राम) ने बताया कि प्रतियोगिता में विजेता प्रतिभागियों को द क्यूबोलॉजी की ओर से पुरस्कार, मेडल और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन वर्ल्ड क्यूब एसोसिएशन के डेलिगेट प्रियंशु राज (पटना) की देखरेख में हुआ। इस आयोजन के डिजिटल मीडिया पार्टनर 360 डिग्री एम के प्रमुख तनय सराफ व विधिश्री और पीआर पार्टनर रहे।

गर्भवती महिला के इलाज में लापरवाही का आरोप, खड़गपुर अस्पताल में गर्भस्थ शिशु की मौत

पश्चिम मेदिनीपुर : डॉक्टरों और नर्सों की कथित लापरवाही से गर्भस्थ शिशु की मौत का आरोप लगाते हुए खड़गपुर महकमा अस्पताल में बुधवार को भारी तनाव फैल गया। पीड़ित परिवार ने दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। घटना को दुखद बताते हुए अस्पताल प्रशासन ने पूरे मामले की जांच का आश्वासन दिया है। परिवार के अनुसार, बुधवार सुबह मामोनी मुखोपाध्याय को प्रसव पीड़ा के साथ खड़गपुर महकमा अस्पताल में भर्ती कराया गया था। आरोप है कि उन्हें लंबे समय तक अस्पताल के बेड पर ही छोड़ दिया गया। गुरुवार तड़के जब गर्भवती महिला की हालत बिगड़ने लगी, तब उन्हें ऑपरेशन थिएटर ले जाया गया। पीड़िता की मां का आरोप है कि नर्सों को बार-बार हालत बिगड़ने की जानकारी देने के बावजूद इसे गंभीरता से नहीं लिया गया और आपत्तिजनक टिप्पणियां भी की गईं। बाद में, ऑपरेशन थिएटर में डॉक्टरों ने गर्भस्थ शिशु की मौत की पुष्टि की, जिसके बाद परिवार ने इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। पीड़िता की मां सुषमा मुखोपाध्याय ने कहा कि डॉक्टरों और नर्सों की लापरवाही से उनके नाती की गर्भ में ही मौत हुई है और वे दोषियों को सजा चाहती हैं। जानकारी के अनुसार, मामोनी मुखोपाध्याय को 18 दिसंबर को चिकित्सकीय सलाह पर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था, लेकिन उस समय प्रसव की संभावना न होने पर छुट्टी दे दी गई थी। 24 दिसंबर को दोबारा प्रसव पीड़ा होने पर उन्हें फिर से भर्ती कराया गया। अस्पताल की रोगी कल्याण समिति की चेयरमैन हेमा चौबे ने मामले की जांच का भरोसा दिलाया है।

नई कोलाघाट रेलवे पुल से बढ़ेगी सुरक्षा, हावड़ा-खड़गपुर खंड में परिचालन होगा सुगम

कोलकाता, समाज्ञा : दक्षिण पूर्व रेलवे ने हावड़ा-खड़गपुर रेल खंड की बढ़ती यातायात मांग को देखते हुए रेल अवसंरचना को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की है। खड़गपुर मंडल के अंतर्गत रुपन-ारायण नदी पर एक अत्याधुनिक नए रेलवे पुल का निर्माण किया जा रहा है, जो वर्तमान में उपयोग में रहे पुराने कोलाघाट पुल संख्या-57 का स्थान लेगा। यह पुल देउलटी और कोलाघाट स्टेशनों के बीच स्थित है और उपनगरीय तथा मुख्य लाइन यातायात दोनों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, वर्ष 1900 में चालू हुआ 804 मीटर लंबा पुराना कोलाघाट स्टील गर्डर पुल पिछले 125 वर्षों से दक्षिण पूर्व रेलवे के लिए एक अहम कड़ी रहा है। हालांकि, अब यह पुल अपनी निर्धारित तकनीकी आयु पूरी कर चुका है, जिसके चलते इसके प्रतिस्थापन की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। करीब 481.11 करोड़ की लागत से बनने वाला नया पुल डाउन मेन और मिडिल लाइनों को सम्मिलित करेगा। वायाडक्ट सहित इस पुल का निर्माण कंपोजिट और ओपन वेब गर्डर संरचना के संयोजन से किया जाएगा, जिससे इसकी मजबूती और टिकाऊपन सुनिश्चित होगा। परियोजना के तहत कोलाघाट स्टेशन का भी व्यापक विकास किया जाएगा, जिसमें परिवर्तित सरेखण पर उन्नत और आधुनिक

प्लेटफार्मों का निर्माण शामिल है। वर्तमान में पुराने पुल पर प्रतिबंधों के कारण डाउन मेन लाइन से मालगाड़ियों और अधिकांश मेल-एक्सप्रेस ट्रेनों का संचालन प्रभावित हो रहा है, जिससे अधिकतर डाउन ट्रेनों को मिडिल लाइन से चलाना पड़ रहा है और भीड़ की स्थिति बन रही है। रेलवे का अनुमान है कि नया पुल वर्ष 2027 के अंत तक चालू हो जाएगा और कम से कम अगले 100 वर्षों तक सेवा प्रदान करेगा। दक्षिण पूर्व रेलवे का कहना है कि इस परियोजना के पूरा होने से हावड़ा-खड़गपुर खंड में संकीर्णता दूर होगी, रेल सुरक्षा में उल्लेखनीय वृद्धि होगी और यात्रियों को अधिक तेज, सुरक्षित और सुविधाजनक यात्रा अनुभव मिलेगा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 2025 के सुधार : विकसित भारत की ओर बढ़ते तेज कदम

वर्ष 2025 को एक ऐसे वर्ष के रूप में याद किया जाएगा, जब भारत ने बड़े संकल्पों, तीव्र गति और गहरे सुधारों को लागू करने का रास्ता चुना। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में, यह एक ऐसा निर्णायक मोड़ साबित हुआ जब देश ने पुराने और अप्रसंगिक कानूनों की परतों को उतार फेंका, अपनी कर और नियामक व्यवस्थाओं को सरल बनाया, उद्योगों के लिए नए द्वार खोले और शासन व्यवस्था को एक आत्मविश्वास से भरे राष्ट्र की आकांक्षाओं के अनुरूप ढाल दिया।

यह वह वर्ष था जब भारत का आर्थिक दर्शन स्पष्टता, व्यापकता और वैश्विक महत्वाकांक्षा की ओर अग्रसर हुआ। इसका प्रभाव ग्रामीण भारत, उद्योगों, लेबर मार्केट और उन उभरते क्षेत्रों में महसूस किया गया जो भविष्य को आकार देंगे। 15 अगस्त को प्रधानमंत्री मोदी द्वारा नियामक सुधारों और 21वीं सदी के भारत के लिए कानूनों को नए सिरे से तैयार करने का जो आह्वान किया गया था, उसकी गूँज इन सुधारों में स्पष्ट रूप से दिखाई दी।

सभी वैश्विक अनुमानों को पीछे छोड़ते हुए, भारतीय अर्थव्यवस्था ने साल 2025 में 8.2 प्रतिशत की आश्चर्यजनक जीडीपी वृद्धि दर्ज की। यह कराधान से लेकर श्रम सुधारों तक, बंदरगाहों के आधुनिकीकरण से लेकर परमाणु ऊर्जा तक और प्रत्यक्ष विदेशी निवेश से लेकर मुक्त व्यापार समझौतों के साथ-साथ महत्वपूर्ण डीरेगुलेशन जैसे ऐतिहासिक सुधारों के जरिए अर्थव्यवस्था में नए प्राण फूंकने का परिणाम था।

श्रम सुधार : भारत की विकास गाथा के केंद्र में श्रमिक

वर्ष 2025 वह पहला वर्ष बना जब श्रम संहिताओं ने भारत के कार्य-जगत को प्रत्यक्ष और निर्णायक रूप से एक नया आकार दिया। 29 जटिल एवं अलग-अलग कानूनों को चार आधुनिक संहिताओं में समाहित करके, भारत ने एक ऐसा लेबर फ्रेमवर्क तैयार किया जो बिजनेस के लिए अधिक स्पष्ट और श्रमिकों के लिए अधिक सुरक्षित है।

उचित वेतन, सुगम औद्योगिक संबंधों, व्यापक सामाजिक सुरक्षा और सुरक्षित कार्यस्थलों पर अधिक बल देते हुए, ये सुधार भारत के श्रम बाजार को 64.33 करोड़ की बढ़ती श्रमशक्ति की सहायता करने, महिलाओं की उच्च भागीदारी को प्रोत्साहित करने और अर्थव्यवस्था के विस्तार के साथ-साथ बेरोजगारी के स्तर को कम बनाए रखने के लिए तैयार करते हैं।

हाल के श्रम सुधारों ने भारत के कार्यबल के बड़े हिस्से तक सामाजिक सुरक्षा का विस्तार किया है। अब लगभग 10 मिलियन गिग वर्कर्स को 5,000 से 10,000 तक की वार्षिक सामाजिक सुरक्षा सहायता मिल रही है। साथ ही, 5 से 7 करोड़ कॉन्ट्रैक्ट वर्कर्स को कर्मचारी भविष्य निधि और कर्मचारी राज्य बीमा के दायरे में लाया जा रहा है, जिससे प्रत्येक श्रमिक को प्रति वर्ष 15,000 से 25,000 तक का लाभ मिलेगा। इसके अतिरिक्त, नया नेशनल मिनिमम वेज लागू होने से 150 से 180 मिलियन कम वेतन पाने वाले श्रमिकों की आय में वृद्धि होना तय है।

इन सुधारों से फॉर्मल वर्कफोर्स में 15 प्रतिशत की वृद्धि होने की उम्मीद है, साथ ही लगभग 50 करोड़ कामकाजी उम्र की महिलाओं को लेबर पूल से जोड़ने का लक्ष्य है। उद्योगों के लिए, ये बदलाव प्रति फैक्ट्री कंप्लायंस में 60 से 70 प्रतिशत की कमी लाएंगे, साथ ही मैनपावर, कंसल्टेंट और प्रोडक्शन बंद होने पर होने वाले खर्च में कमी के जरिए लगभग 5,000 करोड़ की बचत भी सुनिश्चित करेंगे।

अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधार: एक सरल, न्यायसंगत और अधिक पारदर्शी व्यवस्था

वर्ष 2025 में भारत की जीएसटी व्यवस्था में अब तक का सबसे महत्वपूर्ण सरलीकरण देखा गया। 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत के दो स्पष्ट स्लैब वाली संरचना को अपनाने से परिवारों, एमएसएमई, किसानों और श्रम-प्रधान क्षेत्रों पर कर का बोझ कम हुआ। इस सुधार का उद्देश्य विवादों को कम करना, कर अनुपालन में सुधार करना और डिजिटल निगरानी को मजबूत करना था, जबकि वित्तीय संतुलन बनाए रखने के लिए सिन गुड्स को इस नई संरचना से बाहर रखा गया। इसका सीधा प्रभाव कंज्यूमर सेंटिमेंट में दिखाई दिया, जहाँ भारत में दिवाली पर 6.05 ट्रिलियन की रिकॉर्ड बिक्री हुई और पिछले एक दशक में नवरात्रि की सबसे शानदार बिक्री देखी गई।

इन सुधारों के परिणामस्वरूप उपभोक्ताओं पर जीएसटी का औसत बोझ 5 प्रतिशत कम हुआ, जबकि कुछ मामलों में यह कमी 20 प्रतिशत तक रही, जिससे जनता की जेब में लगभग 1 लाख करोड़ रुपये की अतिरिक्त बचत हुई। साथ ही, जीवन और स्वास्थ्य बीमा पर जीएसटी में कटौती से सालाना 50,000 करोड़ रुपये की बचत सुनिश्चित हुई। प्रीमियम कम होने से न केवल लोगों का आर्थिक बोझ कम हुआ, बल्कि जीवन और स्वास्थ्य बीमा अपनाने की दर में भी बड़ी वृद्धि देखी गई।

एसबीआई रिसर्च का अनुमान है कि जीएसटी स्लैब में कटौती और रैशनलाइजेशन के बावजूद, वित्त वर्ष 2026 में जीएसटी राजस्व बजट अनुमानों से अधिक रहने की उम्मीद है। यह इस विचार को पुष्ट करता है कि एक सरल कर व्यवस्था जन-हितैषी होने के साथ-साथ आर्थिक रूप से भी सुदृढ़ हो सकती है। यह भारत को एक स्पष्ट, अधिक अनुमानित और विकास-उन्मुख इनडायरेक्ट टैक्स फ्रेमवर्क की ओर ले जा रहा है। पंजीकरण प्रक्रियाओं के सरलीकरण से छोटी फर्मों के लिए पंजीकरण का समय 30 दिनों से 90 प्रतिशत घटकर अब मात्र 3 दिन रह गया है।

आयकर क्रांति: मध्यम वर्ग को बड़ी राहत

वर्ष 2025 भारत के मध्यम वर्ग के लिए एक क्रांतिकारी बदलाव लेकर आया, जिसमें एक ऐसा आयकर का ऐसा फ्रेमवर्क प्रस्तुत किया गया जो अंततः मॉडर्न घरेलू बजट की वास्तविकताओं को दर्शाता है। इतिहास में पहली बार, 12 लाख तक की वार्षिक आय वाले लोगों को कोई आयकर नहीं देना पड़ा। इसने न केवल परिवारों के लिए महत्वपूर्ण बचत के द्वार खोले, बल्कि उन्हें अधिक आत्मविश्वास के साथ भविष्य की योजना बनाने, निवेश करने और खर्च करने की वित्तीय स्वतंत्रता भी प्रदान की।

इसके साथ ही, भारत ने 4,000 से अधिक संशोधनों और हजारों जटिलताओं के बोझ तले दबे 1961 के पुराने आयकर अधिनियम को बदलकर आधुनिक और सरल ,आयकर अधिनियम, 2025 को लागू किया। यह नया कानून छूट को तर्कसंगत बनाता है, कानूनी विवादों को कम करता है, स्पष्टता बढ़ाता है और स्वैच्छिक कर अनुपालन को मजबूती देता है। यह औपनिवेशिक काल के पुराने विधायी ढांचे से एक निर्णायक अलगाव है और एक पारदर्शी, तकनीक-आधारित कर प्रशासन के नए युग में भारत के प्रवेश का शंखनाद है।

बिल्डिंग परमिट और पर्यावरणीय स्वीकृति में सुधार

मोदी सरकार ने हरित क्षेत्र के लिए पहले से अनिवार्य 33 प्रतिशत की एकसमान शर्त में ढील देकर और उद्योग की प्रदूषण क्षमता के आधार पर एक विभेदित प्रणाली शुरू करके विनिर्माण इकाइयों के निर्माण के नियमों को सरल बना दिया है। इस कदम से लगभग 1.2 लाख हेक्टेयर औद्योगिक भूमि उपयोग के लिए उपलब्ध होगी, परियोजना लागत में 20 प्रतिशत तक की कमी आएगी और 20-30 लाख करोड़ के निवेश को गति मिलेगी।

इसी तरह, किसी इंडस्ट्रियल पार्क में मौजूद अलग-अलग इंडस्ट्रियल यूनिट्स, जिसने पहले ही व्यापक पर्यावरणीय स्वीकृति (ईसी) प्राप्त कर ली है, उन्हें आम तौर पर अलग से पर्यावरणीय स्वीकृति लेने की आवश्यकता नहीं होगी। यह कदम, विशेष रूप से टाइम-सेंसिटिव सेक्टर्स में, पर्यावरणीय स्वीकृति मिलने में होने वाली देरी के कारण निवेश और रोजगार में होने वाले नुकसान को रोकेगा और समय की 6 से 18 महीने तक की बचत करेगा।

सोलर पावर, साइकिल असेंबली, हथकरघा, वैज्ञानिक उपकरण, चाय पैकेजिंग, जैव-उर्वरक और लकड़ी के फर्नीचर (बिना स्प्रे पेंटिंग वाले) जैसे क्षेत्रों सहित 32 और उद्योगों को 'व्हाइट कैटेगरी' में जोड़ा गया है। इससे कंप्लायंस का बोझ कम होगा और पहली बार व्यापार शुरू करने वाले तथा छोटे उद्यमियों के लिए बाजार में प्रवेश की बाधाएं कम होंगी। साथ ही, स्टार्टअप चरण में तय कंप्लायंस लागत में कमी आएगी और प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों के संसाधन भी मुक्त होंगे, जिससे वे 'इज ऑफ डूइंग बिजनेस' को बढ़ावा देने के लिए हाई रिस्क वाले सेक्टर्स पर ध्यान केंद्रित कर सकेंगे। इससे सालाना 3,000 से 5,000 उद्योगों को सीधा लाभ मिलेगा।

इज ऑफ डूइंग बिजनेस (ईओडीबी) में बड़े परिवर्तन: क्यूसीओ सुधारों के जरिए भारतीय उद्यमियों की राह हुई आसान

इज ऑफ डूइंग बिजनेस (व्यापार सुगमता) सुधारों ने 2025 को बाधाओं को तोड़ने वाले वर्ष के रूप में परिभाषित किया है। क्वालिटी कंट्रोल ऑर्डर्स की एक व्यापक समीक्षा के माध्यम से 76 उत्पाद श्रेणियों के लिए अनिवार्य कंप्लायंस को हटा दिया गया और 200 से अधिक उत्पादों को डीरेगुलेशन के लिए चिन्हित किया गया। इस कदम ने सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) और निर्यातकों पर से एक बड़ा बोझ हटा दिया है।

इन गुणवत्ता नियंत्रण आदेशों को हटाने के परिणामस्वरूप अगले 5 वर्षों में परिधान निर्यात में भारत की हिस्सेदारी लगभग 3 प्रतिशत (15 बिलियन) से बढ़कर लगभग 5 प्रतिशत (30 बिलियन) हो जाएगी। साथ ही, फुटवियर और ऑटो उद्योगों में उत्पादन लागत में 10 प्रतिशत से 15 प्रतिशत की कमी आएगी। घरेलू उपभोक्ताओं के लिए इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स, साइकिल और ऑटोमोटिव उत्पादों की कीमतों में 2 से 5 प्रतिशत की गिरावट होगी, जिससे खपत को बढ़ावा मिलेगा। इसके अतिरिक्त, इन क्यूसीओ को हटाने से 30 से 33 लाख प्रत्यक्ष रोजगार और इतनी ही संख्या में अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा होंगे।

छोटी कंपनियों को बड़ी सोच की उड़ान देने वाले सुधार

छोटी कंपनियों की परिभाषा का विस्तार करते हुए इसमें 100 करोड़ तक के टर्नओवर वाली फर्मों को शामिल करने के फैसले ने हजारों भारतीय उद्यमों के लिए माहौल को पूरी तरह बदल दिया है। इस सुधार ने एक ऐसा वातावरण तैयार किया है जहाँ बढ़ते हुए व्यवसायों को अब प्रशासनिक रुकावटों से बंधे हुए महसूस नहीं करना पड़ता, बल्कि उन्हें पूरे आत्मविश्वास के साथ विस्तार करने और एक बड़े मंच पर प्रतिस्पर्धा करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

इससे लगभग 10,000 कंपनियों के लिए कंप्लायंस का बोझ कम होगा और उन्हें सालाना 2 लाख रुपये की कंप्लायंस कॉस्ट बचाने में मदद मिलेगी।

एमएसएमई की बड़ी महत्वाकांक्षाओं के लिए एक नई परिभाषा

1 अप्रैल, 2025 से प्रभावी एमएसएमई परिभाषा के व्यापक बदलाव ने उस संरचनात्मक बाधा को दूर कर दिया है जिससे कंपनियों को विस्तार करने में दिक्कत आ रही थी। एंटरप्राइज़ इन्वेस्टमेंट और टर्नओवर की लिमिट को क्रमशः 2.5 गुना और दोगुना बढ़ा दिया गया है:

सूक्ष्म उद्यम: निवेश की सीमा 1 करोड़ से बढ़ाकर 2.5 करोड़ और टर्नओवर की सीमा 5 करोड़ से बढ़ाकर 10 करोड़ कर दी गई है।

लघु उद्यम: निवेश की सीमा 10 करोड़ से बढ़ाकर 25 करोड़ और टर्नओवर की सीमा 50 करोड़ से बढ़ाकर 100 करोड़ कर दी गई है।

मध्यम उद्यम: निवेश की सीमा 50 करोड़ से बढ़ाकर 125 करोड़ और टर्नओवर की सीमा 250 करोड़ से बढ़ाकर 500 करोड़ कर दी गई है।

इससे उद्यमों को एमएसएमई लाभों और प्रोत्साहनों को खोए बिना विस्तार करने में मदद मिलेगी। यह विकास के लिए एक लंबा रास्ता तैयार करेगा और मध्यम स्तर की फर्मों को सरकारी सहायता संरचनाओं तक पहुंच बनाए रखते हुए वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बने रहने में सक्षम बनाएगा।

प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में महत्वपूर्ण सुधार

मोदी सरकार ने प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में महत्वपूर्ण सुधार करते हुए भारतीय बीमा कंपनियों में 100 प्रतिशत एफडीआई की अनुमति दी है। यह कदम भारी मात्रा में विदेशी पूंजी को आकर्षित करेगा, प्रतिस्पर्धा बढ़ाएगा और भारत के बढ़ते बीमा बाजार के भीतर ग्राहक सेवाओं में सुधार सुनिश्चित करेगा।

बीमा क्षेत्र में 100 प्रतिशत तक एफडीआई की अनुमति देने से अगले 5 वर्षों में 8 से 10 करोड़ नए लोगों को बीमा सुरक्षा के दायरे में लाने में मदद मिलेगी। इसके साथ ही, अगले 3 से 5 वर्षों में भारतीय बीमा बाजार में 8-12 बिलियन का नया विदेशी निवेश आएगा। यह कदम एक दशक की अवधि में सरकार पर पड़ने वाले 1.5-2 लाख करोड़ के संभावित वित्तीय बोझ को कम करने में भी सहायक सिद्ध होगा।

भारतीय निर्माताओं और एमएसएमई के लिए वैश्विक बाजारों के द्वार खोलना

भारत ने रणनीतिक व्यापार समझौतों के माध्यम से अपने आर्थिक भविष्य को सुदृढ़ किया है।

जुलाई में हस्ताक्षरित भारत-यूके सीईटीए (व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौता) और हाल ही में हस्ताक्षरित भारत-ओमान सीईपीए ने पश्चिमी और खाड़ी देशों के बाजारों में भारतीय सामानों के लिए शुल्क मुक्त पहुंच का विस्तार किया है, जिससे ग्लोबल ट्रेड हब के रूप में भारत की भूमिका और मजबूत हुई है। इसके अलावा, भारत ने न्यूजीलैंड के साथ एक मुक्त व्यापार समझौते को भी अंतिम रूप दिया है, जिससे भारत के सभी टैरिफ लाइनों पर शुल्क समाप्त हो गया है और भारतीय निर्यात को शुल्क मुक्त पहुंच प्राप्त हुई है।

अक्टूबर में, भारत ने यूरोपियन फ्री ट्रेड एसोसिएशन के साथ अपने एफटीए को संचालित किया, जिसमें स्विट्ज़रलैंड, नॉर्वे, आइसलैंड और लिकटेंस्टीन शामिल हैं। यह विकसित यूरोपीय अर्थव्यवस्थाओं के साथ भारत का पहला एफटीए है। इस समझौते में 15 वर्षों में 100 बिलियन के निवेश की बाध्यकारी प्रतिबद्धता, प्रमुख टैरिफ कटौती और सेवाओं, प्रौद्योगिकी एवं ग्रीन एनर्जी में नए अवसर शामिल हैं। इसके अलावा, यूरोपीय संघ, मैक्सिको, इजराइल, कनाडा और गल्फ कोऑपरेशन काउंसिल के साथ बातचीत अगले चरण में है।

हाल ही में घोषित 25,000 करोड़ की निर्यात प्रोत्साहन योजना के साथ मिलकर यह पहल अंतरराष्ट्रीय व्यापार में भारत की स्थिति को मजबूत करेगी, 1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर के निर्यात लक्ष्य की ओर प्रगति को तेज करेगी और आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण को और आगे बढ़ाएगी।

बाजार प्रतिभूति सुधार

भारत के प्रतिभूति बाजार कानूनों को एक सिंगल कोड में एकीकृत करने के एक ऐतिहासिक कदम के तहत, प्रतिभूति बाजार कोड विधेयक पेश किया गया है। यह विधेयक गवर्नेंस के मानदंडों को सुदृढ़ करेगा, उपभोक्ता संरक्षण का विस्तार करेगा, कंप्लायंस के बोझ को कम करेगा और तकनीक-आधारित प्रतिभूति बाजार को बढ़ावा देगा।

इन सुधारों से पूरे उद्योग जगत में कंप्लायंस, कानूनी और प्रशासनिक खर्चों में सालाना 500-1,000 करोड़ की कमी आ सकती है। इसके अलावा, नए वेंचर कैपिटल निवेश और फिनटेक इनोवेशन से होने वाली आय के माध्यम से हर साल 1,200 से 3,000 करोड़ के अतिरिक्त लाभ की भी उम्मीद है। बड़ी आर्थिक धोखाधड़ी के मामलों का त्वरित समाधान होने से सालाना 500 से 1,300 करोड़ की एफिशिएंसी में भी वृद्धि हो सकती है।

जन विश्वास: अपराधीकरण के युग का अंत

जन विश्वास सुधारों ने सरकार और व्यवसाय के बीच परस्पर संवाद के तौर-तरीकों को पूरी तरह से बदल दिया है। इसके तहत 200 से अधिक मामूली अपराधों को गैर-अपराधीकृत किया गया, सैकड़ों पुराने पड़ चुके कानूनों को समाप्त कर दिया गया और निरसन एवं संशोधन विधेयक, 2025 के साथ यह परिवर्तन अब एक नए और अधिक गहन चरण में प्रवेश कर चुका है।

इस कानून ने 71 ऐसे अधिनियमों को निरस्त कर दिया है जो अप्रचलित या निरर्थक हो चुके थे, जिससे कानूनी ढांचे में स्पष्टता और सामंजस्य बढ़ा है तथा व्याख्या संबंधी भ्रम और टालने योग्य मुकदमों में कमी आई है। इससे प्रत्येक एमएसएमई के कंप्लायंस और कानूनी खर्चों में 65,000 से 85,000 की बचत होगी और चुनिंदा व्यवसायों के औसतन 50 से अधिक मानव-घंटों की बचत होगी, साथ ही मुकदमेबाजी और परामर्श खर्चों में भी कमी आएगी।

यह बदलाव केवल कानूनी नहीं बल्कि सांस्कृतिक है। यह उद्यमियों को संकेत देता है कि अब व्यवस्था उनकी मदद के लिए बनी है, डराने के लिए नहीं और जब एनडीए शासित सात राज्यों ने मिलकर 1,000 से अधिक प्रावधानों को अपराध की श्रेणी से बाहर कर दिया, तो यह सुधार एक वास्तविक राष्ट्रीय आंदोलन में बदल गया।

देश भर के राज्यों ने भूमि उपयोग, निर्माण संबंधी स्वीकृतियों और पर्यावरण के क्षेत्रों में 23 सुधार किए हैं, जिससे निर्माण-पूर्व लगने वाले समय में 30 से 50 प्रतिशत की कमी आई है। लैंड यूज़ बदलने की मंजूरी का समय 6 से 12 महीने से घटकर अब मात्र 15 से 45 दिन रह गया है, जिससे परियोजनाओं की शुरुआत में तेजी आई है। इन सुधारों से एमएसएमई के परिचालन शुरू करने के समय में भी 30 से 90 दिनों की कमी आएगी और विनिर्माण एवं सेवा क्षेत्रों के लिए श्रमबल में 10 से 15 प्रतिशत का विस्तार होगा।

समुद्री और ब्लू इकोनॉमी में सुधार

संसद के मानसून सत्र में पांच ऐतिहासिक समुद्री कानूनों के पारित होने का गौरवशाली क्षण देखा गया: बिल्स ऑफ लैडिंग 2025, कैरिज ऑफ गुड्स बाय सी बिल 2025, तटीय नौवहन विधेयक 2025, व्यापारिक नौवहन विधेयक 2025 और भारतीय पत्तन 2025।

ये कानून भारत के समुद्री गवर्नेंस को आधुनिक बनाते हैं और 1908, 1925 तथा 1958 के पुराने अधिनियमों की जगह लेते हैं। ये सुधार डॉक्यूमेंटेशन को सरल बनाते हैं, विवादों को कम करते हैं, तटीय नौवहन को प्रोत्साहित करते हैं, लॉजिस्टिक लागत घटाते हैं और पत्तन गवर्नेंस को मजबूत करते हैं, जिससे भारत की ब्लू इकोनॉमी को विकसित होने में मदद मिलेगी। मलबे को तेजी से हटाने, बेहतर समुद्री सुरक्षा और सशक्त राज्य समुद्री बोर्डों के साथ, भारत के पास अब वैश्विक मानकों के अनुरूप 21वीं सदी का एक आधुनिक समुद्री ढांचा है।

शैक्षणिक सुधार :

विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान अधिनियम, कई अलग-अलग निकायों (यूजीसी, एआईसीटीई, एनसीटीई) के स्थान पर विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान की स्थापना कर एक एकल और एकीकृत उच्च शिक्षा नियामक बनाता है। यह नवाचार और शैक्षणिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए संस्थानों की स्वायत्तता को बढ़ाता है, गुणवत्ता और मानकों पर अधिक ध्यान केंद्रित करने के लिए फंडिंग को रेगुलेशन से अलग करता है और एक आधुनिक तथा वैश्विक स्तर पर जुड़े नियामक ढांचे के राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के दृष्टिकोण के साथ पूरी तरह से मेल खाता है।

यह कानून 2034-35 तक उच्च शिक्षण संस्थानों की संख्या में 20 प्रतिशत की वृद्धि का मार्ग प्रशस्त करेगा, जिसका विस्तार टियर-2, टियर-3 शहरों और ग्रामीण जिलों तक होगा। प्रवेश बाधाओं और कंप्लायंस के बोझ को कम करके, इससे शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार, लागत में 5 से 10 प्रतिशत की कमी और औसत अनुमोदन समय में 20 से 30 प्रतिशत की कटौती की उम्मीद है। साथ ही, यह 60 से 70 हजार संस्थानों में लगभग 54 लाख मानव-घंटों की बचत करेगा। अगले 3 से 5 वर्षों में उच्च शिक्षा में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में 10 से 20 प्रतिशत की वृद्धि और एक्रेडिटेशन कवरेज में 15 से 25 प्रतिशत के विस्तार का अनुमान है, जिससे संस्थानों के प्रदर्शन को मजबूती मिलेगी।

भारत की परमाणु यात्रा: एक नए युग का उदय

संसद ने शांति (शांति-सस्टेनेबल हार्नेसिंग एंड एडवांसमेंट ऑफ न्यूक्लियर एनर्जी फॉर ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया) विधेयक पारित कर दिया है। यह ऐतिहासिक है क्योंकि यह पहली बार है जब भारत संरचनात्मक रूप से अपनी परमाणु नीति को एक बंद, सरकारी-एकाधिकार मॉडल से हटाकर एक सावधानीपूर्वक विनियमित, सुरक्षा-प्रथम लेकिन इन्वेस्टमेंट-फ्रेंडली फ्रेमवर्क की ओर ले जा रहा है। यह पुराने परमाणु ऊर्जा अधिनियम, 1962 को निरस्त करता है और परमाणु क्षति के लिए नागरिक दायित्व अधिनियम, 2010 को एक एकीकृत, आधुनिक कानून में समाहित करता है। स्ट्रेटेजिक फ्यूल साइकिल, एनरिचमेंट, रीप्रोसेसिंग और हथियारों के क्षेत्र को पूरी तरह से सरकारी नियंत्रण में रखते हुए, यह विधेयक खास सिविलियन न्यूक्लियर प्रोजेक्ट्स में निजी और विदेशी भागीदारी की स्पष्ट अनुमति देता है। इससे पूंजी, तकनीक और अगली पीढ़ी के रिएक्टरों के लिए वह द्वार खुल गया है जिसे सार्वजनिक क्षेत्र अकेले हासिल नहीं कर सकता था।

यह कदम 2047 तक परमाणु ऊर्जा परियोजनाओं में निजी घरेलू और विदेशी निवेशकों से 100 - 150 बिलियन की नई पूंजी का मार्ग प्रशस्त करेगा। इसके परिणामस्वरूप परमाणु ऊर्जा उत्पादन में 12 से 14 गुना की वृद्धि होगी और फॉसिल फ्यूल से होने वाले कार्बन उत्सर्जन में भारी कमी आएगी।

शांति विधेयक के प्रावधान 2033 तक 0.3 से 1 गीगावाट क्षमता वाले स्मॉल मॉड्युलर रिएक्टर्स की शीघ्र तैनाती को भी सक्षम बनाएंगे। यह बड़े रिएक्टरों के दायरे से बाहर निकलकर मॉड्यूल-आधारित, स्केलेबल और स्वच्छ बिजली उत्पादन को सपोर्ट करेगा।

ग्रामीण रोजगार सुधार: एक परिवर्तनकारी उपलब्धि

वर्ष 2025 ग्रामीण विकास की दिशा में एक युगांतकारी परिवर्तन का साक्षी बना, जिसका सूत्रधार बना नया 'विकसित भारत-जी राम जी विधेयक, 2025' रोजगार गारंटी ढांचा। यह क्रांतिकारी पहल न केवल गारंटीकृत कार्यदिवसों को 100 से बढ़ाकर 125 दिन करती है, बल्कि ग्रामीण श्रम की शक्ति को गाँव के बुनियादी ढांचे के सुदृढ़ीकरण और सतत आजीविका के निर्माण की ओर मोड़ती है।

रोजगार को स्थानीय विकास योजनाओं से जोड़कर और पारदर्शिता के लिए डिजिटल प्रणालियों का उपयोग कर, यह सुधार ग्रामीण श्रम को केवल एक राहत कार्य से आगे ले जाने का लक्ष्य रखता है। इसका उद्देश्य ग्रामीण कार्य को उच्च आय, बेहतर संपत्तियों और अधिक सक्षम समुदायों के एक सशक्त माध्यम में बदलना है, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था दीर्घकालिक और सतत विकास की ओर अग्रसर हो सके।

वीबी-जी राम जी के तहत प्रत्येक ग्रामीण परिवार की वार्षिक रोजगार पात्रता में लगभग 6,675 की बढ़ोतरी होगी। देश भर के 8.6 करोड़ सक्रिय श्रमिकों के लिए यह पहल प्रतिवर्ष 60,000 करोड़ तक की अतिरिक्त मजदूरी सुनिश्चित करेगी। इसके साथ ही, यह महत्वाकांक्षी सुधार ग्रामीण क्षेत्रों में 200 करोड़ से अधिक अतिरिक्त मानव-दिवसों का रोजगार सृजित कर गांवों की आर्थिक तस्वीर बदल देगा। वर्ष 2025 संरचनात्मक सुधारों के एक निर्णायक वर्ष के रूप में दर्ज हुआ, जहाँ सरल कानूनों, सुदृढ़ प्रणालियों, नियंत्रित महंगाई और बढ़ती वैश्विक विश्वसनीयता ने 2047 तक विकसित भारत के पथ की सुदृढ़ नींव रखी है।

न्यूज अपडेट

काशी विश्वनाथ मंदिर में प्रोटोकाल और स्पर्श दर्शन पर रोक

वाराणसी (उप्र) : वाराणसी के प्रसिद्ध श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में शीतकालीन छुट्टियों और आंग्ल नववर्ष पर श्रद्धांलुओं की भारी भीड़ आने की संभावना को देखते हुए बुधवार से प्रोटोकॉल दर्शन और स्पर्श दर्शन पर रोक लगा दी गयी है। एक पदाधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के मुख्यकार्यपालक अधिकारी विश्व भूषण मिश्र ने बताया कि शीतकालीन छुट्टियों और आंग्ल नव वर्ष के कारण मंदिर में श्रद्धांलुओं की भारी भीड़ के चलते 24 दिसंबर से प्रोटोकॉल दर्शन और स्पर्श दर्शन पर रोक लगा दी गयी है। मंदिर में श्रद्धालुओं को लाइन लगाकर बाबा का झांकी दर्शन कराया जा रहा है। मिश्र ने कहा कि मंदिर में सुविधा और सुरक्षा के साथ सभी को दर्शन प्राप्त हो सकें, इसके लिए सभी श्रद्धालु मंदिर न्यास के इस निर्णय का सहयोग करें।

बिहार : मौसम विभाग ने 29 दिसंबर तक के लिए जारी किया ऑरेंज अलर्ट

पटना : बिहार इस समय कड़ाके की ठंड और घने कोहरे की चपेट में है। मौसम विभाग ने शीतलहर और घने कोहरे को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया है और राज्य को 29 दिसंबर तक ठंड से राहत मिलने की संभावना नहीं है। पहाड़ी इलाकों में लगातार हो रही बर्फबारी और सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ का सीधा असर बिहार के मैदानी जिलों में देखा जा रहा है। बर्फीली पछुआ हवाओं के कारण ठंड बढ़ गई है। हालात की गंभीरता को देखते हुए मौसम विभाग ने पूरे राज्य के लिए शीतलहर और घने कोहरे का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है, जो कम से कम अगले चार से पांच दिनों तक प्रभावी रहेगा। मौसम विभाग के अनुसार, 29 दिसंबर तक राज्य के कई हिस्सों में भीषण शीतलहर का दौर जारी रहने की संभावना है। बीते एक सप्ताह से बिहार में 'कोल्ड-डे' (शीत दिवस) जैसी स्थिति बनी हुई है। लगातार धूप नहीं निकलने के कारण दिन के तापमान में असामान्य गिरावट दर्ज की जा रही है, जिससे दिन में भी अलाव और गर्म कपड़ों का सहारा लेना पड़ रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि 30 दिसंबर के बाद ही मौसम में हल्का सुधार संभव है, उससे पहले राहत की उम्मीद कम है।

पटना में रात 10 बजे के बाद लाउडस्पीकर के इस्तेमाल के खिलाफ अभियान चलाएगा प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड

पटना : बिहार राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (बीएसपीसीबी) पटना में रात 10 बजे के बाद लाउडस्पीकर के इस्तेमाल के खिलाफ बृहस्पतिवार रात से विशेष अभियान शुरू करेगा। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। बीएसपीसीबी के अध्यक्ष देवेंद्र कुमार शुक्ला ने बताया कि लाउडस्पीकर और अधिक डेसिबल वाले साउंड सिस्टम के रात में इस्तेमाल को लेकर बड़ी संख्या में शिकायतें मिलने के बाद यह निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा, काफी शिकायतें मिलने के बाद बीएसपीसीबी ने शुरुआत में 20 दिनों का विशेष अभियान चलाकर रात 10 बजे के बाद लाउडस्पीकर और तेज आवाज वाले साउंड सिस्टम पर लगे प्रतिबंध को सख्ती से लागू करने का फैसला किया है। इसके लिए तीन टीमों का गठन किया गया है, जो आज रात से छापेमारी शुरू करेंगी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की वजह से भारत की हैसियत पूरी दुनिया में बनी : राजनाथ सिंह

लखनऊ : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने देश को विकास और आत्मनिर्भरता के पथ पर ले जाने का श्रेय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को देते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि पहले अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की बातों को गंभीरता से नहीं लिया जाता था, लेकिन आज भारत की हैसियत पूरी दुनिया में बनी है। यहां पूर्व प्रधानमंत्री 'भारत रत्न' अटल बिहारी वाजपेयी की 101वीं जयंती के अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी द्वारा 'राष्ट्र प्रेरणा स्थल' के लोकार्पण और पंडित श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय और अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमाओं के अनावरण के मौके पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सिंह ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय जगत में भारत की प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत और अभिनंदन है। लखनऊ के सांसद सिंह ने मुखर्जी, उपाध्याय और वाजपेयी के विचारों और उनकी नीतियों की सराहना की और उपस्थित लोगों से कहा, ''आपको जानकर प्रसन्नता होगी कि मोदी जी ने भारत का मस्तक ऊंचा किया और उनको दुनिया के 29 देशों का सर्वोच्च सम्मान प्राप्त हुआ है, यह ऐसे नेता हैं।''

पंजाब के मलेरकोटला में एक ही परिवार के तीन सदस्यों ने जहर खाकर आत्महत्या की

चंडीगढ़ : पंजाब के मलेरकोटला जिले के भुदन गांव में 31 वर्षीय एक महिला, उसके बेटे और उसकी मां ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी की। पुलिस ने महिला की सास समेत कई लोगों के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में मामला दर्ज किया है। विधवा इंदरपाल कौर ने कथित तौर पर जहर खाने से पहले एक वीडियो बनाया था, जिसमें उसने स्वयं को और अपने परिवार को परेशान करने तथा धमकाने के आरोप में कम से कम 10 लोगों के नाम लिए थे। मलेरकोटला के पुलिस अधीक्षक सतपाल शर्मा ने बताया कि बुधवार को भुदन गांव स्थित उनके घर से इंदरपाल कौर और उनकी मां हरदीप कौर के शव बरामद किए गए। उन्होंने बताया कि इंदरपाल का नौ वर्षीय बेटा जसकीरत सिंह घर में बेहोशी की हालत में मिला, जिसे अस्पताल ले जाया गया और इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, इंदरपाल ने आत्मघाती कदम उठाने से पहले यह वीडियो क्लिप अपने एक रिश्तेदार को भेजी थी। इंदरपाल के भाई कुलदीप सिंह के बयान के आधार पर पुलिस ने ससुराल पक्ष की सदस्य चरनजीत कौर, पड़ोसी भोला सिंह और कुछ अन्य लोगों के खिलाफ संदौर थाना में मामला दर्ज किया है।

मनरेगा के माध्यम से बिहार में दो वर्षों में बने 4,807 खेल मैदान

पटना : बिहार में खेल गतिविधि को ग्रामीण स्तर पर बढ़ावा देने के उद्देश्य से पिछले दो साल में प्रदेश में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत 4,807 खेल मैदानों का निर्माण किया जा चुका है। राज्य सरकार के एक मंत्री ने इसकी जानकारी दी। प्रदेश सरकार के ग्रामीण विकास एवं परिवहन मंत्री श्रवण कुमार ने बृहस्पतिवार को बताया कि मनरेगा के अंतर्गत गांवों में विकसित किए जा रहे खेल मैदान ग्रामीण बदलाव का सशक्त आधार बन रहे हैं। मंत्री ने बताया कि मनरेगा के तहत पिछले दो वर्षों में तैयार किए गए 4,807 खेल मैदानों की संख्या उन 4,716 ग्राम पंचायतों से भी अधिक है, जिन्हें खेल मैदान निर्माण के लिए चिह्नित किया गया था। उन्होंने कहा कि मनरेगा से बने ये खेल मैदान अब गांवों में खेल के साथ-साथ आत्मनिर्भरता, स्वास्थ्य एवं उज्ज्वल भविष्य के प्रतीक बनते जा रहे हैं। ग्रामीण विकास विभाग की ओर से वर्ष 2024 में राज्य की कुल 8,053 ग्राम पंचायतों में से 4,716 पंचायतों को इस योजना में शामिल किया गया था। इन पंचायतों में 5,341 खेल मैदानों के निर्माण का लक्ष्य तय किया गया था, जिसके लिए 521.92 करोड़ रुपये का बजट निर्धारित किया गया था। मंत्री ने बताया कि इन खेल मैदानों में रनिंग ट्रैक, वॉलीबॉल और बैडमिंटन कोर्ट, क्रिकेट, फुटबॉल, कबड्डी, खो-खो, बास्केटबॉल कोर्ट तथा स्टोर रूम जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि नियमित खेल प्रतियोगिताओं के आयोजन से गांवों में सामुदायिक सहभागिता और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को भी बढ़ावा मिल रहा है।

प्राकृतिक खेती से किसानों की आय बढ़ती है, लोगों को अनेक बीमारियों से मुक्ति भी मिलती है: शाह

रीवा (मध्यप्रदेश) : केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को रासायनिक उर्वरकों को अनेक प्रकार की बीमारियों की जड़ करार दिया और कहा कि प्राकृतिक खेती से ना सिर्फ किसानों की आय बढ़ती है बल्कि पानी की बचत भी होती है और लोगों को अनेक बीमारियों से मुक्ति भी मिलती है। शाह ने यहां आयोजित 'कृषक सम्मेलन' को संबोधित करते हुए कहा कि प्राकृतिक खेती एक ऐसा पारंपरिक प्रयोग है, जिसे समय के साथ लोग भूलते चले गए जबकि एक ही देसी गाय से 21 एकड़ भूमि में प्राकृतिक खेती की जा सकती है। उन्होंने कहा कि किसान की मेहनत से जो अनाज उत्पन्न होता है, वह पूरी दुनिया का पेट भरता है। शाह ने कहा, ''आज अनेक प्रकार की

बीमारियों की जड़ रासायनिक उर्वरक हैं। प्राकृतिक खेती एक ऐसा प्रयोग है, जो किसान की आय को कम नहीं होने देता है और साथ ही उसकी उपज को शुद्ध और गुणवत्तापूर्ण बनाता है।'' उन्होंने कहा, ''इससे आय बढ़ती है, पानी की बचत होती है और लोगों को अनेक बीमारियों से मुक्ति मिलती है।'' केंद्रीय सहकारिता मंत्री ने कहा कि देश में लगभग 40 लाख किसान प्राकृतिक खेती अपना चुके हैं और उन्होंने स्वयं अपने खेत में यह प्रयोग किया है। उन्होंने कहा कि इससे उत्पादन घटा नहीं, बल्कि बढ़ा है। शाह ने कहा कि दुनिया में प्राकृतिक खेती का बहुत बड़ा बाजार है और वैश्विक बाजार में देश के किसानों की उपज बेहतर तरीके से पहुंच सके, इसके लिए भूमि परीक्षण से लेकर प्रमाणीकरण, उपज की प्रयोगशाला में जांच और पैकेजिंग तक की पूरी व्यवस्था विकसित की जा रही है।

शाह ने मप्र में दो लाख करोड़ रुपये लागत की औद्योगिक परियोजनाओं का भूमि-पूजन, लोकार्पण किया

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर यहां आयोजित 'अभ्युदय मध्यप्रदेश ग्रोथ समिट' का उद्घाटन किया और दो लाख करोड़ रुपये लागत की औद्योगिक परियोजनाओं का भूमि-पूजन व लोकार्पण किया जिनसे 1.93 लाख रोजगार सृजित होंगे। शाह ने इस अवसर पर ग्वालियर मेले का उद्घाटन और अटल संग्रहालय में किए गए उन्नयन कार्यों का भी लोकार्पण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री मोहन यादव, केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल सहित कई नेता उपस्थित थे। अधिकारियों के मुताबिक इस सम्मेलन में 25 हजार लाभार्थी और हजारों उद्यमी एवं निवेशक भाग ले रहे हैं।

कांग्रेस के 'शाही परिवार' ने आंबेडकर की विरासत को मिटाने और पटेल का कद घटाने का प्रयास किया : मोदी

लखनऊ : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने परिवारवाद के मुद्दे पर कांग्रेस की आलोचना करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को राजनीतिक रूप से हमेशा 'अछूत' बनाये रखने वाली कांग्रेस के 'शाही परिवार' ने बाबा साहब भीमराव आंबेडकर की विरासत को मिटाने और सरदार वल्लभभाई पटेल के कद को कमतर करने का भी प्रयास किया, लेकिन भाजपा ने उन्हें समुचित सम्मान दिलाया। मोदी ने लखनऊ में 'राष्ट्र प्रेरणा स्थल' का उद्घाटन करने के बाद एक कार्यक्रम को संबोधित किया और इस दौरान वह परिवारवाद के मुद्दे पर खासे मुखर रहे। उन्होंने कहा कि परिवारवाद की राजनीति असुरक्षा से भरी हुई होती है, इसलिए परिवारवादियों के लिए दूसरों की लकीर छोटी करना मजबूरी हो जाती है ताकि उनके परिवार का कद बड़ा दिखे और उनकी दुकान चलती रहे। मोदी ने कहा, प्रेरणा स्थल में लगी पंडित

दीनदयाल उपाध्याय, श्यामा प्रसाद मुखर्जी और अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमाएं हमें नई ऊर्जा से भर रही हैं, लेकिन हमें यह नहीं भूलना है कि आजादी के बाद भारत में हुए हर अच्छे काम को कैसे एक ही परिवार से जोड़ने की प्रवृत्ति पनपी। उन्होंने कांग्रेस और गांधी-नेहरू परिवार पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए कहा, ''किताबें हों, सरकारी योजनाएं हों, सरकारी संस्थान हों, गली, सड़क, चौराहे हों, सब जगह एक ही परिवार का गौरव गान किया गया। एक ही परिवार के नाम, उनकी ही मूर्तियां, यही सब चला। भाजपा ने देश को एक परिवार की बंधक बनी इस पुरानी प्रवृत्ति से भी बाहर निकाला है। हमारी सरकार मां भारती की सेवा करने वाली हर अमर संतान, हर किसी के योगदान को सम्मान दे रही है।'' मोदी ने आरोप लगाते हुए कहा, यह कोई नहीं भूल सकता कि कैसे बाबा साहब आंबेडकर की विरासत को मिटाने का प्रयास हुआ। दिल्ली में कांग्रेस के 'शाही परिवार' ने यह पाप किया। उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी वालों ने भी यही दुस्साहस किया, लेकिन भाजपा ने बाबा साहब की विरासत को मिटने नहीं दिया। आज दिल्ली से लेकर लंदन तक बाबा साहब अंबेडकर के पंच तीर्थ उनकी विरासत का जय घोष कर रहे हैं। उन्होंने कांग्रेस पर सरदार वल्लभभाई पटेल का भी अपमान करने का आरोप लगाया और कहा कि आजादी के बाद पटेल के काम और कद, दोनों को कमतर करने का प्रयास किया गया, मगर यह भाजपा है जिसने सरदार साहब को वह मान सम्मान दिया जिसके वह हकदार थे।

न्यूज इन ब्रीफ

हत्या के बाद दफनाए गए युवक का शव पुलिस ने कब्र से निकाला

सरायकेला : झारखंड के सरायकेला-खरसावां जिले के एक वन क्षेत्र में पुलिस ने बृहस्पतिवार को एक युवक का शव कब्र खोद कर निकाला। पुलिस को आशंका है कि युवक की हत्या कर शव को दफना दिया गया था। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। आदित्यपुर पुलिस थाना क्षेत्र के शिवनारायणपुर के लोगों ने जमीन के नीचे से पैर निकलते हुए देखे और पुलिस को इसकी सूचना दी। आदित्यपुर पुलिस थाने के प्रभारी अधिकारी बिनोद तिर्की के नेतृत्व में एक पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची और एक मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में शव को कब्र से बाहर निकाला और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

राजस्थान में विश्वविद्यालयों की डिग्री व डिप्लोमा पर होगा क्यूआर कोड

जयपुर : राजस्थान में सरकारी और निजी विश्वविद्यालयों द्वारा जारी की जाने वाली डिग्री, डिप्लोमा, मार्कशीट और माइग्रेशन सर्टिफिकेट आदि दस्तावेजों पर अनिवार्य रूप से 'क्यूआर कोड' अंकित किया जाएगा। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। आधिकारिक बयान के मुताबिक, फर्जी डिग्री और दस्तावेज के जरिये नौकरी पाने वालों पर लगाम लगाने के लिए राज्य सरकार ने यह कदम उठाया है। उल्लेखनीय है कि भर्ती प्रक्रियाओं के दौरान बड़ी संख्या में संदिग्ध दस्तावेज सामने आते हैं जिनकी जांच में लंबा समय लगता है। इसके निवारण एवं दस्तावेज की पुष्टि के लिए विश्वविद्यालयों की ओर से जारी डिग्री व अन्य दस्तावेज में विभिन्न परिवर्तन के लिए राजस्थान लोक सेवा आयोग ने राज्य सरकार को सुझाव दिए थे।

आरएसएस प्रमुख मोहन भगवत हैदराबाद में विश्व संघ शिविर के समापन समारोह में शामिल होंगे

हैदराबाद : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भगवत 28 दिसंबर को हैदराबाद में अंतरराष्ट्रीय हिंदू संगठनों के सम्मेलन 'विश्व संघ शिविर' के समापन समारोह में शामिल होंगे। इस तीन दिवसीय सम्मेलन की शुरुआत बृहस्पतिवार को हैदराबाद के पास कान्हा शांति वनम में हुई थी। एक विज्ञप्ति के मुताबिक, हिंदू स्वयंसेवक संघ, हिंदू सेवा संघ, विश्व हिंदू परिषद (विहिप) और अन्य संगठनों के सदस्य अपने परिवार के साथ 'विश्व संघ शिविर' में शामिल हो रहे हैं। इस आयोजन में 75 देशों के लगभग 2,000 प्रतिनिधि हिस्सा ले रहे हैं। विज्ञप्ति के अनुसार, यह सम्मेलन विभिन्न देशों के प्रतिभागियों को एक-दूसरे से मिलने और विचारों का आदान-प्रदान करने का अवसर प्रदान करेगा।

राजस्थान के जयपुर संभाग में शीतलहर, कई जगह कोहरा

जयपुर : राजस्थान में सर्दी ने जोर पकड़ लिया है जहां बुधवार रात जयपुर संभाग में शीतलहर दर्ज की गई व बृहस्पतिवार सुबह कई जगह कोहरा छाया रहा। मौसम केंद्र जयपुर ने बृहस्पतिवार सुबह बताया कि पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में मौसम शुष्क रहा। इस दौरान राज्य के जयपुर संभाग में शीत लहर दर्ज की गई वहीं कोटा संभाग सहित कई और जगह कोहरा छाया रहा।

राजस्थान: सरपंच चुनाव लड़ने के लिए 10वीं पास होना अनिवार्य करने की तैयारी

जयपुर : राजस्थान सरकार पंचायती राज और शहरी स्थानीय निकाय चुनावों के लिए शैक्षणिक योग्यता की शर्त फिर से लागू करने की योजना बना रही है। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। स्वायत्त शासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने कहा कि शैक्षणिक योग्यता को लागू करने का प्रस्ताव मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को अनुमोदन के लिए भेजा गया है। प्रस्ताव में सरपंच पद का चुनाव लड़ने के लिए उम्मीदवार का कम से कम 10वीं पास होना अनिवार्य करने की बात कही गई है। इसी तरह पार्षद पद का चुनाव लड़ने के लिए 10वीं और 12वीं में से एक योग्यता लागू करने का प्रस्ताव है। स्वायत्त शासन मंत्री ने कहा कि पंचायती राज और निकाय चुनाव लड़ने के लिए शैक्षणिक योग्यता लागू करने के वास्ते पंचायती राज कानून और नगरपालिका कानून में संशोधन करने होंगे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री स्तर से मंजूरी मिलने के बाद दो अलग-अलग विधेयक लाए जाएंगे और विधानसभा के बजट सत्र में दोनों विधेयकों को पारित कर कानून में संशोधन करवाया जा सकता है। उल्लेखनीय है कि 2015 में तत्कालीन वसुंधरा राजे सरकार के समय पंचायती राज और शहरी निकाय चुनावों में शैक्षणिक योग्यता लागू की गई थी। इसके तहत वार्ड पंच के लिए किसी तरह की शैक्षणिक योग्यता की बाध्यता नहीं थी, लेकिन सरपंच का आठवीं पास होना जरूरी था।

दिल्ली : वायु गुणवत्ता में सुधार, एक्यूआई घटकर 234 हुआ

नयी दिल्ली : राष्ट्रीय राजधानी में लगातार दूसरे दिन बृहस्पतिवार को लोगों को प्रदूषण के उच्च स्तर से राहत मिली और वायु गुणवत्ता में सुधार होकर यह 'खराब' श्रेणी में आ गई तथा वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 234 दर्ज किया गया। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, वाहनों से होने वाला उत्सर्जन और पड़ोसी शहरों से होने वाला प्रदूषण राजधानी के वायु प्रदूषण में महत्वपूर्ण योगदान देना जारी रखे हुए है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार दिल्ली का 24 घंटे का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) शाम चार बजे 234 रहा, जो 'खराब' श्रेणी में बना हुआ है, जबकि एक दिन पहले इसी समय यह 271 दर्ज किया गया था। दिल्ली में मंगलवार को शाम चार बजे दर्ज किए गए 'गंभीर' एक्यूआई 412 की तुलना में यह एक महत्वपूर्ण सुधार दर्शाता है। शहर में कार्यरत 40 वायु गुणवत्ता निगरानी केंद्रों में से 10 केंद्रों ने एक्यूआई 200 से नीचे मध्यम श्रेणी में दर्ज किया, जिनमें लोधी रोड, आईआईटी- दिल्ली, इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा और आया नगर शामिल हैं, जबकि 27 केंद्रों में वायु गुणवत्ता खराब श्रेणी में दर्ज किया गया। जहांगीरपुरी और बवाना स्टेशनों पर वायु गुणवत्ता बेहद खराब दर्ज की गई, जहां एक्यूआई का स्तर 300 से ऊपर रहा। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के मुताबिक शून्य से 50 के बीच एक्यूआई को 'अच्छा', 51 से 100 को 'संतोषजनक', 101 से 200 को 'मध्यम', 201 से 300 को 'खराब', 301 से 400 को 'बेहद खराब' और 401 से 500 के बीच को 'गंभीर' माना जाता है। वायु गुणवत्ता प्रबंधन के लिए निर्णय सहायता प्रणाली (डीएसएस) के आंकड़ों से पता चला है कि बुधवार को दिल्ली में प्रदूषण के कुल स्तर में वाहनों से होने वाले उत्सर्जन का सबसे बड़ा योगदान था, जो 18.5 प्रतिशत था। इसके बाद दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों में स्थित उद्योगों (9.5 प्रतिशत), निर्माण गतिविधियों (2.5 प्रतिशत) और अपशिष्ट जलाने (1.6 प्रतिशत) का स्थान रहा। वायु गुणवत्ता प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली के अनुसार, बृहस्पतिवार को अपराह्न के दौरान सतह पर चलने वाली हवा की प्रमुख दिशा उत्तर-पश्चिम थी और हवा की गति 10 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच गई थी।

राष्ट्रपति ने संथाली भाषा में भारतीय संविधान का विमोचन किया

नई दिल्ली, समाज्ञा : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार को राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक समारोह में संथाली भाषा में भारतीय संविधान का विमोचन किया। यह संविधान ओल चिकी लिपि में प्रकाशित किया गया है। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने कहा कि संथाली समाज के लिए यह गर्व और प्रसन्नता का विषय है कि अब भारतीय संविधान संथाली भाषा में उपलब्ध है। इससे संथाली भाषी नागरिकों को अपने संविधान को अपनी मातृभाषा में पढ़ने और समझने का अवसर मिलेगा। राष्ट्रपति ने कहा कि इस वर्ष ओल चिकी लिपि की शताब्दी मनाई जा रही है। उन्होंने इस ऐतिहासिक वर्ष में संविधान को ओल चिकी लिपि में प्रकाशित करने के लिए केंद्रीय कानून एवं न्याय मंत्री तथा उनकी टीम की सराहना की। समारोह में भारत के उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन तथा केंद्रीय कानून एवं न्याय राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल भी उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि संथाली भाषा को संविधान के 92वें संशोधन अधिनियम, 2003 के माध्यम से आठवीं अनुसूची में शामिल किया गया था। संथाली भारत की प्राचीन जीवंत भाषाओं में से एक है, जिसे झारखंड, ओडिशा, पश्चिम बंगाल और बिहार के बड़ी संख्या में आदिवासी समुदाय बोलते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने खेल को बनाया राष्ट्रीय प्राथमिकता: मुख्यमंत्री शर्मा

जयपुर : राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बृहस्पतिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत खेलों के क्षेत्र में नई ऊंचाइयां छू रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने खेलों को राष्ट्रीय प्राथमिकता का विषय बनाया है और खेलो इंडिया जैसी पहल ने पूरे देश में खेल संस्कृति को बढ़ावा दिया है। शर्मा सवाई मानसिंह स्टेडियम में आयोजित सांसद खेल महोत्सव के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। प्रधानमंत्री मोदी ने समापन समारोह को डिजिटल माध्यम से संबोधित किया। एक विज्ञप्ति के अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि सांसद खेल महोत्सव जन आंदोलन बन गया है। उन्होंने कहा कि इस महोत्सव से हजारों प्रतिभाशाली खिलाड़ी सामने आ रहे हैं और यह युवा विकास के माध्यम से राष्ट्र निर्माण के मंत्र का मजबूत स्तंभ बन रहा है। शर्मा ने बताया कि राज्य सरकार ने राजस्थान में खेलों को बढ़ावा देने के लिए ठोस कदम उठाए हैं, जिनमें 'खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स' का सफल आयोजन और 'स्पोर्ट्स लाइफ इंश्योरेंस स्कीम' की शुरुआत शामिल है।

इंदौर की एबी रोड अब कहलाएगी 'अटल बिहारी मार्ग'

इंदौर (मध्यप्रदेश) : अटल बिहारी वाजपेयी की 101वीं जयंती पर इंदौर नगर निगम ने बृहस्पतिवार को शहर की एक प्रमुख सड़क का नामकरण पूर्व प्रधानमंत्री के नाम पर करने का फैसला किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने संवाददाताओं को बताया कि महापौर परिषद की बैठक में सर्वसम्मति से एबी रोड (आगरा-बॉम्बे रोड) का नाम बदलकर 'अटल बिहारी मार्ग' करने का फैसला किया गया। उन्होंने कहा,''वाजपेयी ने प्रधानमंत्री के तौर पर देश भर में बुनियादी ढांचे को मजबूत किया था जिससे ग्रामीण इलाकों की सड़कें मुख्य मार्गों से जुड़ी थीं। उनके इस ऐतिहासिक योगदान के सम्मान में हमने फैसला किया है कि शहर का एबी रोड अब अटल बिहारी मार्ग के नाम से जाना जाएगा।'' एबी रोड, इंदौर की एक मुख्य बसाहट का वह व्यस्त मार्ग है जो कई साल पहले आगरा-मुंबई राष्ट्रीय राजमार्ग का हिस्सा था। अब यह राष्ट्रीय राजमार्ग शहर के बाहरी हिस्से से गुजरता है। महापौर ने कहा,''हम केंद्र सरकार से निवेदन करेंगे कि इस राष्ट्रीय राजमार्ग का नाम भी वाजपेयी के नाम पर रखा जाए।'' मध्यप्रदेश के ग्वालियर में 25 दिसंबर 1924 को जन्मे वाजपेयी की जयंती 'सुशासन दिवस' के रूप में मनाई जाती है।

कर्नाटक में ट्रक और बस की टक्कर में छह लोगों की मौत: पुलिस

चित्रदुर्ग (कर्नाटक) : कर्नाटक के चित्रदुर्ग जिले में बुधवार देर रात एक तेज रफ्तार ट्रक के बस से टकरा जाने के बाद बस में आग लग गई, जिससे एक बच्चा समेत कम से कम छह लोगों की मौत हो गई। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। पूर्वी जोन के पुलिस महानिरीक्षक रविकांत गौड़ा ने पहले प्रारंभिक जांच का हवाला देते हुए कहा था कि नौ लोग मारे गए है, लेकिन बाद में उन्होंने और जिला पुलिस प्रमुख ने कहा कि पांच लोगों की जान गई। बाद में पता चला कि इस दुर्घटना में जान गंवाने वालों में एक बच्ची भी शामिल थी। पुलिस अधीक्षक रंजीत कुमार बंदारू ने

चित्रदुर्ग में संवाददाताओं को बताया, इसके साथ ही इस दुर्घटना में मरने वालों की संख्या छह हो गई है। प्रारंभिक जांच के आधार पर, गौड़ा ने कहा था कि तीन लोग लापता हैं, लेकिन बंदारू ने कहा कि केवल दो लोग लापता हैं। गौड़ा के अनुसार, एक लापता दंपति की पहचान हो गई है और वे सुरक्षित हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने हादसे में लोगों की मौत पर शोक व्यक्त किया।

नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से वाणिज्यिक उड़ानों का परिचालन शुरू

मुंबई : नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से बृहस्पतिवार को वाणिज्यिक उड़ानों का परिचालन शुरू हो गया। यह भारत के नागरिक उड्डयन क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जिससे मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) के लिए हवाई यात्रा क्षमता का विस्तार होगा। नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (एनएमआईए) ने परिचालन शुरू किया और इंडिगो की बेंगलुरु से आने वाली पहली उड़ान सुबह आठ बजे हवाई पट्टी पर उतरी। हवाई अड्डा संचालक ने एक बयान में कहा कि आगमन पर विमान को पारंपरिक 'वॉटर कैनन सैल्यूट' (पानी की बौछारों से सलामी) दिया गया। यह विमानन क्षेत्र की एक पुरानी परंपरा है, जिसने एनएमआईए के पहले वाणिज्यिक आगमन और प्रस्थान का संकेत दिया। बयान के मुताबिक, पहले आगमन के बाद हवाई अड्डे से पहली उड़ान इंडिगो की 6ई882 सुबह 08:40 बजे हैदराबाद के लिए रवाना हुई, जिसके साथ ही एनएमआईए का उद्घाटन आगमन और प्रस्थान चक्र पूरा हो गया। पहले दिन इंडिगो, एयर इंडिया एक्सप्रेस, अकासा एयर और स्टार एयर घरेलू सेवाओं का परिचालन करेंगे, जो इस नयी सुविधा को भारत के नौ गंतव्यों से जोड़ेंगे। बयान के अनुसार, हवाई अड्डा पहले दिन 15 उड़ानों के प्रस्थान का परिचालन करेगा। इसमें बताया गया कि प्रारंभिक चरण के दौरान यह सुविधा 12 घंटे (सुबह आठ बजे से रात आठ बजे के बीच) संचालित होगी, जिसमें 13 गंतव्यों के लिए प्रतिदिन 24 उड़ानों के प्रस्थान की व्यवस्था होगी।

अरावली मुद्दे को लेकर जयपुर में प्रदर्शन

जयपुर : अरावली की नई परिभाषा के मुद्दे पर जयपुर के सेंट्रल पार्क में बृहस्पतिवार को बड़ी संख्या में लोगों ने मौन प्रदर्शन किया। 'भारत सेवा संस्थान' के सचिव और राज्य के पूर्व महाधिवक्ता जी.एस. बापना ने इस प्रदर्शन का नेतृत्व किया। हाथों में तख्तियां लिए लोगों ने इस बात पर चिंता जताई कि नई परिभाषा से अरावली का 90 प्रतिशत हिस्सा कानूनी संरक्षण से बाहर हो जाएगा। पार्क में घूमने आए लोग भी इस प्रदर्शन में शामिल हुए। बापना ने कहा कि अरावली एक महत्वपूर्ण पर्वतमाला है, जिस पर जल, वन, वन्यजीव, पर्यटन स्थल, मंदिर, किले और महल निर्भर करते हैं। उन्होंने कहा कि इस पर्वतमाला का संरक्षण जरूरी है।

बिहार की आठ हजार पंचायतों में बनेंगे खेल क्लब : सम्राट चौधरी

पटना : बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बृहस्पतिवार को कहा कि राज्य की करीब आठ हजार पंचायतों में खेल क्लब बनाए जाएंगे जिनमें सभी प्रमुख खेलों के लिए आवश्यक खेल सामग्री और उपकरण उपलब्ध होंगे। उन्होंने कहा कि इसका मकसद यह है कि ग्रामीण और स्थानीय स्तर से क्रिकेटर महेंद्र सिंह धोनी और सचिन तेंदुलकर जैसी प्रतिभाएं उभरकर सामने आ सकें। चौधरी, पटना के मोइन-उल-हक स्टेडियम में आयोजित सांसद खेल महोत्सव-2025 को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बिहार सरकार ने यह नीति बनाई है कि जो

खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर राज्य और देश का प्रतिनिधित्व करेंगे, उन्हें सीधे सरकारी नौकरी दी जाएगी। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार 13 स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का निर्माण करा रही है। उन्होंने कहा कि मोइन-उल-हक स्टेडियम, जहां वर्ष 1996 में अंतिम बार क्रिकेट विश्व कप का मैच खेला गया था, वहां जल्द ही अंतरराष्ट्रीय स्तर का मैदान विकसित करने का काम शुरू किया जाएगा। उन्होंने बताया कि पाटलिपुत्र स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का नवीनीकरण किया जाएगा और इसे और भव्य बनाने की तैयारी है। चौधरी ने कहा कि आज के युवा खेल के माध्यम से अपना करियर बना रहे हैं और 'खेलो इंडिया' जैसी योजनाओं को लगातार बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने दोहराया कि बिहार सरकार खेल और खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

मुखर्जी, उपाध्याय और अटल के दृष्टिकोण को आगे बढ़ा रहे प्रधानमंत्री मोदी : योगी

लखनऊ : उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को कहा कि तीन महान नेताओं-पंडित श्यामा प्रसाद मुखर्जी, दीनदयाल उपाध्याय और अटल बिहारी वाजपेयी ने भारत को नयी दिशा दी और उनकी विरासत को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आत्मनिर्भर एवं विकसित राष्ट्र के रूप में आगे बढ़ाया जा रहा है। यहां पूर्व प्रधानमंत्री 'भारत रत्न' अटल बिहारी वाजपेयी की 101वीं जयंती के अवसर पर मोदी द्वारा 'राष्ट्र प्रेरणा स्थल' के लोकार्पण के मौके पर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए आदित्यनाथ ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी के भारत के उज्ज्वल

भविष्य को लेकर कहे गए शब्द केवल आशा की अभिव्यक्ति नहीं थे, बल्कि राष्ट्र के प्रति उनके दूरदर्शी दृष्टिकोण, गहरे विश्वास और दृढ़ संकल्प को दर्शाते थे। उन्होंने कहा, ''जब वाजपेयी ने अपनी कविता में अंधेरा छंटेगा, सूरज उगेगा और कमल खिलेगा की बात कही थी, तो वह भारत के उज्ज्वल भविष्य में उनके अटूट विश्वास का प्रतीक था और एक ऐसा दृष्टिकोण था जो आज विकसित भारत के रूप में साकार होता दिख रहा है। योगी ने कहा, अटल जी ने कवि, पत्रकार, राष्ट्रवादी विचारक और भारत के सच्चे सपूत के रूप में जो नेतृत्व दिया, उसे हर भारतवासी आज विकास के नए रूप में देख रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा, ''वाजपेयी की जन्म शताब्दी वर्ष के अवसर पर आयोजित 'राष्ट्र प्रेरणा स्थल' समारोह के मुख्य अतिथि-हम सबके मार्गदर्शक, अमृत काल के सारथी, आत्मनिर्भर एवं विकसित भारत के शिल्पकार, विश्व के सबसे लोकप्रिय नेता एवं देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का मैं उत्तर प्रदेश की जनता की ओर से स्वागत करते हैं।''

बनारस को चौपाटी बना दिया गया है : काशीनाथ सिंह

वाराणसी : ''लोगों ने बनारस को बर्बाद कर दिया है। ये मॉल और कॉलोनियों का मुहल्ला नहीं था। ये गलियों और मुहल्लों का मोहल्ला था। पहले लोग बनारस की परंपरा को देखने के लिए आते थे, अब लोग आरती के लिए आते हैं। बनारस के चरित्र को नष्ट किया जा रहा है।'' साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित और 'काशी का अस्सी' जैसा बहुचर्चित और बहुविवादित उपन्यास लिखने वाले काशीनाथ सिंह ने एक मुलाकात में शहर के बदलते रूप रंग को लेकर कुछ इस तरह से अपना दर्द बयां किया। 'भाषा' के साथ यहां ब्रिज एन्क्लेव में स्थित अपने आवास पर एक विशेष बातचीत में उन्होंने शहर को

लेकर पुरानी यादों के पन्नों को पलटते हुए कहा, '' 1953 में जब हम आए थे तो इस शहर में कार एक दो थीं... इक्के थे। प्रेमचंद, जयशंकर प्रसाद इक्के से आते जाते थे। लेकिन अब तो कारें हैं, मल्टी प्लेक्सेस बने हुए हैं। अब बनारस में, दिल्ली या किसी बड़े शहर में कोई फर्क नहीं रह गया है।'' एक जनवरी 1937 को जियापुर, चंदौली में जन्में काशीनाथ का बनारस से लगाव जगजाहिर है। और इसी कारण शहर के आधुनिकता की चपेट में आने से वह खासे दुखी भी हैं। उन्होंने कहा,'' पहले लोग बनारस की परंपरा को देखने के लिए आते थे, अब लोग आरती के लिए आते हैं। नमो घाट, अस्सी घाट... वहां शाम को हम दस. पांच लोग घाटों की सीढ़ियों पर बैठते थे, सन्नाटा रहता था, शांत, गंगा बहती रहती थी। आपस में बातें करते थे, टहलते थे। नहाने वाले शाम को दो. चार लोग होते थे। और यहां एकदम शांति होती थी... साधु बैठे हुए हैं, जटा जूट बढ़ाए, ध्यान कर रहे हैं, योगी धुनी रमाए, पूरे बदन में राख लपेटे बैठे हैं.... अब तो एक तमाशा हो गया है। अस्सी को अब चौपाटी बना दिया गया है।

न्यूज ब्रीफ

ओला इलेक्ट्रिक को पीएलआई योजना के तहत 367 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि मिलेगी

नयी दिल्ली : इलेक्ट्रिक दोपहिया कंपनी ओला इलेक्ट्रिक ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसे भारी उद्योग मंत्रालय से 'उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन' (पीएलआई) योजना के तहत 366.78 करोड़ रुपये की अनुदान राशि जारी किए जाने का आदेश मिला है। कंपनी के बयान के मुताबिक, यह भुगतान आदेश वित्त वर्ष 2024-25 के लिए निर्धारित बिक्री मूल्य पर आधारित मांग प्रोत्साहन के तहत है और उसे भुगतान आईएफसीआई लिमिटेड के माध्यम से किया जाएगा, जो इस योजना के तहत कोष वितरण के लिए नामित वित्तीय संस्थान है। ओला इलेक्ट्रिक ने कहा कि यह भुगतान वाहन क्षेत्र के लिए संचालित पीएलआई योजना की लागू शर्तों और नियमों के अनुरूप अनुमोदित किया गया है।

अदाणी समूह ने तीन साल में 80,000 करोड़ रुपये के 33 अधिग्रहण सौदे किए

नयी दिल्ली : अदाणी समूह ने जनवरी, 2023 में हिंडनबर्ग की रिपोर्ट आने के बाद से अपने विभिन्न कारोबारों में अब तक 33 अधिग्रहण सौदे किए हैं जिनका कुल मूल्य लगभग 80,000 करोड़ रुपये (9.6 अरब डॉलर) है। यह कंपनी की पूंजी तक निरंतर पहुंच और ठोस निष्पादन क्षमता को दर्शाता है। करीब तीन साल पहले अमेरिकी निवेश एवं शोध कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च ने समूह की कंपनियों पर लेखा-जांच में गड़बड़ी और शेयरों में हेराफेरी का आरोप लगाया था। हालांकि अदाणी समूह ने इन आरोपों का लगातार खंडन किया है। बाजार के आंकड़ों और कंपनी सूत्रों के मुताबिक, पिछले करीब तीन साल में अदाणी समूह के अधिग्रहण सौदे मुख्य रूप से समूह की मुख्य गतिविधियों से जुड़े रहे। इस दौरान बंदरगाह खंड में 28,145 करोड़ रुपये के सौदे किए गए जबकि सीमेंट कारोबार में 24,710 करोड़ रुपये और बिजली क्षेत्र में 12,251 करोड़ रुपये के अधिग्रहण किए गए।

भारत की वृद्धि की गति को बनाए रखने के लिए संस्थागत सुधार, राजकोषीय मजबूती महत्वपूर्ण: सीआईआई

नयी दिल्ली : उद्योग मंडल सीआईआई ने सरकार से देश की वृद्धि की गति को बनाए रखने के लिए आगामी बजट में संस्थागत सुधारों और राजकोषीय मजबूती को बढ़ावा देने का बृहस्पतिवार को आग्रह किया। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ने भारत की वृहद आर्थिक स्थिरता को मजबूत करने के लिए तैयार की गई रणनीति में ये सुझाव दिए। यह रणनीति ऋण स्थिरता, राजकोषीय पारदर्शिता, राजस्व जुटाने और व्यय दक्षता जैसे प्रमुख तत्वों पर आधारित है। सीआईआई के महानिदेशक चंद्रजीत बनर्जी ने कहा, '' भारत ने उच्च वृद्धि दर, कम मुद्रास्फीति एवं बेहतर राजकोषीय संकेतकों का एक दुर्लभ संगम हासिल किया है। आगामी केंद्रीय बजट को अनुशासित राजकोषीय प्रबंधन एवं गहन संस्थागत सुधारों के माध्यम से इस गति को बनाए रखना होगा।'' वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण लोकसभा में 2026-27 का केंद्रीय बजट फरवरी में पेश कर सकती हैं। सीआईआई ने सरकार को कर चोरी का पता लगाने के लिए अत्याधुनिक विश्लेषण तरीकों का इस्तेमाल करने का सुझाव दिया। उसने तर्क दिया कि देश को वर्तमान 17.5 प्रतिशत (केंद्र एवं राज्यों को मिलाकर) के कर-जीडीपी अनुपात को बढ़ाने की आवश्यकता है। 'कर-जीडीपी अनुपात', यह मापने का पैमाना है कि किसी देश के कुल राजस्व (जीडीपी) का कितना हिस्सा सरकार कर के रूप में एकत्रित करती है। बनर्जी ने कहा, '' देश की विकासात्मक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए भारत को अपने कर-जीडीपी अनुपात को बढ़ाने की आवश्यकता है। भारत के विश्व स्तरीय डिजिटल बुनियादी ढांचे से प्राप्त आंकड़ों का उपयोग कर चोरी का पता लगाने और कर आधार को बढ़ाने में सहायक हो सकता है।'' सीआईआई ने कहा कि कर रिटर्न को उच्च मूल्य के लेन-देन से जोड़ना और अत्याधुनिक विश्लेषण तरीकों का उपयोग करना कर चोरी का वास्तविक समय में पता लगाने में सहायक हो सकता है। साथ ही अनुपालन लागत को भी कम कर सकता है। उद्योग जगत ने ऋण को प्रबंधन योग्य बनाये रखने को सुनिश्चित करने के लिए वित्त वर्ष 2030-31 तक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के एक प्रतिशत घट-बढ़ के साथ 50 प्रतिशत के लक्ष्य वाले सरकार के कर्ज में कमी की रूपरेखा का पालन करने पर जोर दिया।

श्रम सुधारों को 2025 में बढ़ावा मिला,चार आचार संहिताओं के 2026 में लागू होने की संभावना

नयी दिल्ली : सरकार ने पांच साल की लंबी प्रतीक्षा के बाद चार श्रम संहिताओं को लागू करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है, जो 2026 में पूर्ण रूप से लागू हो जाएंगी। ये नियम देश के सभी श्रमिकों के लिए न्यूनतम वेतन और सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करेंगे। श्रम मंत्रालय ने 2026 में ईपीएफओ 3.0 संस्करण लाने की भी योजना बनाई है, जो कर्मचारियों की भविष्य निधि की तेजी से निकासी सुनिश्चित करेगा एवं कर्मचारियों की पेंशन योजना 1995 के तहत पेंशन निर्धारण तथा कर्मचारियों की जमाकर्ता-सम्बंधित बीमा योजना 1976 के तहत बीमा दावों को भी सुविधाजनक बनाएगा। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया ने 'पीटीआई-भाषा' के साथ बातचीत में कहा कि 2025 वास्तव में भारत के श्रम एवं रोजगार परिवेश

के लिए परिवर्तनकारी वर्ष रहा जिसे ऐसे सुधारों ने चिह्नित किया जो श्रमिकों को शासन के केंद्र में रखते हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष की एक प्रमुख उपलब्धि 21 नवंबर 2025 से चार श्रम संहिताओं का लागू होना रही। इससे 29 श्रम कानूनों को आधुनिक, समेकित एवं सरल ढांचे में परिवर्तित किया गया। मंत्री ने कहा, '' 2026 में ध्यान प्रौद्योगिकी-संचालित सेवा वितरण तथा प्रभावी भौतिक क्रियान्वयन के माध्यम से सुधारों को और बढ़ाने पर रहेगा। इसके साथ ही श्रम संहिताओं के तहत नियमों का कार्यान्वयन भी समान रूप से महत्वपूर्ण होगा।'' मांडविया ने कहा, '' एक बार लागू होने पर ये नियम कार्यस्थल स्तर पर विधायी ढांचे को व्यावहारिक परिणामों में बदल देंगे जिससे कर्मचारियों एवं नियोक्ताओं दोनों के लिए अधिक स्पष्टता, समानता एवं पूर्वानुमेयता सुनिश्चित होगी। इससे भारत के आधुनिक, औपचारिक तथा समावेशी श्रम बाजार की ओर बदलाव तेजी से होगा।'' उन्होंने बताया कि ये नियम भारत के श्रम क्षेत्र के इतिहास में सबसे व्यापक सुधार का प्रतिनिधित्व करते हैं जिनका उद्देश्य कर्मचारियों की भलाई सुनिश्चित करना, और रोजगार सृजन को प्रोत्साहित करना है।

भारत में पेट्रोल पंप की संख्या एक लाख के पार, एक दशक में हुई दोगुना

नयी दिल्ली : देश में पेट्रोल पंप की संख्या 2015 से दोगुना होकर 1,00,000 के पार पहुंच चुकी है। सार्वजनिक क्षेत्र के ईंधन खुदरा विक्रेताओं ने बाजार हिस्सेदारी को बनाए रखने तथा ग्रामीण एवं राजमार्ग क्षेत्रों में ईंधन की पहुंच को और अधिक बढ़ाने के लिए तेजी से पेट्रोल पंप का विस्तार किया है। पेट्रोलियम मंत्रालय के अंतर्गत आने वाला पेट्रोलियम योजना एवं विश्लेषण प्रकोष्ठ से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, नवंबर के अंत तक देश में 1,00,266 पेट्रोल पंप थे। यह अमेरिका और चीन के बाद तीसरा सबसे बड़ा आंकड़ा है। सार्वजनिक क्षेत्र की इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी), भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) जैसी सरकारी कंपनियों के पास 90 प्रतिशत से अधिक पंप हैं। रूस की रोसनेफ्ट समर्थित नायरा एनर्जी लिमिटेड 6,921 पेट्रोल पंप के साथ सबसे बड़ी निजी ईंधन खुदरा विक्रेता है। इसके बाद रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड और बीपी के संयुक्त उद्यम के स्वामित्व वाले 2,114 पेट्रोल पंप हैं। शेल के 346 पेट्रोल पंप हैं।

पीपीएसी के आंकड़ों के अनुसार, पेट्रोल पंप नेटवर्क 2015 में 50,451 स्टेशन से लगभग दोगुना हो गया है। उस वर्ष, निजी कंपनियों के स्वामित्व वाले 2,967 पेट्रोल पंप कुल बाजार का लगभग 5.9 प्रतिशत थे। वर्तमान में, वे कुल बाजार का 9.3 प्रतिशत हिस्सा हैं। भारत में दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा पेट्रोल पंप नेटवर्क है। अमेरिका में सबसे बड़ा नेटवर्क है। अमेरिका में पेट्रोल पंप की संख्या के बारे में कोई आधिकारिक आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं लेकिन 2024 की एक रिपोर्ट के अनुसार देश में खुदरा पेट्रोल पंप की संख्या 1,96,643 थी। तब से कुछ पंप बंद हो चुके होंगे। चीन के लिए पिछले साल की एक रिपोर्ट में पेट्रोल पंप की संख्या 1,15,228 बताई गई थी। सिनोपेक की वेबसाइट पर मौजूद जानकारी के अनुसार वह 30,000 से अधिक चालू पेट्रोल पंप के साथ चीन का सबसे बड़ा ईंधन खुदरा विक्रेता है।

इस साल 24 बड़े शहरों में औद्योगिक-लॉजिस्टिक क्षेत्रों की मांग रिकॉर्ड स्तर पर पहुंची

नयी दिल्ली : देश में इस साल औद्योगिक और लॉजिस्टिक क्षेत्रों की मांग अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गई, जिसमें 24 बड़े शहरों में कुल 7.65 करोड़ वर्ग फुट की जगह को पट्टे पर लिया गया। रियल एस्टेट परामर्श कंपनी सेविल्स ने यह जानकारी दी। सेविल्स इंडिया के आंकड़ों के अनुसार, इन जगहों में 29 प्रतिशत स्थान निर्माण क्षेत्र ने पट्टे पर लिया, 28 प्रतिशत जगह तृतीय पक्ष की लॉजिस्टिक कंपनियों ने और 12 प्रतिशत ई-कॉमर्स कंपनियों ने ली। सेविल्स इंडिया ने बताया, भारत का औद्योगिक और लॉजिस्टिक्स क्षेत्र महामारी के बाद भी तेजी से बढ़ रहा है और इस साल इसका वार्षिक पट्टा लेने का स्तर 7.65 करोड़ वर्ग फुट तक पहुंच गया, जो अब तक का सबसे उच्च स्तर है। पिछले साल 2024 में औद्योगिक और लॉजिस्टिक क्षेत्रों की पट्टेदारी 6.45 करोड़ वर्ग फुट थी। इस साल कुल पट्टेदारी में अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई, दिल्ली-एनसीआर और पुणे ने 20 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। इन शहरों में इस साल 5.95 करोड़ वर्ग फुट जगह पट्टे पर ली गई, जबकि 2024 में यह 4.97 करोड़ वर्ग फुट थी।

असली चाय के पौधे से बना पेय ही माना जाएगा चाय: एफएसएसएआई

नयी दिल्ली : भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने खाद्य व्यवसाय परिचालकों को कड़ी चेतावनी देते हुए है कि अगर कोई हर्बल या पौधा-आधारित पेय पदार्थ, असली चाय के पौधे 'कैमेलिया सिनेंसिस' से नहीं बना है, तो उसे 'चाय' के रूप में नहीं बेचा जा सकता है। एफएसएसएआई ने बुधवार को जारी निर्देश में कहा कि इस तरह के उत्पादों को गलत ब्रांडिंग और ग्राहकों को गुमराह करने वाला माना जाएगा। इसके मुताबिक, कई खाद्य व्यवसाय से जुड़े कई परिचालक 'रूइबोस

चाय', 'हर्बल चाय', 'फ्लॉवर टी' जैसे उत्पादों का विपणन कर रहे हैं, जबकि ये असली चाय के पौधे से नहीं निकले हैं। नियमों के मुताबिक, 'चाय' शब्द का उपयोग केवल उन्हीं पेय के लिए किया जा सकता है जो कैमेलिया सिनेंसिस पौधे से बने हों। इसमें ग्रीन टी, कांगड़ा टी और इंस्टेंट टी जैसे उत्पाद शामिल हैं। एफएसएसएआई ने स्पष्ट रूप से कहा है, ऐसे हर्बल या पौधों से बने मिश्रण जो असली चाय के पौधे से नहीं बने हैं, उन्हें 'चाय' नाम से नहीं बुलाया जा सकता है। एफएसएसएआई ने कहा कि इस नियम का उल्लंघन खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के तहत आता है। खाद्य उत्पादों के निर्माण, पैकिंग, वितरण, आयात या बिक्री से जुड़े सभी खाद्य व्यवसाय परिचालकों (एफबीओ) के लिए इन खाद्य सुरक्षा नियमों का पालन करना अनिवार्य किया गया है।

सरकार जल्द ही स्वामी-2 कोष की शुरुआत करेगी, अटकी परियोजनाओं में एक लाख मकानों का निर्माण होगा

नयी दिल्ली : सरकार स्वामी-2 कोष की रूपरेखा को अंतिम रूप दे रही है और जल्द ही इसको चालू कर दिया जाएगा ताकि अटकी पड़ी आवासीय परियोजनाओं को पूरा करने के लिए अंतिम चरण का वित्तपोषण उपलब्ध कराया जा सके। सूत्रों ने यह जानकारी दी। इस

15,000 करोड़ रुपये के कोष के शुरू होने से करीब एक लाख मध्यमवर्गीय मकान खरीदारों को राहत मिलेगी जिनके निवेश, अपार्टमेंट के लिए गए ऋणों की ईएमआई (समान मासिक किस्त) का भुगतान करने के बावजूद अटके हुए हैं। इसके लिए सरकार ने बजट 2025-26 में 'किफायती और मध्यम आय वाले आवास के लिए विशेष व्यवस्था' (स्वामी) के लिए 1,500 करोड़ रुपये की प्रारंभिक पूंजी पहले ही आवंटित कर दी है। सूत्रों ने बताया कि नए कोष के लिए रूपरेखा को अंतिम रूप दिया जा रहा है और जल्द ही मंजूरी मिल जाएगी। यह कोष व्यावसायिक रूप से व्यवहारिक परियोजनाओं को अंतिम चरण का वित्त पोषण प्रदान करेगा और अटकी हुई आवासीय परियोजनाओं में निवेश को गति देगा। केंद्र ने नवंबर 2019 में देश में अटकी हुई आवासीय परियोजनाओं को पूरा करने के लिए 'किफायती और मध्यम आय वाले आवास के लिए विशेष व्यवस्था' (स्वामी) नाम से एक कोष की घोषणा की थी। रुकी हुई आवासीय परियोजनाओं को पूरा करने के लिए प्राथमिकता के आधार पर ऋण वित्तपोषण प्रदान करने हेतु एक वैकल्पिक निवेश कोष (एआईएफ) के रूप में एक 'विशेष खिड़की' बनाई गई। इस कोष का प्रबंधन भारतीय स्टेट बैंक समूह की कंपनी एसबीआईकैप वेंचर्स लिमिटेड करती है। इस कोष के प्रायोजक वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग के सचिव हैं।

भारत की नजरें श्रीलंका के खिलाफ तीसरा टी20 और श्रृंखला जीतने पर

तिरूवनंतपुरम : आत्मविश्वास से ओतप्रोत भारतीय टीम अपनी लय को कायम रखते हुए खराब फॉर्म से जूझ रही श्रीलंकाई टीम के खिलाफ शुक्रवार को तीसरा टी20 मैच और पांच मैचों की श्रृंखला जीतने के इरादे से उतरेगी। भारत ने विशाखापत्तनम में पहले दो टी20 मैचों में क्रमश: आठ और सात विकेट से जीत दर्ज की है। भारत की यह पिछले 11 टी20 मैचों में नौवीं जीत थी। श्रीलंका ने आखिरी बार भारत को जुलाई 2024 में दाम्बुला में हराया था। मेजबान टीम के पास शानदार बल्लेबाजी क्रम है और पिछले दोनों मैचों में अलग अलग खिलाड़ियों ने जीत दिलाई है। पहले मैच में जहां जेमिमा रौड्रिग्स चली तो दूसरे में शेफाली वर्मा जीत की सूत्रधार रहीं। भारत की गेंदबाजी ईकाई भी उतनी ही दमदार है और स्पिनरों ने पहले मैच में श्रीलंका को छह विकेट पर

121 और दूसरे में नौ विकेट पर 128 रन पर रोक दिया। युवा एन श्रीचरणी, वैष्णवी शर्मा और क्रांति गौड़ ने अनुशासित, नियंत्रित और प्रभावी गेंदबाजी की है। हरफनमौला दीप्ति शर्मा बुखार के कारण दूसरा टी20 नहीं खेल पाई लेकिन उनकी जगह आई स्नेह राणा ने चार ओवर में 11 रन देकर एक विकेट लिया। भारतीय टीम को हालांकि क्षेत्ररक्षण पर काम करना होगा चूंकि पहले मैच में पांच कैच छूटे थे हालांकि दूसरे मैच में तीन रन आउट किये। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी वाली भारतीय टीम यहां अगले तीन मैचों में प्रदर्शन में सुधार करना चाहेगी। दूसरी ओर श्रीलंका को उम्मीद है कि जगह बदलने से उसकी किस्मत भी बदलेगी हालांकि दोनों टीमों के प्रदर्शन में जमीन आसमान का अंतर है। श्रीलंका को दोनों मैचों में उसके बल्लेबाजों ने निराश किया। पहले मैच में विष्मी गुणरत्ने ने 43 गेंद में 39 रन बनाये जबकि हसिनी परेरा और हर्षिता समरविक्रमा आक्रामक पारियां नहीं खेल सके। दूसरे मैच में चामरी अटापट्टू के आउट होने के बाद श्रीलंका ने 26 रन के भीतर छह विकेट गंवा दिये।

श्रीलंका के खिलाफ श्रृंखला में कुछ नई चीजों को आजमा रहे हैं: मजूमदार

भारतीय महिला टीम के मुख्य कोच अमोल मुजुमदार ने गुरुवार को यहां कहा कि टीम अगले साल ब्रिटेन में होने वाले आईसीसी महिला टी20 विश्व कप को ध्यान में रखते हुए श्रीलंका के खिलाफ चल रही पांच मैचों की मौजूदा टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में कुछ नई चीजें आजमा रही है। वनडे विश्व चैंपियन भारत पहले ही 2-0 की बढ़त बना चुका है और उसका लक्ष्य शुक्रवार को यहां होने वाले तीसरे मैच में जीत हासिल करके श्रृंखला अपने नाम करना होगा। भारत ने विशाखापत्तनम में खेले गए पहले दो टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच क्रमशः आठ और सात विकेट से जीते थे। मजूमदार ने तीसरे मैच की पूर्व संध्या पर पत्रकारों से कहा, ''वनडे विश्व कप के दौरान भी हमने यथासंभव स्थिरता बनाए रखने की कोशिश की। छह महीने बाद टी20 विश्व कप है और हम कुछ चीजों के बारे में अच्छी तरह से जानते हैं कि हमें क्या करना है और हम इस टी20 टीम को किस दिशा में ले जाना चाहते हैं।'' उन्होंने कहा, ''हम विश्व कप से पहले पूरी तरह व्यवस्थित होने के लिए कई चीजों को आजमा रहे हैं।''

खालिन जोशी और वीर अहलावत ने टाटा ओपन के पहले दिन बिखेरी चमक

जमशेदपुर : खालिन जोशी और वीर अहलावत ने गुरुवार को यहां सात अंडर 63 के समान स्कोर के साथ पीजीटीआई के साल के अंतिम टूर्नामेंट टाटा ओपन गोल्फ प्रतियोगिता के पहले दिन चमक बिखेरी। पहले दौर में आधे खिलाड़ी बेल्डीह गोल्फ क्लब में, जबकि आधे खिलाड़ी गोलमुरी गोल्फ क्लब में खेले। दूसरे दौर में खिलाड़ी अपने-अपने स्थान बदल लेंगे। खालिन और वीर ने गोलमुरी में सात अंडर 63 का स्कोर बनाकर संयुक्त बढ़त हासिल की। गुरुवार को पहले दौर का खेल पूरा नहीं हो सका क्योंकि खराब रोशनी के कारण खेल जल्दी स्थगित करना पड़ा। तब 126 खिलाड़ियों में से 10 खिलाड़ी अपना पहले दौर का खेल पूरा नहीं कर पाए थे।

खेलों में 2014 से पहले की अनियमिततायें खत्म,अब गरीब भी शीर्ष पर पहुंच सकता है : प्रधानमंत्री मोदी

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि 2014 से पहले खेल विभाग में और टीम चयन में होने वाली अनियमिततायें अब खत्म हो गई है और गरीब परिवारों के बच्चे भी कड़ी मेहनत और प्रतिभा के दम पर शीर्ष स्तर पर पहुंच रहे हैं। युवाओं में खेल संस्कृति और नेतृत्व क्षमता को बढावा देने के लिये आयोजित 'सांसद खेल महोत्सव' के मौके पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि महोत्सव में शहरों से लेकर गांवों तक हर पृष्ठभूमि के लोगों की सहभागिता दिखाती है कि इसका दायरा और प्रभाव कितना बड़ा है। उन्होंने कहा ,'' यह महोत्सव युवा निर्माण से राष्ट्र निर्माण के मंत्र का मजबूत स्तंभ बना रहा है। सांसद खेल महोत्सव से देश को हजारों की संख्या में प्रतिभाशाली खिलाड़ी मिल रहे हैं। जीत और हार से इतर खेलों से जो खेल भावना सीखने को मिलती है, उसी से सक्षम और अनुशासित युवाओं का निर्माण होता है और ऐसे युवा ही राष्ट्र के भविष्य का निर्माण करते हैं। यह महोत्सव समाज की सोच बदलने में भी अहम भूमिका निभा रहा है। '' प्रधानमंत्री मोदी ने कहा ,'' देश के दूर दराज इलाकों से कितने ही उदाहरण आ रहे हैं जो पूरे देश को प्रेरित करते हैं। कहीं कोई दिव्यांग खिलाड़ी चुनौतियों को छोटा बनाकर बुलंदियों को छू रहा है, कहीं किसी

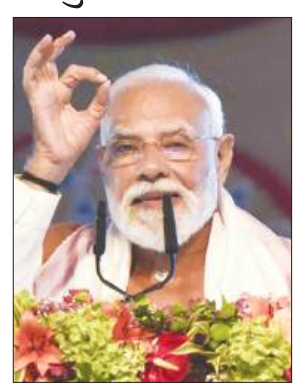

मैदान पर कोई बेटी अपने सपनों को पूरा करने में लगी है और सांसद खेल महोत्सव ऐसे खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका दे रहा है। '' उन्होंने कहा कि पहले खेलने पर बच्चों को डांटने वाले समाज में एक दशक के भीतर बदलाव इसलिये संभव हुआ क्योंकि अब माता पिता को अहसास हो गया है कि खेलने से जीवन बर्बाद नहीं होता बल्कि बच्चे खेलों में आगे बढकर अपने परिवार की ही नहीं बल्कि पूरे गांव और समाज की किस्मत बदल सकते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा ,'' देश में अब ऐसा इकोसिस्टम बन गया है जहां खिलाड़ियों का चयन पहुंच या परिचय के आधार पर नहीं बल्कि प्रतिभा के आधार पर हो रहा है। '' उन्होंने कहा ,''2014 से पहले खेल विभाग में , टीम चयन में और बुनियादी ढांचे में खेलों के नाम पर होने वाली गड़बड़ी बंद हो चुकी है। गरीब परिवारो के बच्चे भी कम उम्र में शिखर तक पहुंच सकते हैं। कल पंद्रह बीस साल के नौजवानों ने खेल के मैदान पर किसी ने 32 गेंद में शतक जमा दिया, किसी ने 40 गेंद में। यह है इनकी ताकत। '' उन्होंने कहा ,'' हम अपने युवाओं को खेलने के लिये ज्यादा से ज्यादा मंच दे रहे हैं। खेलो इंडिया के विविध खेलों और सांसद खेल महोत्सव से प्रतिभाओं की पहचान हो रही है। हमारे देश के टियर दो और तीन शहरों में भी विश्व स्तरीय खेल सुविधायें बन रही है। '' उन्होंने कहा कि 2014 से पहले देश का खेल बजट 1200 करोड़ रूपये से भी कम था जो अब 3000 करोड़ रूपये से अधिक है। उन्होंने कहा कि टॉप्स (टारगेट ओलंपिक पोडियम) योजना के जरिये खिलाड़ियों को हर महीने 25 से 50 हजार रूपये तक मदद मिल रही है। मोदी ने कहा ,'' इन सभी प्रयासों का लाभ भी हो रहा है। पिछले कुछ साल में हमारे खिलाड़ियों ने असाधारण प्रदर्शन किया है। तोक्यो ओलंपिक में सात पदक और पेरिस पैरालम्पिक में 29 पदक जीतकर पूरी दुनिया का ध्यान खींचा। एशियाई खेलों में सौ से अधिक पदक जीतकर अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। भारत के खिलाड़ी वैश्विक खेल मानचित्र पर देश को नयी पहचान दे रहे हैं। ''

चौथे एशेज टेस्ट के लिये आस्ट्रेलिया का जोर तेज गेंदबाजों पर

मेलबर्न : आस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड के खिलाफ शुक्रवार से शुरू हो रहे चौथे एशेज टेस्ट के लिये तेज गेंदबाजों पर भरोसा जताया है और चोटिल नाथन लियोन की जगह किसी स्पिनर को टीम में शामिल नहीं किया जायेगा। एडीलेड में तीसरे टेस्ट में लियोन को चोट लगी थी जिनकी जगह आफ स्पिनर टॉड मरफी को बुलाया गया। एमसीजी की पिच पर हालांकि घास को देखते हुए आस्ट्रेलिया ने मरफी को बाहर रखने का फैसला किया है। इंग्लैंड पहले तीनों टेस्ट हार चुका है जिससे आस्ट्रेलिया ने 11 दिन के भीतर ही एशेज जीत ली है। एमसीजी पर शेन वॉर्न और लियोन काफी सफल रहे हैं और ऐसा कम ही होता है कि इस

मैदान पर आस्ट्रेलियाई टीम में स्पिनर नहीं हों। कप्तान स्टीव स्मिथ ने कहा ,'' आपको पिच के हिसाब से टीम चुननी होती है और इस पिच को देखकर लगता है कि यहां तेज गेंदबाजों को काफी मदद मिलेगी। '' लियोन और नियमित कप्तान पैट कमिंस के बाहर होने से जोश इंग्लिस, झाय रिचर्डसन, ब्रेंडन डोगेट और माइकल नेसेर तेज गेंदबाजी का जिम्मा संभालेंगे।

ज्यादा उम्मीदें न रखें, मैं यहां सिर्फ खेलने आया हूं: गुकेश

दोहा : विश्व चैंपियन डी गुकेश ने कहा कि क्लासिकल शतरंज उनकी आजीविका का मुख्य साधन बना रहेगा और शुक्रवार से यहां शुरू होने वाली सत्र की अंतिम प्रतियोगिता फिडे विश्व रैपिड और ब्लिट्ज चैंपियनशिप से उन्हें ''बहुत अधिक अपेक्षाएं'' नहीं हैं। गुकेश के लिए यह सत्र अपेक्षित नहीं रहा और वह यहां होने वाले दस लाख यूरो के पुरस्कार राशि वाले टूर्नामेंट से भी बहुत अधिक उम्मीद नहीं लगा रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह यहां कुछ प्रयोग करने, कुछ मौज-मस्ती करने और टूर्नामेंट का आनंद लेने आए हैं। इस 19 वर्षीय खिलाड़ी ने पांच बार

के विश्व चैंपियन मैग्नस कार्लसन की मौजूदगी में पत्रकारों से कहा, ''मुझे लगता है कि मेरे लिए किसी भी प्रारूप में अच्छा खेलना काफी महत्वपूर्ण है और इस साल मैंने रैपिड और ब्लिट्ज प्रारूप को थोड़ा अधिक गंभीरता से लिया है। हालांकि मुझे लगता है कि क्लासिकल की तुलना में रैपिड और ब्लिट्ज टूर्नामेंट मेरी प्राथमिकता से थोड़े कम रहे।'' उन्होंने कहा, ''यह एक ऐसी प्रतियोगिता है जिससे मुझे बहुत अधिक अपेक्षाएं नहीं हैं। मैं यहां सिर्फ खेलने आया हूं, कुछ प्रयोग करने आया हूं, आनंद लेने आया हूं और मौज-मस्ती के उद्देश्य से शतरंज खेलने आया हूं।'' गुकेश के अलावा आर प्रज्ञाननंदा, अर्जुन एरिगैसी, पी हरिकृष्णा, विदित गुजराती जैसे भारतीय खिलाड़ी भी इस प्रतियोगिता में भाग ले रहे हैं।

वर्ष 10, पूर्णांक 3454 अंक 264, RNI No WBHIN/2016/66788, सर्वांग प्रकाशन के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सरोज राय द्वारा रजि. 17, बालमुकुन्द मक्कर रोड, 2सरा तल्ला, कोलकाता-700 007 से प्रकाशित। एल. एस. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. 4, कैनल वेस्ट रोड, कोलकाता-700 015 से मुद्रित।
सम्पादक- अनिल कुमार राय (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी), कॉर्पोरेट आफिस : 230, चित्तरंजन एवेन्यू, कोलकाता-700 006, विज्ञापन एवं प्रसार-9874555256/7044444522, ई-मेल news@samagya.in